शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 238 | गुवाहाटी | सोमवार, 31 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

आरएचएसी चुनाव : गठबंधन उम्मीदवारों को जिताने का केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने ... पेज 3
प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राजग सरकार बिहार में चहुंमुखी विकास कर रही है : अमित शाह पेज 4
राजद संरक्षक लालू और कांग्रेस नेता सोनिया ने बिहार को बर्बाद कर दिया : शाह पेज 5
योगी सरकार की सख्ती से यूपी में घटे 85 फीसदी तक अपराध पेज 8

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

एक नेता वह होता है जिसकी एक सोच हो, जिसमें कुछ कर गुजरने का जज्बा हो। जो मुश्किलों में डरे नहीं। बल्कि उसे यह पता हो कि समस्याओं का सामना कैसे किया जाए। सबसे महत्वपूर्ण, जो अपनी बात पर कायम रहे।

- अब्दुल कलाम

गुवाहाटी आ रही कामाख्या एक्सप्रेस के 11 डिब्बे ओडिशा में बेपटरी, एक की मौत, आठ घायल

कटक। ओडिशा के कटक में रविवार को बेंगलुरु-कामाख्या एसी एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई है जबकि 8 लोग घायल हो गए हैं। ये ट्रेन बेंगलुरु से गुवाहाटी स्थित कामाख्या स्टेशन की ओर जा रही थी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस घटना की पुष्टि की। दुर्घटना में एक शख्स की मौत हुई है, जबकि सात यात्री घायल भी हुए हैं। कटक में नेरगुंडी रेलवे स्टेशन के पास कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन के पटरी से उतरने के मामले में जिलाधिकारी (डीएम) दत्तात्रेय भाऊसाहेब शिंदे ने कहा कि घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है... 8 लोग घायल हैं। जिन घायलों को रेफर करने की जरूरत थी और उन्हें बेहतर इलाज के लिए स्थानांतरित किया गया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। ट्रेन संख्या 12251 बंगलूरू से असम के गुवाहाटी के कामाख्या स्टेशन जा रही थी। दुर्घटना के कारण का अब तक पता नहीं चल सका है। रेलवे प्रशासन ने बताया है कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए नई ट्रेन का बंदोबस्त किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार को ओडिशा के कटक जिले में एक एक्सप्रेस ट्रेन पटरी से उतर गई। सुबह 11.54 बजे मंगुली के पास निरगुंडी में एसएमवीटी बंगलूरू-कामाख्या एसी एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए। अभी तक किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है। हादसे में अब तक सात लोग घायल हुए हैं। ओडिशा अग्निशमन सेवा के महानिदेशक सुधांशु सारंगी ने बताया कि सात घायल लोगों को अस्पताल पहुंचा दिया गया है। घायल लोगों की अधिकतम संख्या 10 -शेष पृष्ठ दो पर

दुर्घटनाग्रस्त यात्रियों के साथ खड़ी है असम सरकार : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि रविवार को ओडिशा में हुए ट्रेन हादसे के प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति के साथ हमारी सरकार पूरी तत्परता के साथ खड़ी है। सभी प्रभावित व्यक्तियों की सरकार मदद करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में कहा है कि ट्रेन संख्या 12551 कामाख्या एक्सप्रेस के साथ हुए दुर्घटना मैं अवगत हूं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने ओडिशा सरकार और रेलवे के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखा है। मैं आश्वासन देना चाहता हूं कि हमारी सरकार दुर्घटना में प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति के साथ खड़ी रहते हुए सभी आवश्यक उपाय करेगी। उल्लेखनीय है कि ओडिशा के कटक जिले में एसएमवीटी बेंगलुरु-कामाख्या एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हादसे के संबंध में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने गुवाहाटी समेत अन्य स्टेशनों पर स्थापित हेल्प लाइन नंबर जारी किया है। ओडिशा में दुर्घटनाग्रस्त 12551 एसएमवीटी-केवाईक्यू एक्सप्रेस के संबंध में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया है।

राज्य के अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए बना रहे एक हजार पुल : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य भर में कम से कम 1,000 पुलों का निर्माण कर रही है, जो भौगोलिक बाधाओं को दूर करेंगे। रविवार को नगांव जिले के कामपुर इलाके में एक असमिया फिल्म के लिए दशकों पहले हाथी की सवारी करने की अपनी बचपन की याद को साझा करते हुए वह पुरानी यादों में खो गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम को जोड़ना - एक-एक पुल! हम भौगोलिक बाधाओं को पार करते हुए पूरे राज्य में 1,000 पुल बना रहे हैं, ताकि लोगों को अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी प्रदान की जा सके। उन्होंने कहा कि कामपुर कपिली ब्रिज पुरानी यादों की लहर लाता है क्योंकि इसी स्थान पर मैंने कई साल पहले फिल्म *कोकादेउता नाती आरु हाती* के लिए हाथी की सवारी की थी। आज, जब मैंने यहां नए पुल का लोकार्पण किया, जो लोगों की लंबे समय से मांग थी, तो मैं उस पंथ दृश्य को फिर से बनाने से खुद को रोक नहीं सका। हजारों लोग सीएम को कामपुर में नए खुले पुल पर हाथी की सवारी करते देखने के लिए एकत्र हुए। अतीत और वर्तमान के बीच यह -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

आज देश भर में मनाई जाएगी ईद

नई दिल्ली (हि.स.)। ईद उल फितर का चांद आज (रविवार को) नजर आ गया है। राजधानी दिल्ली सहित देशभर में चांद के दिखाई देने की तस्दीक की गई है। जामा मस्जिद के नायब शाही इमाम शाबान बुखारी ने घोषणा करते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

विश्वनाथ में 800 भाजपा कार्यकर्ताओं समेत 1500 लोग कांग्रेस में शामिल

विश्वनाथ। विश्वनाथ जिले के पूर्व भाजपा उपाध्यक्ष डॉ. रंजन गोगोई सहित 1,500 लोग रविवार को कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। यह सामूहिक दलबदल असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के सोमवार को जिले के निर्धारित दौरे से ठीक पहले हुआ है। क्षेत्र में भाजपा के एक प्रमुख नेता गोगोई ने पभोई मंडल कांग्रेस समिति द्वारा आयोजित एक समारोह के दौरान औपचारिक रूप से पाला -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने एकल पिताओं के लिए बाल देखभाल अवकाश बढ़ाया

गुवाहाटी /नई दिल्ली। असम सरकार ने रविवार को घोषणा की कि राज्य सरकार के विभागों में काम करने वाले एकल पिता अब बच्चे की देखभाल के लिए छुट्टी के पात्र होंगे। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से इस निर्णय को साझा किया। कभी-कभी जीवन अप्रत्याशित मोड़ ले सकता है, और एक आदमी को बच्चे की देखभाल करने वाला एकमात्र व्यक्ति बनना पड़ सकता है। अगर हमारे राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए कभी ऐसा परिदृश्य उत्पन्न होता है, तो हम आपकी -शेष पृष्ठ दो पर

नागपुर में पीएम मोदी ने संघ के योगदान का किया जिक्र, कहा-

आरएसएस पेड़ से बन गया वटवृक्ष

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नागपुर दौरे पर हैं और इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मुख्यालय का भी दौरा किया। पीएम मोदी और आरएसएस का साथ वर्षों पुराना है और संघ के 100 साल पूरा होने पर पीएम मोदी आरएसएस के नागपुर मुख्यालय पर पहुंचे और स्वयंसेवकों की जमकर तारीफ की। पीएम मोदी ने आरएसएस के संस्थापक डॉ. हेडगेवार और गुरुजी गोलवलकर को पुष्पांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि संघ का 100 साल पहले बोया गया पेड़ अब वटवृक्ष बन गया है। उन्होंने कहा कि इसी साल आरएसएस की गौरवशाली यात्रा का 100 साल पूरे हो रहे हैं और इस अवसर पर मुझे स्मृति मंदिर जाकर पूज्य डॉ. साहब और पूज्य गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य मिला है। पीएम मोदी ने डॉ. हेडगेवार और एमएस गोलवलकर के प्रभाव को स्वीकार करते हुए कहा कि मेरे जैसे अनगिनत लोग परम पूज्य डॉक्टर साहब और पूज्य गुरुजी के विचारों से प्रेरणा और शक्ति प्राप्त करते हैं। इन दो महान लोगों को श्रद्धांजलि देना सम्मान की बात है, जिन्होंने एक मजबूत, समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से गौरवशाली भारत की कल्पना की थी। अपने नागपुर दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने -शेष पृष्ठ दो पर

पत्रकार की गिरफ्तारी पर गौरव गोगोई ने पीएम को लिखा पत्र

गुवाहाटी। असम में पत्रकार की गिरफ्तारी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। गौरव ने पीएम से पुलिस के दुरुपयोग की जांच की अपील की है। गोगोई का आरोप है कि एक बैंक में कथित वित्तीय अनियमिताओं के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शन के कवरेज के दौरान पत्रकार को गिरफ्तार किया गया है। पीएम को लिखे पत्र में गौरव गोगोई ने असम को-ऑपरेटिव एपेक्स बैंक लिमिटेड में कथित वित्तीय घोटाले की स्वतंत्र जांच की मांग की है। गोगोई ने कहा कि असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा निदेशकों शामिल हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

अब से मिजोरम के संवेदनशील क्षेत्रों में जाने के लिए लेनी होगी अनुमति

एजल। मिजोरम सरकार राज्य में संरक्षित क्षेत्र परमिट (पीएपी) प्रणाली को लागू करने जा रही है। यह विदेशी नागरिकों के लिए कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में जाने के लिए आवश्यक यात्रा दस्तावेज है। राज्य सरकार ने यह कदम केंद्र की ओर से म्यांमार की सीमा से लगे पूर्वोत्तर की तीन राज्यों मिजोरम, मणिपुर और नगालैंड में पीएपी को दोबारा लागू करने के निर्देश के बाद उठाया है। मिजोरम के गृह सचिव वनलालमाविया ने बताया कि राज्य सरकार पीएपी को लागू करने की दिशा में कदम उठा रही है, जिसे प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट (आरएपी) के रूप में भी जाना जाता है। हम पीएपी को लागू करने की प्रक्रिया में हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर लेंगपुई एयरपोर्ट पर एक होल्डिंग एरिया की भी पहचान की जा रही है। राज्य के गृह सचिव ने कहा कि राज्य सरकार ने केंद्र से मिजोरम की राजधानी एजल में एक नामित कार्यालय खोलने का अनुरोध किया है ताकि विदेशियों के पंजीकरण में आसानी हो, क्योंकि निकटतम विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय कोलकाता में स्थित है। हालांकि पीएपी अभी तक पूरी तरह से लागू नहीं हुआ है, लेकिन -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस ने त्रिपुरा में शुरू किया संपत्तियों का दस्तावेजीकरण

अगरतला। त्रिपुरा में कांग्रेस ने अपनी संपत्तियों के दस्तावेजीकरण का काम शुरू कर दिया है। दस्तावेजीकरण का काम पूरा होने के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) अध्यक्ष आशीष कुमार साहा ने रविवार को बताया कि एआईसीसी के निर्देश पर यह प्रक्रिया शुरू की गई है। साहा की यह टिप्पणी हाल ही में दिल्ली में हुई एक संगठनात्मक बैठक में भाग लेने के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड में छह महीने के लिए बढ़ा अफस्पा

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड में 6 महीने के लिए सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (अफस्पा) लागू कर दिया है। इसमें मणिपुर के 5 जिलों के 13 थाना क्षेत्र को छोड़कर पूरे राज्य में अफस्पा अगले 6 महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। वहीं अरुणाचल प्रदेश के तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग जिलों और राज्य के तीन पुलिस थाना क्षेत्रों में भी अफस्पा लागू कर दिया गया है। नगालैंड के जिन जिलों में अफस्पा को फिर से लागू किया गया है, वे दीमापुर, निउलैंड, चुमौकेदिमा, मोन, किफिर, नोकलाक, फेक और पेरेन हैं। अफस्पा को अशांत इलाकों में लागू किया जाता है। इस कानून के तहत सुरक्षाबलों को एक महत्वपूर्ण ताकत मिलती है। इसके तहत सुरक्षाबलों के पास बिना वारंट के किसी को -शेष पृष्ठ दो पर

म्यांमार के बाद अब टोंगा में भी तगड़ा भूकंप, सुनामी की चेतावनी

टोंगा। दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित टोंगा द्वीप समूह में रविवार (30 मार्च 2025) की शाम 5:48 बजे तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 7.0 मापी गई। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि भूकंप का केंद्र टोंगा के मुख्य द्वीप से लगभग 100 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था। इस भूकंप के बाद प्रशांत सुनामी केंद्र ने चेतावनी जारी की है कि समुद्र की खतरनाक लहरें भूकंप के केंद्र से 300 किलोमीटर के भीतर तटीय क्षेत्रों को प्रभावित कर सकती हैं। टोंगा प्रशांत महासागर में स्थित एक छोटा द्वीप देश है, जिसमें कुल 171 द्वीप शामिल हैं। इसकी कुल आबादी लगभग 100,000 है, जिसमें से -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम ओली और विपक्ष ने बुलाई अहम बैठक राजशाही समर्थकों पर होगी बड़ी कार्रवाई

काठमांडू। नेपाल में हाल ही में राजशाही समर्थकों ने राजधानी काठमांडू में जमकर उत्पात मचाया था। जिसके बाद नेपाल सरकार ने कई कड़े फैसले लिए हैं। इसी बीच नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा करने के लिए आज शाम 6 बजे (स्थानीय समयानुसार) संसद में मौजूद दलों के साथ बैठक बुलाई है। प्रधानमंत्री सचिवालय के अधिकारियों के अनुसार, इस बैठक में दक्षिणपंथी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) को आमंत्रित नहीं किया गया है। नेपाली कांग्रेस के मुख्य सचेतक श्याम कुमार का कहना है कि यह बैठक हाल की राजनीतिक घटनाओं और संसद तथा सरकार के संचालन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए बुलाई गई है। यह बैठक प्रधानमंत्री ओली और सीपीएन (माओवादी केंद्र) के अध्यक्ष तथा मुख्य विपक्षी नेता पुष्प कमल दहल के बीच हुई टेलीफोन वार्ता के बाद आयोजित की जा रही है। बैठक में शुक्रवार को हुई राजशाही समर्थक रैली के मुद्दे पर भी चर्चा -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दी चेतावनी, कहा-

अगर ईरान परमाणु समझौता नहीं करेगा तो बमबारी होगी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने परमाणु कार्यक्रम को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ समझौता नहीं करता तो उस पर बमबारी की जाएगी। अपनी आक्रामक टैरिफ नीतियों के कारण लगातार चर्चा में बने हुए ट्रंप ने ईरान पर भी अतिरिक्त शुल्क लगाने की चेतावनी दी है। ट्रंप ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि अमेरिकी और ईरानी अधिकारियों के बीच बातचीत हो रही है, लेकिन फिलहाल वे इस संबंध में विस्तार से नहीं बता सकते। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान अमेरिका के साथ समझौता नहीं करता तो बमबारी होगी।

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

समाज ने संघ के स्वयंसेवकों को देखने परखने के बाद स्वीकार किया : भागवत

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में एक सभा को संबोधित करते समय संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की लंबी यात्रा के दौरान समाज ने संघ के स्वयंसेवकों को देखा, परखा उसके बाद स्वीकार किया है। इसी का नतीजा है कि तमाम बाधाओं को दूर करते हुए अब स्थिति अनुकूल है और स्वयंसेवक लगातार आगे बढ़ रहे हैं। भागवत ने कहा कि संघ के दर्शन में कहा जाता है कि आत्म-विकास पर एक घंटा, जबकि समाज के विकास पर 23 घंटे खर्च करना चाहिए। यही संघ का नजरिया है और आरएसएस के तमाम प्रयास इसी सिद्धांत से प्रेरित हैं। संघ प्रमुख भागवत ने जब यह बात कही, उस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। पीएम की मौजूदगी में भागवत ने कहा कि स्वयंसेवक अपने लिए कुछ नहीं मानते, वे सिर्फ सेवा करते रहते हैं। बता दें कि इसी

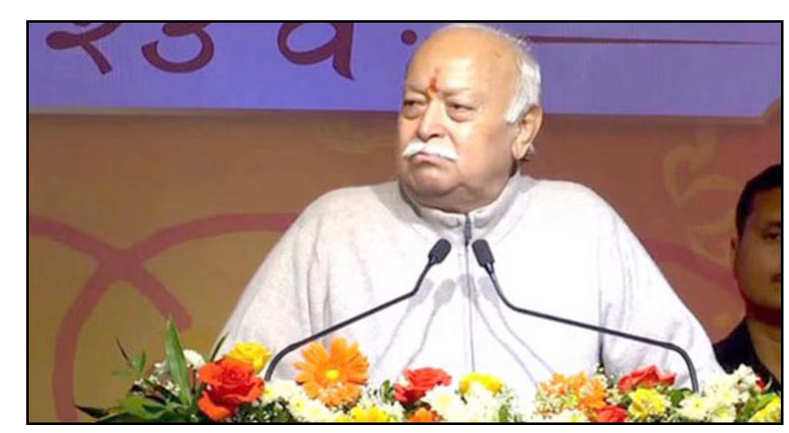

साल सितंबर में संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने वाले हैं। संघ की लंबी यात्रा को रेखांकित करते हुए भागवत ने कहा कि देश ने संघ के स्वयंसेवकों का काम देखा है, इसके बाद उन्हें स्वीकार किया गया है। भागवत से पहले पीएम मोदी ने भी भारत में संघ की भूमिका को रेखांकित किया। नागपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखने के बाद कहा कि आज भारत की सबसे बड़ी पूंजी हमारा युवा है। आज भारत का युवा विश्वास से भरा हुआ है। राष्ट्र निर्माण की भावना से ओत-प्रोत हमारे युवा आगे बढ़े चले जा रहे हैं। यही युवा 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ध्वजा थामे हुए हैं। गौरतलब है कि राजनीतिक जीवन की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री अपनी युवावस्था में खुद भी संघ के स्वयंसेवक रह चुके हैं। आज उन्होंने इस कार्यक्रम में संघ की अहमियत का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि जब प्रयासों के दौरान मैं नहीं हम का ध्यान होता है, जब राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि होती है, जब नीतियों में, निर्णयों में देश के लोगों का हित ही सबसे बड़ा होता है, तो सर्वत्र उसका प्रभाव भी नजर आता है। आज हम देख रहे हैं कि भारत कैसे गुलामी की मानसिकता को तोड़ कर आगे बढ़ रहा है।

हिमाचल में गाड़ियों पर गिरा पेड़, छह की मौत

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश की धार्मिक नगरी मणिकर्ण में नव संवत के दिन एक दर्दनाक हादसा हो गया। कायल का एक पेड़ तेज हवा के चलते नीचे खड़ी गाड़ियों पर गिर गया। पेड़ गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई है। मृतकों में कुछ पर्यटक भी शामिल हैं। घायलों को कुल्लू अस्पताल लाया जा रहा है। फिलहाल, मरने वालों की पहचान की जा रही रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मणिकर्ण गुरुद्वारा के ठीक सामने वाली सड़क के पास एक पेड़ टूटकर गिर गया, जिसकी चपेट में आने से वहां पर खड़े रेहड़ी संचालक एक गाड़ी सवार और तीन पर्यटक जो मौके पर मौजूद थे उनकी मौत हो गई है। मरने वालों की पहचान की जा रही रही है। एडीएम कुल्लू अश्वनी कुमार ने बताया कि हादसे में 6 लोगों की जान गई है, जबकि कई घायल हुए हैं। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है। पहाड़ी से गिरे गिरने पर उसके साथ काफी मलबा भी नीचे आया है। अब इस मलबे को हटाकर इसके नीचे भी लोगों की तलाश की जा रही है। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। आशंका जताई जा रही है कि भूस्खलन की वजह से पहाड़ी से पेड़ जड़ सहित गिरा और उसके साथ भारी मात्रा में मलबा भी नीचे आया है, जिसमें कई लोग दबे हो सकते हैं। प्रशासन जल्द से जल्द लोगों को सुरक्षित निकालने की कोशिश कर रहा है।

गंगाधर नदी में तैरते मिला किशोर का शव

धुबड़ी (हिंस)। गोलकगंज के पूर्वी गइखवा में गंगाधर नदी के पानी में आज सुबह तैरते हुए अवस्था में एक किशोर का शव मिला। शव की पहचान गांव के नूर मोहम्मद (10) के रूप में हुई है। गुरुवार की दोपहर को अपने हम उम्र दो बच्चों के साथ नदी में नूर नहाने गया था। नहाने के दौरान नूर मोहम्मद गहरे पानी में चले जाने के बाद डूब गया। घटना वाले दिन से बच्चे की तलाश में एसडीआरएफ ने अभियान शुरू किया। गोताखोरों की मदद से चलाए गए अभियान के बावजूद एसडीआरएफ को कोई सफलता नहीं मिली। तीन दिन तक अभियान चलाने के बाद भी एसडीआरएफ को सफलता हाथ नहीं लगी। बीते कल शाम को एसडीआरएफ ने तलाशी अभियान समाप्त किया था। इस बीच गांव के निमाई दास नाव लेकर मछली मारने नदी में उतरे थे। उन्होंने हादसे वाले स्थान पर एक शव को देखा।

पूसीरे चलाएगी दो जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनें

गुवाहाटी (हिंस)। गर्मियों के दौरान यात्रियों की बढ़ने वाली भीड़ से निपटने के लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) दो जोड़ी स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेनें 10 अप्रैल से 4 मई तक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और नारंगी स्टेशनों के बीच तथा 6 अप्रैल से 29 अप्रैल तक और कोल्हापुर और कटिहार के बीच प्रत्येक दिशा में चार-चार फेरों के लिए चलेंगी। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने रविवार को बताया है कि आगामी 10 अप्रैल गुरुवार से को ट्रेन संख्या 01065 (छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस - नारंगी) समर स्पेशल छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 11-05 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को नारंगी 11-00 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, 13 अप्रैल रविवार को ट्रेन संख्या 01066 (नारंगी-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस) समर स्पेशल नारंगी से 05-25 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस 08-25 बजे पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि इसी तरह 6 अप्रैल रविवार से ट्रेन संख्या 01405 (कोल्हापुर-कटिहार) समर स्पेशल कोल्हापुर से 09-35 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को कटिहार 6-10 बजे पहुंचेगी। इसी तरह 8 अप्रैल मंगलवार को ट्रेन संख्या 01406 (कटिहार-कोल्हापुर) समर स्पेशल कटिहार से 18-10 बजे प्रस्थान करेगी और गुरुवार को कोल्हापुर 15-35 बजे पहुंचेगी।

खेत से मोटर, पैनल और छह सोलर प्लेट की चोरी

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिले के बारापेटा इलाके में चोरों के आतंक से स्थानीय किसान बेहद परेशान हैं। किसानों ने रविवार को बताया कि खेतों में सिंचाई के लिए लगाए गए सौर शक्ति चालित मोटर, नियंत्रक के अलावा छह बड़े सोलर पैनल चोर चुरा कर फरार हो गए। किसन खेतों में सिंचाई करने के लिए बारापेटा के आमगुड़ी निवासी प्रणाली रामसियारी गयारी ने अपने खेत में सौर शक्ति से चलने वाला मोटर लगाया था। पानी का मोटर चोरी होने की वजह से किसान का परिवार काफी परेशान हैं। वही स्थानीय किसानों का कहना है कि इलाकों में चोरों का उपद्र काफी बढ़ गया है। जिसकी वजह से स्थानीय किसान काफी परेशान हैं। घटना के संबंध में लाबदांगगुरी पुलिस को लिखित शिकायत दी गई है।

130 साल पुराने हिंदू मंदिर को हटाकर बनेगी मस्जिद, पीएम ने किया शिलान्यास

कुआलालांपुर। मलेशिया सरकार ने 130 साल पुराने हिंदू मंदिर को हटाकर वहां एक नई मस्जिद बनाने की मंजूरी दे दी है। इस फैसले से हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच तनाव बढ़ गया है। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने नई मस्जिद की आधारशिला रखी, जिससे हिंदू समुदाय और कुछ धार्मिक संगठनों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। यह मंदिर कुआलालंपुर में एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल था, जहां कई भक्त पूजा करने आते थे। मंदिर को हटाने से हिंदू समुदाय के लोगों को धार्मिक अधिकारों के हनन का अहसास हो रहा है। स्थानीय हिंदू नेताओं ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह उनके समुदाय की पहचान पर

हमला है और सरकार ने बिना पर्याप्त परामर्श लिए यह निर्णय लिया है। जहां एक तरफ हिंदू समुदाय इस फैसले से नाराज है, वहीं कुछ मुस्लिम कट्टरपंथी समूहों ने मस्जिद निर्माण के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने इसे इस्लाम की जीत और धार्मिक एकता का प्रतीक बताया है। हालांकि, इस फैसले से देश में धार्मिक तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने मस्जिद की आधारशिला रखते हुए धार्मिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता की बात कही और सभी धार्मिक समुदायों को शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व बनाए रखने की अपील की। लेकिन उनकी बातें नाराज लोगों को शांत करने में नाकाम रही हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाक्सा में सुनी *मन की बात*

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिलांतर्गत 41वें मनाहा विधानसभा क्षेत्र के डुमरुगुड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रसिद्ध रेडियो कार्यक्रम मन की बात के प्रसारण को भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से सुना। वर्ष 2014 के 3 अक्तूबर से शुरू हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिए देश-विदेश में लोगों के सामने अपने विचार व्यक्त करते रहे हैं। यह कार्यक्रम देश के अन्य हिस्सों के साथ बाक्सा के डुमरुगुड़ी स्थित बूथ संख्या 162 पर भी आयोजित किया गया। भाजपा के कार्यकर्ता प्रणवज्योति बर्मन के निवास पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। बाक्सा जिला भाजपा अध्यक्ष बसुई ने इस मौके पर मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि बूथ संख्या 162 पर 100वां मन की बात कार्यक्रम आयोजित करते हुए खुशी हो रही है।

पृष्ठ एक का शेष

गुवाहाटी आ रही कामाख्या...

से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ और ओडिशा अग्निशमन सेवा के कर्मचारी बचाव अभियान में रेलवे की मदद कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, हेल्पलाइन 8455885999 और 8991124238 शुरू कर दी गई हैं। फंसे हुए यात्रियों को उनके गंतव्य तक भेजने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि पटरी से उतरने के कारण तीन ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया गया है। ये ट्रेनें धौली एक्सप्रेस, नीलाचल एक्सप्रेस और पुरुलिया एक्सप्रेस हैं। ट्रेन के पटरी से उतरने पर ईस्ट कोस्ट रेलवे के सीपीआरओ अशोक कुमार मिश्रा ने कहा कि हमें 12551 कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस के कुछ डिब्बों के पटरी से उतरने की सूचना मिली है। अब तक हमें जानकारी मिली है कि 11 एसी डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। कोई भी घायल नहीं हुआ है। सभी यात्री सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक हमें जानकारी मिली है, दुर्घटना राहत ट्रेन, आपातकालीन चिकित्सा उपकरण भेजे गए हैं। वरिष्ठ अधिकारी जल्द ही घटनास्थल पर पहुंचने वाले हैं। डीआरएम खुर्दा रोड, जीएम, ईसीओआर और अन्य उच्च स्तरीय अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। जांच के बाद हमें पटरी से उतरने का कारण पता चलेगा। हमारी पहली प्राथमिकता मार्ग पर प्रतीक्षा कर रही ट्रेनों को डायवर्ट करना और बहाली का काम शुरू करना है। हादसे के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भी ट्वीट किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मुझे ओडिशा में 12551 कामाख्या एक्सप्रेस से जुड़ी घटना की जानकारी है। सीएमओ असम ओडिशा सरकार और रेलवे के संपर्क में है। हम प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति से संपर्क करेंगे। रेलवे की ओर से जारी बयान में कहा गया कि ट्रेन हादसे में सुवनकर रॉय (उम्र 22 साल) की मौत हो गई। जबकि एक महिला यात्री को गंभीर चोटें आईं हैं। दो अन्य अन्य पुरुष यात्रियों का साधारण चोटों के लिए इलाज किया जा रहा है। रेलवे ने मृतक के परिजनों को 5 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान करने का एलान किया है, जबकि गंभीर घायल को ढाई लाख और साधारण घायलों को 50 हजार की सहायता का एलान किया है। वहीं ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को कटक जिले के निरगुंडी स्टेशन के पास बेंगलुरु-कामाख्या एक्सप्रेस दुर्घटना पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने एसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस के पटरी से उतरने की घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर मुख्यमंत्री माझी ने लिखा कि निरगुंडी स्टेशन के पास कामाख्या एक्सप्रेस के पटरी से उतरने को लेकर चिंतित हूं। यह जानकर राहत मिली कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। संबंधित अधिकारी मौके पर हैं और जल्द ही सामान्य स्थिति बहाल करने का प्रयास कर रहे हैं। सहायता के लिए हेल्पलाइन सक्रिय की गई है। मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि प्रभावित यात्रियों की सुरक्षा और मदद के लिए त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

राज्य के अंतिम ...

पुरानी यादें दर्शकों के दिलों में घर कर गईं, जिससे मुख्यमंत्री का इस क्षेत्र से गहरा जुड़ाव उजागर हुआ। फिल्म के दृश्य को फिर से बनाने के उनके हाव-भाव ने उद्घाटन को एक निजी स्पर्श दिया, जिससे यह कामपुर और उसके आसपास के लोगों के लिए एक यादगार अवसर बन गया। जनता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने आर्थिक विकास और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने में कनेक्टिविटी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये पुल न केवल बुनियादी ढांचे के चमत्कार हैं बल्कि प्रगति के प्रतीक हैं जो अलग-थलग क्षेत्रों को एकीकृत करेंगे, परिवहन को सुविधाजनक बनाएंगे और व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देंगे। इन पुलों का निर्माण असम के आधुनिकीकरण और सुगमता के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के अनुरूप है। दशकों से, राज्य के कई क्षेत्र चुनौतीपूर्ण भूभाग, मौसमी बाढ़ और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण कटे हुए हैं। नए पुल यात्रा को काफी आसान बना देंगे, आने-जाने का समय कम कर देंगे और स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुंच में सुधार करेंगे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल असम के बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने और समान विकास सुनिश्चित करने के व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। भौगोलिक चुनौतियों पर काबू पाने पर रणनीतिक ध्यान केंद्रित करते हुए, सरकार एक अधिक जुड़े हुए और समृद्ध राज्य की नींव रख रही है। 1,000 पुलों की यह परियोजना असम के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन के अटूट संकल्प का प्रमाण है, जो यह सुनिश्चित करता है कि हर नागरिक, चाहे वह किसी भी स्थान पर रहता हो, प्रगति का लाभ उठा सके।

राज्य सरकार ने एकल...

मदद के लिए तैयार हैं, हिमंत ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा। उन्होंने आगे कहा कि अब से हम एकल पिताओं को अपने बच्चों की देखभाल के लिए चाइल्ड केयर लीव प्रदान करेंगे। चाइल्ड केयर लीव (सीसीएल) कर्मचारियों को वेतन या नौकरी की सुरक्षा खोए बिना अपने बच्चों की देखभाल के लिए समय निकालने की अनुमति देता है। पहले, असम में, यह छुट्टी मुख्य रूप से महिला सरकारी कर्मचारियों को बच्चे की बीमारी, परीक्षा या अन्य आवश्यक आवश्यकताओं जैसे कारणों से दी जाती थी। नए निर्देश के तहत, पुरुष सरकारी कर्मचारी जो एकल माता-पिता हैं, जिनमें विधुर, तलाकशुदा या अविवाहित पिता शामिल हैं, वे भी पात्र होंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह छुट्टी 18 वर्ष तक के बच्चों पर लागू होती है और इसका उपयोग जैविक, गोद लिए गए या कानूनी रूप से आश्रित बच्चों के लिए किया जा सकता है। पात्र एकल पिता अब दो साल (730 दिन) तक के लिए सीसीएल ले सकते हैं। छुट्टी कई चरणों में ली जा सकती है, लेकिन एक कैलेंडर वर्ष में तीन बार से अधिक नहीं। इसके अतिरिक्त कि विकलांग बच्चों की कस्टडी वाले सरकारी कर्मचारी भी अद्यतन नीति के अंतर्गत आएंगे।

आरएसएस पेड़ से ...

माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला भी रखी। पीएम मोदी के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत अन्य नेता भी मौजूद थे।

अब से मिजोरम के ...

संबंधित अधिकारी और कानून प्रवर्तन एजेंसियां सतर्क बनाए हुए हैं। पूरा अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मणिपुर, नगालैंड और मिजोरम तथा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया गया है। 2011 में, केंद्र ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मणिपुर, नगालैंड और मिजोरम में पीएपी व्यवस्था में छूट दी थी और अफगानिस्तानी, पाकिस्तानी और चीनी नागरिकों को छोड़कर सभी विदेशियों को इससे मुक्त कर दिया था। बाद में यह छूट समय-समय पर बढ़ाई गई और यह दिसंबर 2027 तक प्रभावी थी। कई हिंसक घटनाओं के बाद गृह मंत्रालय ने पिछले साल दिसंबर में मिजोरम, मणिपुर और नगालैंड में सुरक्षा चिंताओं के कारण विदेशी नागरिकों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए फिर से पीएपी लागू कर दिया। इससे पहले मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने आरोप लगाया था कि कुछ विदेशी मिजोरम को म्यांमार जाने के लिए ट्रांजिट मार्ग के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे ताकि वहां लोकतंत्र समर्थक बलों को सैन्य प्रशिक्षण दिया जा सके। इसी कारण राज्य में विदेशी पर्यटकों के लिए पीएपी को फिर से लागू किया गया।

कांग्रेस ने त्रिपुरा में ...

आई है। त्रिपुरा कांग्रेस अध्यक्ष साहा ने कहा कि टीपीसीसी के पास उपलब्ध एक आंशिक रिपोर्ट एआईसीसी को सौंप दी गई है। शेष पार्टी कार्यालय संपत्तियों की सूची अगले 30 दिनों में दिल्ली भेजी जाएगी। आशीष साहा ने कहा कि पार्टी तीन दशक से अधिक समय से सत्ता से बाहर है। 100 से अधिक पार्टी कार्यालयों पर या तो अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है, या उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया है। विरोधी राजनीतिक दलों ने पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई है। उन्होंने कहा कि दक्षिण त्रिपुरा के सबरूम में दो मंजिला कांग्रेस भवन को आग लगा दी गई। सिपाहीजाला जिले के बिशालगढ़ में भी कांग्रेस भवन तीन बार फूंक दिया गया। इसके अलावा, कई पार्टी कार्यालयों पर भाजपा समर्थित लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया। त्रिपुरा कांग्रेस अध्यक्ष ने शुक्रवार को दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ हुई बैठक के बारे में बताया। साहा ने कहा कि राहुल गांधी भाजपा शासन के दौरान पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और पार्टी कार्यालयों पर हुए हमलों को लेकर चिंतित हैं। बैठक के दौरान सभी जिला अध्यक्षों को अपने अधिकार क्षेत्र के तहत आने वाले पार्टी कार्यालयों पर जल्द से जल्द स्थिति रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। पिछले छह वर्षों के दौरान त्रिपुरा में कई पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई है। साहा ने बताया कि बैठक के दौरान उन्होंने राहुल गांधी को राज्य का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने इसे तुरंत स्वीकार कर लिया है। साहा ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी दिल्ली में राज्यों के जिला अध्यक्षों के साथ बैठक की। उन्होंने ने भी त्रिपुरा का दौरा करने की इच्छा जताई है।

मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश ...

भी गिरफ्तार करने की ताकत होती है। साथ ही इसके कानून के चलते कई मामलों में बल प्रयोग का भी प्रावधान है। अफस्पा को सिर्फ अशांत क्षेत्रों में ही लागू किया जाता है। आफ्सपा (अफस्पा) कानून सुरक्षा बलों को किसी व्यक्ति को बिना वारंट के गिरफ्तार करने, बिना वारंट के परिसर में प्रवेश करने या तलाशी लेने और अन्य कार्रवाई करने का अधिकार देता है। इसके साथ ही अफस्पा गोली चलाने की भी अनुमति देता है। इसके अलावा सुरक्षाबलों को ये भी अधिकार है कि अगर कोई भी उग्रवादी या उपद्रवी घर में छिपा होता है तो उसे तबाह भी किया जा सकता है। इस कानून के तहत कार्रवाई तभी संभव है, जब केंद्र सरकार द्वारा इसे किसी अशांत क्षेत्र में लागू किया हो।

पत्रकार की गिरफ्तारी ...

भाजपा विधायक विश्वजीत फूकन इसके अध्यक्ष हैं। गौरव गोगोई ने अपने पत्र में आगे लिखा कि पत्रकार दिलवर हुसैन मजूमदार की गिरफ्तारी मनमानी है। पुलिस शक्तियों के दुरुपयोग की जांच की जानी चाहिए ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करना और जनहित के मामलों पर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को गलत तरीके से निशाना बनाने से रोकना जरूरी है। गौरव गोगोई ने 28 मार्च को यह पत्र पीएम मोदी को लिखा था। हालांकि रविवार को उन्होंने इसे मीडिया को उपलब्ध कराया। गोगोई ने लिखा कि यह मामला एक पत्रकार से आगे बढ़कर देश के लोकतंत्र, वित्तीय संस्थानों की पारदर्शिता और संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा पर प्रहार करता है। उन्होंने लिखा कि न्याय सुनिश्चित करने, जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने और हमारे संस्थानों में जनता का विश्वास बहाल करने के लिए आपका तत्काल हस्तक्षेप जरूरी है। गौरव गोगोई ने दावा किया कि जब बैंक के प्रबंध निदेशक डोमब्रू (डंबरू) सैकिया से बाइट मांगी गई तो उन्होंने पत्रकार को परिसर के अंदर बुलाया। इसके बाद जो हुआ... वह बेहद चिंताजनक था। पान बाजार पुलिस ने बिना किसी औचित्य के पत्रकार को हिरासत में ले लिया। जातिगत अपशब्द के झूठे आरोप को गिरफ्तारी का आधार बनाया गया। इस मामले में जमानत मिलने के बाद अगले दिन लूट और गोपनीय दस्तावेज चोरी की नीयत से बैंक में घुसने के आरोप में दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की यह कार्रवाई पत्रकार को चुप कराने की कोशिश है। गौरव गोगोई ने पीएम मोदी से बैंक में हुई कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच कराने की अपील की।

म्यांमार के बाद ...

अधिकांश लोग मुख्य द्वीप टोंगाटापु पर रहते हैं। यह ऑस्ट्रेलिया के तट से लगभग 3,500 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। इस द्वीप के चारों ओर लैगून और चूना पत्थर की चट्टानें हैं, जो इसे प्राकृतिक रूप से खूबसूरत बनाती हैं। इससे पहले, 30 मार्च को ही म्यांमार और थाईलैंड में 7.7 तीव्रता का भीषण भूकंप आया था, जिससे भारी तबाही मची। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत गिर गई, जबकि म्यांमार में लाखों लोग बेघर हो गए। वहां मरने वालों की संख्या 1,700 से अधिक पहुंच चुकी है और यह आंकड़ा बढ़ने की संभावना है। म्यांमार में भारी तबाही के बाद वहां की सैन्य सरकार ने राजधानी नेपीता और मांडले समेत छह राज्यों में आपातकाल की घोषणा कर दी। भारत सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए *ऑपरेशन ब्रह्मा* के तहत पांच सैन्य विमानों के जरिए राहत सामग्री, बचाव दल और चिकित्सा सहायता भेजी है। इस मिशन का उद्देश्य भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से राहत पहुंचाना है।

पीएम ओली और ...

होने की संभावना है। यह विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया था। जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू में आगजनी और तोड़फोड़ की थी। वे नेपाल में राजशाही की बहाली और इसे हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग कर रहे थे। इन प्रदर्शनों का नेतृत्व राजशाही समर्थक व्यक्तियों ने किया था। जिनमें नवराज सुबेदी, विवादास्पद मेडिकल उद्यमी दुर्गा प्रसाई और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल थे। गणतंत्र समर्थकों ने इस हिंसा की कड़ी निंदा की है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने सरकार से इस घटना की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति के गठन की अपील भी की है। नेपाल की प्रतिनिधि सभा में रविवार को सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के सांसदों के बीच राजशाही और बिजली प्राधिकरण प्रमुख को हटाने के मुद्दे पर तीखी बहस हुई। रविवार को सुबह 11 बजे (स्थानीय समयानुसार) निर्धारित संसद सत्र दो घंटे की देरी से शुरू हुआ, लेकिन इन दो विवादास्पद मुद्दों पर बहस के कारण सत्र बाधित हो गया। संसद अध्यक्ष देवराज घिमिरे ने सांसदों से अनुरोध किया कि वे अपनी सीटों पर बैठें ताकि कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके, लेकिन विपक्षी सांसदों ने उनकी बात नहीं मानी। इसके बाद सत्ता पक्ष के सांसद अपनी सीटों से उठ खड़े हुए और विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे सत्र को बाधित कर रहे हैं क्योंकि उन्हें डर था कि शुक्रवार की हिंसा की घटनाओं को संसद में उठाया जा सकता है। संसद सचिवालय द्वारा जारी एक आंशिक रूप से म्यूट वीडियो में सत्तारूढ़ दलों के सांसदों को बैठक में *राजशाही* शब्द का उपयोग करने वालों को दंडित करने की मांग करते हुए देखा गया। विपक्षी सांसद और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के अध्यक्ष राजेंद्र लिंगदेन को वीडियो में इशारा करते हुए देखा गया कि यदि राजशाही का नाम लेना अपराध है, तो उन्हें गिरफ्तार किया जाए। आरपीपी राजशाही समर्थक प्रदर्शनों में सबसे आगे रहा है और कई बार नेपाल में राजशाही की पुनर्स्थापना की मांग करते हुए शक्ति प्रदर्शन कर चुका है। रविवार के सत्र का सीधा प्रसारण नहीं किया गया। संसद सचिवालय ने तकनीकी खामियों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। बाद में हंगामे के कारण सत्र को स्थगित कर दिया गया।

आज देश भर में ...

कहा कि कल यानी सोमवार के दिन ईद का पर्व मनाया जाएगा। शाही जामा मस्जिद की मर्कजी रुयत-ए-हिलाल कमेटी, शाही मस्जिद फतेहपुरी की मर्कजी रुयत-ए-हिलाल कमेटी, इमारत-ए-शरिया हिन्द की मर्कजी रुयत-ए-हिलाल कमेटी, मर्कजी जमीअत अहले हदीस की मर्कजी रुयत-ए-हिलाल कमेटी ने आज मगरिब की नमाज के बाद चांद देखने की कोशिश की और उन्हें चाद दिखाई पड़ा। इसके अलावा देश भर के अन्य भागों से भी चांद के दिखाई देने की तस्दीक हुई है। जामा मस्जिद के सैयद शाबान बुखारी ने चांद दिखाई देने की तस्दीक करते हुए घोषणा की कि आज रमजान की 29 तारीख यानी 30 मार्च को ईद का चांद देशभर में नजर आ गया है, इसलिए कल सोमवार 31 मार्च को देशभर में ईद उल फितर का पर्व मनाया जाएगा। मस्जिद फतेहपुरी के इमाम डॉ मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने भी ईद के चांद के निकलने की तस्दीक करते हुए कल ईद मनाए जाने की घोषणा की है। इमारत-ए-शरिया हिंद के केंद्रीय दफ्तर मस्जिद अब्दुल नबी में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें ईद का चांद देखने का एहतेमाल किया गया। अन्य राज्यों और शहरों से भी चांद के दिखाई देने की की तस्दीक होने के बाद कल सोमवार के दिन ईद मनाने का एलान किया गया है।

विश्वनाथ में 800 भाजपा ...

बदल लिया। वह लगभग एक हजार समर्थकों के साथ एक भव्य जुलूस के साथ कार्यक्रम में पहुंचे और कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्प वर्षा और पारंपरिक ढोल की थाप के साथ उनका स्वागत किया गया। गोगोई ने कहा कि मेरे अलावा, आज करीब 1,500 लोग कांग्रेस में शामिल हुए, जिनमें 800 भाजपा कार्यकर्ता शामिल हैं। इसके अलावा, आम आदमी पार्टी (आप), असम गण परिषद (एजीपी) और अन्य समूहों के कई सदस्य भी शामिल हुए हैं। दलबदल के बाद गोगोई ने सत्तारूढ़ भाजपा पर तीखा हमला किया और पार्टी पर अपने पुराने सदस्यों को दरकिनार करने तथा भ्रष्टाचार को पनपने देने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि मैंने कई सालों तक भाजपा के साथ काम किया है, लेकिन मैंने देखा है कि वे अपने पुराने कार्यकर्ताओं की कद्र नहीं करते। हालांकि उन्होंने कुछ अच्छे काम किए हैं, लेकिन विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार का स्तर असहनीय है। अपने नए राजनीतिक मिशन की घोषणा करते हुए गोगोई ने 2026 के चुनावों से पहले विश्वनाथ को *भाजपा मुक्त* बनाने की कसम खाई। उन्होंने कहा कि हमें विश्वनाथ में कांग्रेस को मजबूत करना होगा ताकि आने वाले दिनों में यह क्षेत्र भाजपा के प्रभाव से पूरी तरह मुक्त हो सके। सोमवार को मुख्यमंत्री विश्वाथ में असम के पहले स्वचालित वाहन फिटनेस सेंटर का उद्घाटन करेंगे। वह नवनिर्मित अवरत भवन का अनावरण करेंगे, गुप्तकाशी-विश्वनाथ रोपवे की आधारशिला रखेंगे और बाद में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

पूर्व गृह मंत्री भृगु कुमार फुकन की बेटी की रहस्यमय मौत

गुवाहाटी (हिंस)। असम के दिवंगत पूर्व गृह मंत्री और असम आंदोलन के प्रमुख नेता भृगु कुमार फुकन की एकमात्र बेटी उपासा फुकन की रविवार सुबह रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। यह घटना गुवाहाटी के खारघुली इलाके की एक बहुमंजिला इमारत में हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार, उपासा फुकन ने इमारत की दूसरी मंजिल की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। यह हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ। घटना के समय उनकी मां घर पर मौजूद थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जब उपासा की मां बर्तन धोने के लिए बाहर निकलीं, तभी उपासा ने छत से छलांग लगा दी। मां ने तेज आवाज सुनकर दौड़कर देखा और पाया कि उपासा के नाक और मुंह से खून बह रहा था। उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। स्थानीय लोग भी घटनास्थल पर पहुंचे। शुरुआत में उपासा फुकन में जीवन के कूछ लक्षण दिखे और उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, हालत बिगड़ने पर उन्हें गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आरएचएसी चुनाव : गठबंधन उम्मीदवारों को जिताने का केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने किया आह्वान

कामरूप (हिंस)। राभा हासोंग स्वायत्तशासी परिषद (आरएचएसी) चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने आज 30 नंबर बामुनीगांव परिषद क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया। उन्होंने राभा हासोंग संयुक्त संघर्ष समिति, असम गण परिषद और गठबंधन समर्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी अजीत राभा के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। यह चुनावी सभा बेलगुड़ी बितुतारी सार्वजनिक खेल मैदान में आयोजित की गई, जिसमें भारी संख्या में लोग उपस्थित थे। सर्बानंद सोनोवाल ने सभा में जनता को संबोधित करते हुए सर्वांगीण विकास और स्थायी शांति की दिशा में गठबंधन के उम्मीदवार को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के 60 वर्षों के शासन में उत्तर-पूर्वी राज्यों को केवल उग्रवाद, हिंसा, लूट, भ्रष्टाचार और शोषण मिला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भाजपा सरकार ने देश में विकास की एक नई धारा बहाई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में असम और पूरे उत्तर-पूर्वी क्षेत्र ने विकास और स्थायी शांति का एक नया युग देखा है। सोनोवाल ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना होगा। उन्होंने बताया कि भारत अब विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। सोनोवाल ने उत्तर-पूर्वी भारत के विकास की चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार की *डबल इंजन* सरकार ने इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे को तेजी से विकसित किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर-पूर्व अब भारत की आत्मनिर्भरता का एक सशक्त केंद्र बन चुका है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व क्षमता और उनकी उत्तर-पूर्वी जनता के प्रति अटूट प्रेम के कारण यह संभव हो पाया है। सोनोवाल ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि मैं राभा हासोंग स्वायत्तशासी परिषद चुनाव में गठबंधन के प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील करता हूं। आपके समर्थन से हम विकास और शांति की राह पर आगे बढ़ेंगे। इस अवसर पर भाजपा असम प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, सांसद बिजुली कलिता मेधी, पलाशबाड़ी विधायक हेमांग ठाकुरिया, बीटीआर प्रमुख प्रमोद बोड़ो सहित गठबंधन के अन्य नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। सभा में भाजपा नेताओं ने भी जनता को संबोधित करते हुए सरकार की उपलब्धियों को गिनाया और आगामी चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

देवानेर आलगा गांव में जवानों पर हमला करने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

गुवाहाटी (हिंस)। असम के दक्षिण सालामारा मानकाचर जिले के देवानेर आलगा गांव में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों पर हमला करने वालों के खिलाफ सुखचर थाने में रविवार को प्राथमिकी दर्ज करायी है। यह घटना शनिवार की शाम को उस समय हुई जब जवानों ने तलाशी अभियान चलाया था। गुवाहाटी फ्रंटियर बीएसएफ के जनसंपर्क विभाग ने आज एक बयान में बताया है कि हाटशिंगीमारी के ब्रह्मपुत्र की दुर्गम चरांचल देवानेर आलगा चर (नदी का छाड़न वाला क्षेत्र) इलाके में तलाशी अभियान चलाने गई बीएसएफ की गुवाहाटी फ्रंटियर की टीम पर ग्रामीणों द्वारा हमला किया गया। यह हमला उस समय हुआ जब बीएसएफ के जवान तस्करी मामलों की जांच के लिए देवानेर आलगा गांव में तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान बदमाशों के एक गिरोह ने बीएसएफ की कार्रवाई के डर से जवानों को रोकने के चलते हमला किया था। बीएसएफ के अनुसार अभियान के दौरान आत्मरक्षात्मक गैर-घातक गोलीबारी के दौरान दो उपद्रवी घायल हुए। बदमाशों ने षडयंत्र के तहत पूर्व नियोजित हमला किया गया। बीएसएफ जवानों पर हमला करने वाले उपद्रवियों में से आठ लोगों की पहचान कर ली है। हमले के बाद बीएसएफ ने औपचारिक रूप से इस हमले में शामिल अपराधियों के खिलाफ सुखचर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। स्थानीय लोगों के अनुसार बीएसएफ के जवानों ने देवानेर आलगा चर इलाके में एक व्यक्ति को अपने साथ ले जाने की कोशिश की, लेकिन गांव के कूछ लोगों ने इसका विरोध करते हुए बीएसएफ के कार्य में बाधा डाली और ग्रामीणों ने महिलाओं और बच्चों को आगे कर ढाल के रूप में उन्हें इस्तेमाल कर जवानों पर हमला किया था। इसी बीच इसी बीच एक पेट्रोल बम फटने से चार महिलाएं व एक किशोर घायल हो गए। हालांकि, बीएसएफ ने पेट्रोल बम विस्फोट की किसी तरह की जानकारी होने से इंकार किया है।

तिताबर मेलामाटी पटिया गांव में 1 से 8 अप्रैल तक भागवत पाठ की व्यापक तैयारी

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट जिले के तिताबर मेलेमाटी पटिया गांव में एक से आठ अप्रैल तक लगातार भागवत पाठ की व्यापक तैयारी चल रही है। वैष्णव भक्तों का स्वागत करने के लिए पटिया गांव की महिलाएं, पुरुष, वृद्ध एवं युवा भागवत पाठ के आयोजन को सफल बनाने की तैयारियों में पूरे मनोवेग से जुटे हुए हैं। भक्तों की सेवा करने के लिए महिलाएं आठ हजार मिठाइयां तैयार कर रही हैं। ज्ञात हो कि कि एक अप्रैल से आठ अप्रैल तक लगातार भागवत पाठ कार्यक्रम का आयोजन होगा। वर्तमान में पाटिया गांव के बरनामघर में उत्साह भरा माहौल चारो ओर विराजमान है। लगातार आयोजित होने वाला भागवत पाठ कार्यक्रम पाटिया गांव और उसके आस-पास के गांवों के लोगों के साथ-साथ पूरे विश्व के लोगों की शांति के लिए आयोजित किया जा रहा है। सात दिन, सात रातों तक लगातार भागवत पाठ कार्यक्रम में उपस्थित रहकर श्रवण-कीर्तन और दर्शन करने के लिए वैष्णव भक्तों को स्थानीय निवासियों ने आमंत्रित किया है।

राज्यपाल ने दी ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने ईद-उल-फितर के पर्व पर असम के लोगों, विशेषकर इस्लाम धर्मावलंबियों को शुभकामनाएं दीं। रविवार को अपने संदेश में राज्यपाल आचार्य ने कहा, ईद-उल-फितर आस्था, कृतज्ञता और आध्यात्मिक पूर्णता की गहन अभिव्यक्ति है। यह उपवास, चिंतन और भक्ति की एक महीने की अवधि के समापन का प्रतीक है, जो आत्म-अनुशासन और धर्मपरायणता के मूल्यों को सुदृढ़ करता है। राज्यपाल ने कहा कि ईद-उल-फितर खुशी और सौहार्द का अवसर है, जो सार्वभौमिक भाईचारे, करुणा, उदारता और मानवता के प्रति प्रेम की भावना का प्रतीक है। उन्होंने सभी से त्योहार के गुणों को आत्मसात करने और जीवन को पहले से बेहतर बनाने का आह्वान किया। आचार्य ने आशा व्यक्त की, ईद-उल-फितर का उत्सव हमारे भाईचारे के बंधन को मजबूत करेगा और हमें सद्भाव और सद्भावना के आदर्शों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करेगा। समाज में शांति, प्रगति और समृद्धि को मजबूत करने का उत्प्रेरक बनें।

धलाई में सोने के छह बिस्कूट सहित तीन मिजो व्यक्ति गिरफ्तार

कछार (हिंस)। काछार जिलांतर्गत धलाई में सोने के बिस्कूट सहित तीन लोगों को धलाई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया है कि धलाई के रंगाउटी से 6 सोने के बिस्कूट जब्त किए गए हैं। जब्त किए गए सोने के बिस्कूट का वजन 949 ग्राम है। जब्त किए गए सोने की कीमत लाखों रुपए होने का अनुमान है। इस सोने के साथ एक महिला सहित तीन मिजो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिनकी पहचान थांगमिंगा, रेमलालंग हेका और लालनुन पुई के रूप में की गई है। गिरफ्तार तीनों मिजोरम की राजधानी आइजोल के निवासी हैं। पुलिस को संदेह है कि सोना म्यांमार से मिजोरम होते हुए काछार में बिक्री के लिए लाया गया था। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर तीनों से सघन पूछताछ कर रही है।

हैलाकांदी में मिला युवक का शव

हैलाकांदी (हिंस)। शहर में रविवार सुबह विकास खंड के सामने से एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गयी।परिजनों ने हत्या कर शव यहां फेंकने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार हैलाकांदी विकास खंड के सामने से एक पड़ा होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। शव की शिनाख्त स्थानीय लोगों ने रोहित मालाकार के रूप में की है। जानकारी के मुताबिक रोहित बीतीरात चरक पूजा में हिस्सा लेने के लिए शिव गौरी दल के साथ घर से निकला था।

चिरांग में 54वीं वाहिनी एसएसबी ने लगाया चिकित्सा जांच शिविर

बिजनी। 54वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल बिजनी द्वारा दिनांक 29 मार्च को सीमा चौकी लक्ष्मीझोरा के कार्यक्षेत्र में नंबर 2 लक्ष्मीझोरा गांव में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत नि:शुल्क मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस चिकित्सा शिविर में डॉक्टर ए अथिखो राजीना सहायक कमान्डेंट (चिकित्सा) 54वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल बिजनी द्वारा कूल 131 नागरिकों की चिकित्सा जांच-उपचार किया गया व नागरिकों में आमतौर पर होने वाली बिमारियां एवं उससे बचाव के बारे में जानकारी दी गई। चिकित्सा शिविर के दौरान नागरिकों को आवश्यकतानुसार नि:शुल्क दवाइयां भी प्रदान की गई। इसके अलावा नागरिकों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश एवं सावधानियों से भी अवगत कराया गया। इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन से ग्रामीणों में काफी प्रसन्नता देखने को मिली और 54वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल बिजनी द्वारा आयोजित ऐसे जन कल्याणकारी कार्यों की स्थानीय ग्रामीणों ने भूरी भूरी प्रशंसा की।

लाखों भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य के 29, 565 बूथों पर सुनी प्रधानमंत्री की *मन की बात*

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम *मन की बात* के 120वें संस्करण के माध्यम से देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने नव भारत की सकारात्मक सोच, आदर्श कार्यपद्धति, सामाजिक विषयों और देशभर में तेजी से हो रहे विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में असम के पारंपरिक त्योहार *रंगाली बिहू* का भी विशेष उल्लेख किया गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम प्रदेश की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, राज्य के 39 संगठनिक जिलों और 433 मंडलों के अंतर्गत 29, 565 बूथों पर लाखों कार्यकर्ताओं ने *मन की बात* कार्यक्रम को सुना। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने नगांव जिले के पाखीमुरिया जामुगुरी मंडल के बूथ नंबर 147 में मंत्री पीयूष हजारिका, स्थानीय विधायक रूपक शर्मा, रोहा विधायक शशिकांत दास और कार्बी

स्वायत्तशासी परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य डॉ. तुलीराम रोंगहांग के साथ कार्यक्रम को सुना। वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दिलीप सैकिया ने दक्षिण कामरूप जिले के पलाशबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 258 पर स्थानीय नागरिकों और कार्यकर्ताओं के साथ *मन की बात* सुनी। इस अवसर पर विधायक रमेंद्र नारायण कलिता और हेमांग ठाकूरिया भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ जिले के बूथ नंबर 137 में उप-महापौर उज्जल फुकन, डिब्रूगढ़ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष असीम हजारिका और सोनोवाल कछारी स्वायत्तशासी परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य टंकेश्वर सोनोवाल के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। इसी प्रकार, केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्घेरिटा ने जोरहाट जिले के मेलेंग बालिचापरी पंचायत के बूथ नंबर 196 पर स्थानीय कार्यकर्ताओं और नागरिकों के साथ *मन की बात* सुनी। राभा हसोंग स्वायत्तशासी परिषद के चुनाव में भाजपा द्वारा मैदान में उतारे गए 6 क्षेत्रों के 83 बूथों पर भी *मन की बात* कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हर बूथ पर राज्य के वरिष्ठ कार्यकर्ता विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद बूथ समिति की विशेष बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें आगामी चुनावों की तैयारियों की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इस बार हिंदू नववर्ष, रंगाली बिहू, खेलो इंडिया, पैरा एथलेटिक्स, जल संरक्षण और पुराने कपड़ों के पुन: उपयोग जैसे विषयों पर विशेष चर्चा की। उन्होंने प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक संदेशों के माध्यम से देशवासियों को प्रोत्साहित किया।

रंगिया में स्वास्थ्य विभाग की परीक्षा में धांधली का आरोप

रंगिया (निसं)। रंगिया में स्वास्थ्य विभाग की परीक्षा में धांधली का आरोप लगाया गया है। एक परीक्षार्थी को विद्यालय प्रबंधन द्वारा नीति नियम से अलग मदद करने का आरोप लगाया गया है। मालुम हो कि रंगिया टाउन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (पूर्व का हाई मदरसा) के 1 नंबर हॉल के एक परीक्षार्थी को विद्यालय प्रबंधन ने प्रश्नों के उत्तर मुहैया करवा देने का आरोप कूछ छात्रों ने लगाया है। आरोप के अनुसार एक जिम्मेदार शिक्षक ने एक परीक्षार्थी को बिना रोक-टोक के प्रश्न पत्र के उत्तर देने में मदद की है। विद्यालय प्रबंधन की रिश्तेदार होने का आरोप छात्रा ने लगाया है। विद्यालय के अन्य शिक्षकों और स्टाफ के खिलाफ भी ये गंभीर आरोप लगाया गया हैं। परीक्षा खत्म होने के बाद 1 नंबर हॉल के परीक्षार्थियों ने विद्यालय प्रबंधन और पुलिस प्रशासन को इस मामले की जानकारी दी लेकिन उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया, ऐसा आरोप है। उल्लेखनीय है कि अन्य परीक्षाओं की तरह मुख्यमंत्री से इस स्वास्थ्य विभाग की परीक्षा को भी पूर्ण स्वच्छ करने की मांग की गई है।

मायुमं, होजाई शाखा की आम सभा संपन्न

होजाई (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच की साधारण सभा में आज सर्वसम्मति से वर्ष 2025-26 के लिए अभी मोर को अध्यक्ष पद के लिए चुना गया। अध्यक्ष आशीष अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित साधारण सभा में सचिव अभी मोर ने विगत कार्यकाल में किए गए कार्यों का विवरण उपस्थित सदस्यों को दिया। वहीं कोषाध्यक्ष संजय मुरारका ने आय-व्यय प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। तत्पश्चात पुरानी समिति भंग कर नए सत्र हेतु कमेटी के गठन का प्रस्ताव रखा गया। सदस्यों ने आपसी विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से अभी मोर को अध्यक्ष पद का दायित्व सोप। अध्यक्ष पद का पदभार लेते ही मोर ने कहा कि युवाओं की आशाओं पर खरे उतरेंगे और जल्द ही अपनी कार्यकारिणी का गठन करेंगे। सभा को वर्तमान अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने भी संबोधित किया व अपने कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। वहीं,

अपने कार्यकाल में जिन समाज बंधुओं व सदस्यों का विशेष सहयोग मिला उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने पूर्व अध्यक्ष व समाज सेवी रमेश मुंदड़ा, समाज सेवी अशोक केजरीवाल, पूर्व अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, मंच सदस्य आशीष शर्मा, सचिव अभी मोर, कोषाध्यक्ष संजय मुरारका, युवा निखिल कुमार मुंदड़ा, प्रथम पंचारी का सम्मान करते हुए फूलम गमछा व मान पत्र दिया। इस अवसर पर रमेश मुंदड़ा, अशोक केजरीवाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी का सम्मान करने पर जहां सम्मानित व्यक्ति का सम्मान बढ़ता है। वहीं आने वाली पीढ़ी को एक प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था के उत्थान लिए सभी सदस्यों की भागीदारी अति आवश्यक होती है। वहीं, उन्होंने नवनिर्वाचित अध्यक्ष अभी मोर को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की व आगे के कार्यकाल हेतु साधुवाद दिया।

लायंस क्लब गोल्ड समेत बरपेटारोड में गणगौर सिंजारा उत्सव आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी गोल्ड की लियोनेस द्वारा आयोजित गणगौर का सिंजारा का भव्य और रंगारंग कार्यक्रम असम पैलेस होटल जीएस रोड में आयोजित किया गया। जनसंपर्क सचिव जया पारीक ने बताया कि इस अवसर पर रोमांचक लकी ड्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सर्वश्रेष्ठ पोशाक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आयोजन की संयोजिका ममता सर्राफ और मोनालिसा तुलस्यान ने स्वागत गीत, दीप प्रज्ज्वलित, विनायक गीत से सांस्कृतिक कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत सभी लायन सदस्याओ और आए हुए अतिथियों के साथ की। सुमिता सिंघल को सिंजारा प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीतने और एक चांदी का सिक्का प्राप्त करने पर विशेष बधाई मिली। इसके अलावा, सलोनी भजनका को सर्वश्रेष्ठ पोशाक विजेता के रूप में सम्मानित किया गया। लॉटरी,

डांस धमाका, गणगौर के गीत सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी गोल्ड की 21 सदस्याओं और 16 मित्रों परिवार के सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। **बरपेटारोड** से हमारे संवाददाता के अनुसार बरपेटारोड में स्थित श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी प्रांगण में, धार्मिक महिला समिति और माहेश्वरी महिला समिति के संयुक्त तत्वावधान में गणगौर सिंजारा महोत्सव का भव्य और हृदयस्पर्शी आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर बहनों ने पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर माता गणगौर की आराधना की और उत्सव का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम स्थल को सुंदर सजावट से सजा कर माहौल को और भी मनमोहक बनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलमय गणगौर माता के गीतों और ताजे, रस से भरपूर तरबूज के स्वादिष्ट प्रसाद के साथ हुआ। गणगौर माता की भक्ति में लीन महिलाओं ने पारंपरिक गीतों पर उत्साहपूर्वक नृत्य किया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय और आनंदमय हो गया। इसके बाद मनोरंजन से भरपूर विभिन्न गतिविधियों ने कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया। चुटकूलों, नाटकों, नृत्य और मनोरंजक खेलों ने उपस्थित बहनों को आनंदित कर दिया। खासकर पारंपरिक *गुडला घुमेला* प्रतियोगिता ने समां बांध दिया, जिसमें बहनों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार गुडला घुमाते हुए उल्लासपूर्वक नृत्य किया। इस खेल ने गणगौर पर्व की पौराणिकता और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया। इसके अतिरिक्त, सुहाग की वस्तुओं से जुड़ा एक विशेष रोचक गेम भी आयोजित किया गया, जिसमें महिलाओं ने पूरे जोश और उमंग के साथ भाग लिया। इसके पश्चात हाउजी गेम ने आयोजन को और भी रोमांचक बना दिया। अंत में, सभी ने प्रेमपूर्वक परोसे गए लजीज छोले-भटूरे और गाजर के हलवे का स्वाद लिया। पूरे आयोजन में बहनों का सहयोग और उत्साह सराहनीय रहा, जिसने इस गणगौर सिंजारा उत्सव को अपार हर्षोल्लास और भक्ति के साथ संपन्न किया। गणगौर माता सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और हम सभी को सुख, समृद्धि एवं सौभाग्य प्रदान करें।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राजग सरकार बिहार में चहुंमुखी विकास कर रही है : अमित शाह

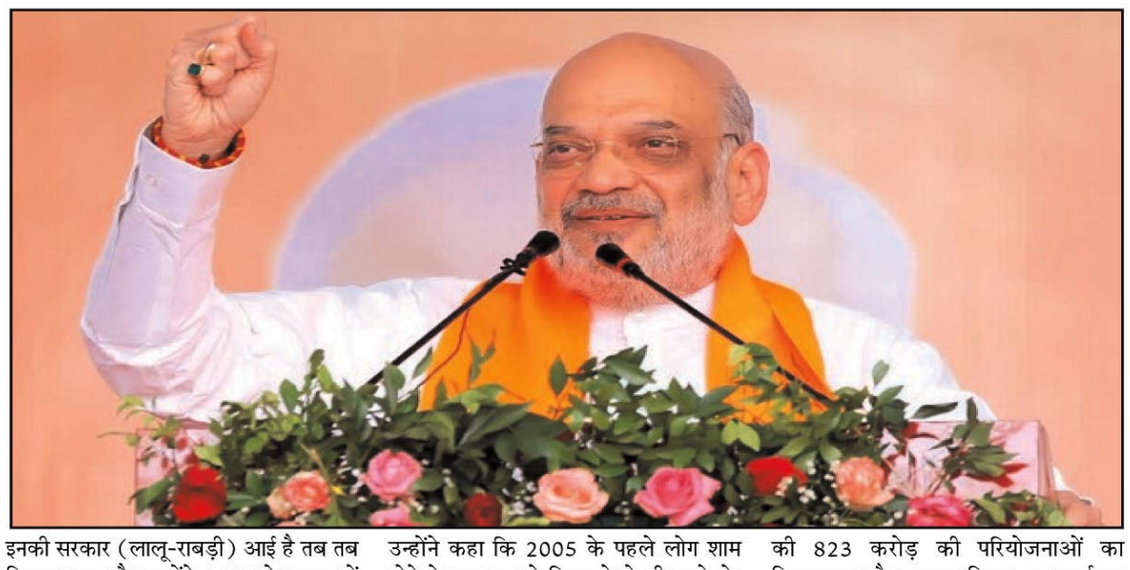

पटना, (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को पटना के बापू सभागार में सहकारिता विभाग के एक कार्यक्रम में बिहार को कई योजनाओं की सौगात दी। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राजग सरकार बिहार में चहुंमुखी विकास कर रही है।उन्होंने मिथिलांचल के लोगों को सौगात देते हुए मखाना प्रोसेसिंग यूनिट का ऑनलाइन उद्घाटन किया। केंद्रीय सहकारिया मंत्री अमित शाह ने कहा कि लालू और राबड़ी का जब-जब शासनकाल आया तब-तब बिहार में विनाश हुआ। उन्होंने कहा कि लालू जी ने अगर बिहार की जनता के लिए कुछ अच्छा काम किया है तो हिसाब-किताब लेकर आइये और बताइये। उन्होंने विभिन्न योजनाओं का नाम गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के लिए बहुत कुछ किया है। सहकारिता का सबसे ज्यादा फायदा बिहार को मिलने वाला है। लालू प्रसाद के समय सहकारिता चौपट हो गयी थी। इसको बर्बाद करने का श्रेय लालू एंड लालू कंपनी ने किया और सहकारी समितियों को भी संबोधित किया। अमित शाह ने कहा कि बिहार की बंद पड़ी चीनी मिल को चालू करने के लिए पूरी ऊर्जा लगा देंगे। बिहार लालू-राबड़ी कालखंड में जातीय नरसंहार, चारा घोटाला को लेकर पूरे देश-दुनिया में बदनाम हुआ। बीते 20 वर्षों से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग गठबंधन सरकार में बिहार ने विकास के नए आयाम गढ़े हैं। उन्होंने कहा कि जब-जब इनकी सरकार (लालू-राबड़ी) आई है तब तब विनाश आया है। उन्होंने 2025 के चुनाव में राजग सरकार बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर किया प्रहार-इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि आज बिहार में बहुत अच्छे से काम हो रहा है। कभी कोई इतना नहीं कर पाया। उन्होंने कहा कि महिलाएं कितना अच्छे से काम कर रही हैं। पहले शाम होने से पहले कोई निकलता तक नहीं था। मुख्यमंत्री ने बिना नाम लिए कहा कि आज तक उन्होंने कोई कुछ किया है। शुरू से हमलोग काम करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2005 के पहले लोग शाम होने के बाद घर से निकलने से भी डरते थे। सड़कें भी नहीं थीं। यहां तक कि हिंदू-मुस्लिममें भी खूब झगड़े होते थे, लेकिन मैंने जो काम किया मैंने किया, आप लोगों ने नहीं। पहले क्या स्थिति थी। पहले स्वास्थ्य व्यवस्था की कैसी हालत थी? पहले स्वास्थ केंद्र में एक दिन में एक या दो मरीज आते थे। अस्पतालों में दवाई की व्यवस्था करवाई। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार पटना के बापू सभागार में सहकारिता विभाग के कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने 4 विभागों की 823 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार मौजूद थे। कार्यक्रम में 100 सहकारी समितियों को माइक्रो एटीएम भी बांटे गए। साथ ही गृहमंत्री ने मिथिलांचल के लोगों को सौगात देते हुए मखाना प्रोसेसिंग यूनिट का ऑनलाइन उद्घाटन किया। यहां से उन्होंने 7000 सहकारी समिति को संबोधित भी किया। इससे पहले अमित शाह का स्वागत मखाना माला पहनाकर किया गया।

प्रज्ञा ठाकुर मालेगांव में हिंदू वीर पुरस्कार से सम्मानित

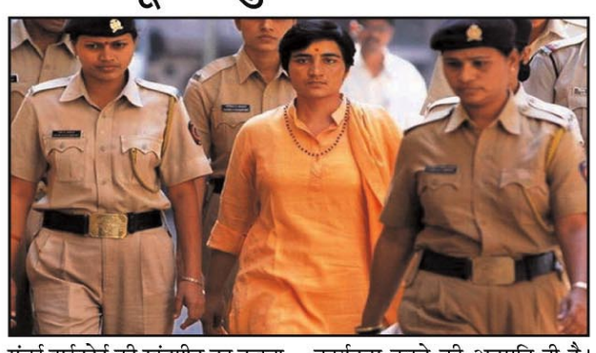

मुंबई (ईएमएस)। मालेगांव बम धमाके की मुख्य आरोपी तथा भोपाल की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर को मालेगांव में गुड़ी पड़वा के अवसर पर हिंदू वीर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। विराट हिंदू संत सम्मेलन द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम का विरोध महाराष्ट्र सरकार ने किया। इसके विरोध में आयोजक हाईकोर्ट चले गए। हाईकोर्ट ने प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया। सरकार ने नागपुर में औरंगजेब विवाद के बाद माहौल खराब होने की बात कहकर इस कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी थी। 25 मार्च को नासिक के कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने जब आयोजन की मजूँरी नहीं दी। तो आयोजक हाईकोर्ट पहुंच गए। मुंबई हाईकोर्ट ने नासिक के कार्यकारी मजिस्ट्रेट का आदेश निरस्त करते हुए कार्यक्रम की मंजूरी दी है। मुंबई हाईकोर्ट की खंडपीठ का कहना था, आजादी के 78 साल हो जाने के बाद समाज की समझदारी बढी है। आजादी और सह- अस्तित्व के मायने को देखते हुए इस तरह के आयोजन पर रोक नहीं लगाई जा सकती है। मुंबई हाईकोर्ट के न्यायाधीश रविंद्र घुघे और न्यायाधीश अश्विन भोवे की खंडपीठ ने जियो और जीने दो को आधार मानकर कार्यक्रम करने की अनुमति दी है। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है, कोई भी वक्ता ऐसा कोई भाषण नहीं दे। जिससे दूसरे धर्म के लोगों को ठेस पहुंचे। बम कांड की आरोपी प्रज्ञा ठाकुर अभी जमानत पर हैं। उनका सम्मान वहीं किया जा रहा है,जहां बम धमाका हुआ था। अभी भी यह मामला न्यायालय के पास विचाराधीन है।

उप मुख्यमंत्री शिंदे और विधायक केलकर ने पालकी उठाकर किया नववर्ष का स्वागत

मुंबई,(हि.स.) । आज गुडी पड़वा के अवसर पर और नए साल के स्वागत के लिए ठाणे के प्राचीनतम शिवजी के कोपिनेश्वर मंदिर से एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। शोभायात्रा का आरंभ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और विधायक संजय केलकर द्वारा पालकी की पूजा करके किया गया। इसके साथ स्वयं उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और विधायक संजय केलकर इस जुलूस में मंदिर की पालकी कंधों पर उठाकर इस शोभायात्रा में सैकड़ों श्रदालुओं के साथ शामिल हुए। इस शोभा यात्रा में विधायक संजय. केलकर ने लेज़िम बजाकर हिंदू नववर्ष का स्वागत किया। वारकरी समाज भी नववर्ष के अवसर पर शोभा यात्रा भी में भाग लेते हैं। आज गुडी पाडवा के पर्व पर जाँभली नाका पर चिंतामणि चौक पर विधायक संजय केलकर ने मसूंदा तालाब में स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि पर पुष्प वर्षा की और पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भाजपा के ठाणे शहर अध्यक्ष संजय वाघुले उपस्थित थे। इस जुलूस में भाग लेते हुए केलकर ने कोपिनेश्वर मंदिर परिसर का दौरा किया तथा गुड़ी पड़वा और हिंदू नववर्ष के अवसर पर नागरिकों को शुभकामनाएं दी गईं। उल्लेखनीय है कि सबसे अधिक प्राचीनतम माने जाने वाले इस शिवजी के प्रसिद्ध मंदिर को देखने के लिए दूर दूर से श्रद्धालु आते है। यह बारहवीं शताब्दी प्राचीनतम शिवजी का मंदिर है जिसमें विशाल आकार के शिवलिंग स्थापित हैं। इसी तरह लोढ़ा आमरा परिसर नए साल के जुलूस मै विधायक केलकर ने भाग लिया और नागरिकों को शुभकामनाएं दीं। लोढ़ा अमारा परिसर के नागरिकों ने संयुक्त हिंदू नववर्ष स्वागत जुलूस निकाला। इस शोभा यात्रा की शुरूआत केलकर द्वारा नारियल रोपण के साथ हुई। इस जुलूस के दौरान लाठीकठी, लिज़िम और वारकरी की डिंडी जैसे मराठा खेलों का आयोजन किया गया।

अब सरकार के लिए पैसे कमाने का भी जरिया बना मौसम विभाग

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी आईएमडी अब सिर्फ मौसम की जानकारी देने वाला विभाग नहीं रहा। ये अब सरकार के लिए पैसे कमाने का भी एक जरिया बन गया है। चेन्नई स्थित राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान ने भी पिछले तीन सालों में 42 तरह की तकनीकें बनाईं। इन टेक्नोलॉजी को उद्योगों को बेचा गया जिससे 24 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए। आईएमडी, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को विमानन मौसम सेवाएं देने के अलावा, मौसम संबंधी डेटा, मौसम रिपोर्ट और उपकरणों की टेस्टिंग करके भी पैसे कमाता है। संसद की समिति को दिए गए आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 के पहले छह महीनों में (सितंबर 2024 तक) इससे लगभग 66 करोड़ रुपये कमाए। आईएमडी ने 2022-23 से अब तक 226 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। ये जानकारी पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) ने संसद की एक समिति को दी। एमओईएस ने बताया कि आईएमडी अब मंत्रालय का सबसे ज्यादा कमाई करने वाला विभाग बन गया है।

आईएमडी की कमाई का बड़ा हिस्सा एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) को दी जाने वाली एविएशन मौसम सेवाओं से आता है। संसदीय समिति, जिसके अध्यक्ष भुवनेश्वर कलिता हैं, उन्होंने कहा कि अपनी सेवाओं के जरिए राजस्व उत्पन्न करने से न केवल मंत्रालय को महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने में मदद मिलेगी, बल्कि इन तकनीकों का फायदा बड़े पैमाने पर समाज को भी मिलेगा। भुवनेश्वर कलिता ने कहा कि इसका मतलब है कि आईएमडी की कमाई से मंत्रालय और भी बेहतर काम कर पाएगा और लोगों को भी फायदा होगा।

शिवाजी महाराज के बारे में अपमानजनक बयान देने वाले प्रशांत को कोर्ट ने न्यायिक कस्टडी में भेजा

मुंबई, (हि.स.)। छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में आपत्तिजनक बयान देने और इतिहास के विद्वान इंद्रजीत सावंत को धमकाने के मामले में आरोपित प्रशांत कोरटकर को र-विवार को कोल्हापुर जिला कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक कस्टडी में भेज दिया है। दरअसल, आरोपित प्रशांत कोरटकर की पुलिस कस्टडी खत्म होने के बाद आज पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया था। कोल्हापुर जिला कोर्ट में पुलिस ने बताया कि प्रशांत कोरटकर पर मामला दर्ज करने के बाद करीब एक महीने तक फरार रहे थे। इसलिए मामले की छानबीन के लिए आरोपित की पुलिस कस्टडी जरुरी है। इस पर कोरटकर के वकील सौरव घाग ने कोर्ट से कहा कि इस मामले में पुलिस कोरटकर से पांच दिन तक पूछताछ कर चुकी है। अब कोरटकर से पूछने के लिए कुछ शेष नहीं बचा है। अगर कुछ पूछताछ करनी होगी तो पुलिस न्यायिक कस्ट-डी में पुलिस कोरटकर से पूछताछ कर सकती है। साथ ही वकील सौरव घाग ने कोरटकर को न्यायिक कस्टडी में भेजने की मांग की। दोनों तरफ की जिरह सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपित प्रशांत कोरटकर को 14 दिन की न्यायिक कस्टडी में भेज दिया है।

चुनावी हार के बाद अमेठी नहीं लौटीं स्मृति ईरानी, घर सूना और हैरान-परेशान कार्यकर्ता कर रहे इंतजार

अमेठी,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव में हार के बाद से स्मृति ईरानी अमेठी नहीं लौटीं, जिससे बीजेपी के स्थानीय कार्यकर्ता और समर्थक जहां हैरान-परेशान हैं वहीं उनमें खासी निराशा भी देखने को मिल रही है। अमेठी के मेदन मवई गांव में बने उनके घर पर अब सन्नाटा पसरा है। बीजेपी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग कहते हैं कि अगर राहुल गांधी की हार से उन्होंने सबक लिया होता, तो आज हालात कुछ और होते। टीवी के पर्दे पर अपनी धाक जमाने के बाद राजनीति में कदम रखने वाली स्मृति ईरानी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को हराकर इतिहास रचने जैसा काम करके दिखाया था। इस जीत से अभिभूत हो स्मृति ने अमेठी को अपना घर बताया और ह्यदीदी आपके द्वारह्न अभियान शुरू किया था। यहां पर उन्होंने घर भी बनवाया और खुद को अमेठी की बेटी बता कर कभी क्षेत्र से दूर नहीं जाने जैसी बातें कीं। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी, कांग्रेस के नेता किशोरी लाल शर्मा से चुनाव हार गईं। बताया जा रहा है कि इस हार के बाद से ही न तो उन्होंने कभी अमेठी का दौरा किया और न ही अपने कार्यकताओं से मुलाकात ही की है।

उनकी इस तरह से अमेठी छोड़ने से हैरान-परेशान बीजेपी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग अब भी उनके लौटने का इंतजार कर रहे हैं। घर में मिलते हैं केयरटेकर स्मृति ईरानी के घर के केयरटेकर ध्रुवराज ही यहां मिलते हैं। वो खुद भी यही कहते हैं कि अब इस घर में सिर्फ वही रहते हैं। वो बताते हैं कि इस घर में पूजा-पाठ करने के लिए पंडित जरुर आते हैं और इसके अलावा साफ-सफाई के लिए भी कर्मचारी आते हैं, लेकिन घर पहले जैसा नहीं रहा। लोग पूछते हैं हम क्या जवाब दें बीजेपी के स्थानीय कार्यकताओं का कहना है कि दीदी कम से कम उन बूथों पर तो आतीं, जहां से उन्हें वोट मिले थे। दुःखी मन से कार्यकर्ता कहते हैं कि हमसे लोग पूछते हैं कि दीदी कहां हैं, लेकिन हमें खुद कुछ नहीं पता। न उन्होंने फोन किया, न खुद आईं। ऐसे में सभी के मन में एक ही सवाल उठ रहा है कि क्या स्मृति ईरानी अमेठी की जनता से फिर जुड़ने की कोशिश करेंगी या यह घर सिर्फ एक राजनीतिक याद बनकर रह गया है? वैसे समर्थकों को तो पूरी उम्मीद है कि वो जल्द ही अपने घर को लौटेंगी और अमेठी से रिश्ता नहीं तोड़ेंगी।

राज्यपाल के हेलीकॉप्टर में हुआ धमाका, बाल-बाल बचे हरिभाऊ

पाली,(ईएमएस)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बचे। दरअसल पाली दौरे के दौरान उनके हेलीकॉप्टर में उड़ान भरते समय धमाका हुआ, जिससे मौके पर हड़-कंप मच गया। हालांकि, पायलट की सूझबूझ से हेलीकॉप्टर को सुरक्षित उतार लिया गया। यहां बताते चलें कि राज्यपाल पाली के दो दिवसीय दौरे पर थे और कई कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। कार्यक्रम के बाद उनका हेलीकॉप्टर जयपुर के लिए रवाना हो रहा था, लेकिन 10 फीट ऊपर उठते ही अचानक धमाका हुआ, और हेलीकॉप्टर से धुआं निकलने लगा। पायलट ने सूझ-बूझ से काम लिया और तुरंत ही हेलीकॉप्टर को हेलीपैड पर वापस उतार दिया। मौके पर मौजूद अधिकारियों और बचाव दल ने तुरंत ही हरकत में आते हुए मामले की जांच शुरू कर दी। हादसे के तुरंत बाद यह खबर फैली कि राज्यपाल हेलीकॉप्टर में सवार थे, लेकिन पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि घटना के समय वह हेलीकॉप्टर में मौजूद नहीं थे। बताया जा रहा है कि हेलीकॉप्टर को कन्या महाविद्यालय हेलीपैड पर खड़ा किया गया, जहां दिल्ली से विशेषज्ञ इंजीनियर आकर इसकी जांच करेंगे। सड़क मार्ग से किया गया रवाना हेलीकॉप्टर के क्षतिग्रस्त होने के कारण राज्यपाल हरिभाऊ को सड़क मार्ग से जयपुर भेजा गया। प्रशासन इस मामले की गंभीरता से जांच कर रहा है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

दिल्ली के हर एक अस्पताल में खुलेगा जन औषधि केंद्र

अजय त्यागी

नई दिल्ली। सरकार ने लोगों को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र योजना चला रही है। इस योजना के तहत अब तक देशभर में 13,200 जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं। सरकार का लक्ष्य मार्च 2027 तक इनकी संख्या 25 हजार तक पहुंचाने का है। कोई भी व्यक्ति, अस्पताल, एनजीओ, या फार्मासिस्ट जन औषधि केंद्र खोल सकता है। दिल्ली सरकार ने सभी सरकारी अस्पतालों को निर्देश दिया है कि वे अपने परिसर में कम से कम एक जन औषधि केंद्र स्थापित करें। इसका उद्देश्य मरीजों को महंगी ब्रांडेड दवाओं की बजाय सस्ती जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराना है। जन औषधि केंद्रों पर विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रमाणित दवाएं और चिकित्सा उपकरण 50-70 प्रतिशत कम कीमत पर उपलब्ध होंगे। आयुर्वेदिक, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथिक अस्पतालों में ये केंद्र नहीं खुलेंगे। जन औषधि केंद्रों की स्थापना की प्रक्रिया पहले ही कई सरकारी अस्पतालों में शुरू हो चुकी है। इनमें जीबी पंत अस्पताल, लोक नायक अस्पताल, संजय गांधी मेमोरियल, राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, गुरु नानक आई सेंटर, मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, बाबू जगजीवन राम मेमोरियल अस्पताल और चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने फैसला किया है कि अगर किसी अस्पताल में कोई आवश्यक दवा उपलब्ध नहीं होती है, तो उसे स्थानीय बाजार से खरीदने के बजाय जन औषधि केंद्र से मंगाने की अनुमति होगी। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि जन औषधि केंद्रों को खोलने का निर्णय इसी महीने लिया गया था। स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने सभी मेडिकल सुपरिंटेंडेंट्स और स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत दवा आपूर्ति की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में केंद्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने मां कात्यायनी के दर्शन करके दिल्ली में विकास कार्य के पूरा होने की कामना की

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चैत्र नवरात्रि के पहले दिन छतरपुर मंदिर में मां कात्यायनी के दर्शन कर दिल्लीवासियों की खुशहाली की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि मां का आशीर्वाद सभी के जीवन में अपार खुशियां, समृद्धि व शांति लेकर आए। दिल्ली में विकास कार्य सुचारू रूप से पूरे हों और सद्भाव एवं शांति बनी रहे, यही कामना है। मुख्यमंत्री ने र-विवार को पत्रकारों संबोधित करते हुए कहा कि आज मां कात्यायनी के चरणों में माथा टेककर सभी दिल्लीवासियों के लिए हिंदू नववर्ष पर ढेर सारी खुशियां लेकर आने की प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि का यह त्योहार दिल्लीवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आए। मुख्यमंत्री ने एक्स पर शक्ति, भक्ति व नवचेतना के पावन पर्व चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दिल्लीवासियों की दी। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा की कृपा से हर घर में सुख, शांति व समृद्धि का वास हो। यह मंगलमय पर्व हमें आत्मबल व नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दे। वह मां से दिल्ली व देश की उन्नति व समृद्धि की कामना करती है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक्स पर पावन पर्व चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन ह्यमां शैलपुत्रीह्न के विशेष पूजन अर्चन दिवस की सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं! उन्होंने कहा कि सभी को मां शैलपुत्री की उपासना से मन की स्थिरता एवं आत्मबल प्राप्त हो और उनका आशीर्वाद समस्त प्रदेश-ावासियों पर बना रहे। वीरेंद्र सचदेवा ने सभी प्रदेशवासियों को ह्यहिंदू नववर्षह्न चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, विक्रम सम्वत 2082 की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने कह कि यह नव संवत्सर आप सभी के लिए मंगलमय हो और आप सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, खुशहाली और आरोग्यता सदैव बनी रहे।

आदर्श और सिद्धांतों पर टिका संघ का वटवृक्ष: प्रधानमंत्री

-माधव नेत्रालय की विस्तारित इमारत के भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए मोदी

नागपुर, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक वटवृक्ष की तरह है और यह वटवृक्ष बीते 100 वर्ष से आदर्श और सिद्धांतों पर टिका हुआ है। किसी भी देश का अस्तित्व उस देश की संस्कृति के विस्तार पर निर्भर करता है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती रहती है। देश पर कई विदेशी आक्रमण हुए, संस्कृति को नष्ट करने के प्रयास हुए लेकिन भारतीय संस्कृति की चेतना कभी समाप्त नहीं हुई। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को नागपुर स्थित माधव नेत्रालय के प्रीमियम सेंटर इमारत के भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी देश का अस्तित्व उस देश की संस्कृति के विस्तार पर निर्भर करता है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती रहती है। हमारे देश पर कई विदेशी आक्रमण हुए, हमारी संस्कृति को नष्ट करने के प्रयास किए गए, फिर भी भारतीय संस्कृति की चेतना कभी समाप्त नहीं हुई। यह चेतना बनाए रखने के लिए अनेक आंदोलनों का आयोजन भारत में हुआ। भक्तिरस से भरे आंदोलन इसका उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे संतों ने समाज में यही चेतना जागृत की। महा-राष्ट्र के संत तुकाराम, संत एकनाथ, संत नामदेव, संत ज्ञानेश्वर ने यह कार्य किया। फिर स्वामी विवेकानंद ने इसे आगे बढ़ाया। स्वतंत्रता संग्राम से पूर्व डॉ. हेडगेवार और गुरुजी गोळवलकर ने भी इस राष्ट्रीय चेतना को बढ़ावा दिया। उन्होंने 100 वर्ष पहले जिस वटवृक्ष का बीजारोपण किया था, वह आज विशाल रूप में फैल चुका है। मोदी ने यह भी कहा कि संघ का यह वटवृक्ष आदर्श और सिद्धांतों की वजह से टिक पाया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत की राष्ट्रीय संस्कृति का कभी न समाप्त होने वाला अक्षय वटवृक्ष है। उन्होंने कहा कि साथ ही संघ एक निरंतर चलने वाला यज्ञ भी है, जो बाह्य और आंतरिक दृष्टि से काम करता है। बाह्य दृष्टि से माधव नेत्रालय जैसे उपक्रम हैं, जबकि आंतरिक दृष्टि से संघ सेवा कार्य के माध्यम से आगे बढ़ता है। ये सेवा संस्कार और साधना प्रत्येक स्वयंसेवक के लिए जीवनदायिनी हैं। प्रत्येक स्वयंसेवक पीढ़ी दर पीढ़ी इससे प्रेरित हो रहा है, जो उसे निरंतर गतिमान बनाए रखता है। इस कारण से स्वयंसेवक कभी थकते नहीं, कभी रुकते नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "हम देखते हैं कि संघ के स्वयंसेवक चाहे पहाड़ी क्षेत्र हो, समुद्री क्षेत्र हो या जंगल का क्षेत्र हो, वे अपनी सेवा कार्यों को निरंतर करते रहते हैं। प्रयागराज में हमने देखा कि स्वयंसेवकों ने लाखों लोगों की मदद की। जहां सेवा कार्य होता है, वहां स्वयंसेवक होते हैं। चाहे प्राकृतिक आपदाएं हों या अन्य संकट, स्वयंसेवक अनुशासित सैनिकों की तरह वहां पहुंचते हैं और सेवा भाव से काम करते हैं।" प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत पर सैकड़ों वर्षों तक विदेशी आक्रमण हुए। कई क्रूर आक्रमणकारियों ने हमारी सभ्यता और संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन भारतीयता की जड़ें कभी भी कोई समाप्त नहीं कर सका। भारतीय संस्कृति के संरक्षण और उसे जीवित रखने के लिए देश में कई आंदोलन हुए। उनमें से भक्तिरस से भरा आंदोलन महत्वपूर्ण था। हमारे देश के महान संतों ने भक्तिरस आंदोलन के माध्यम से राष्ट्रीय विचारधारा को जीवित रखा और समाज में विद्यमान दूरी को समाप्त कर सबको एक सूत्र में बांधने का काम किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, स्वामी अवधेशानंद गिरी और स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज मुख्य रूप से उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की जयंती वर्ष प्रतिपदा (गुड़ी पड़वा) के दिन मनाई जाती है। रविवार को नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार स्मृति मंदिर का दौरा किया। मोदी ने संघ के आद्य सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार और द्वितीय सरसंघचालक गुरुजी गोलवलकर की रेशमबाग स्थित स्मृति समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजद संरक्षक लालू और कांग्रेस नेता सोनिया ने बिहार को *बर्बाद* कर दिया : शाह

पटना/गोपालगंज (हिंस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस और उसकी सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर जोरदार प्रहार किया। शाह ने कहा कि राजद संरक्षक लालू प्रसाद यादव और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने बिहार को *बर्बाद* कर दिया। वे आज दोपहर गोपालगंज में एक जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग की गठबंधन सरकार में राज्य के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया और आज बिहार को बीमारू राज्य से प्रगतिशील राज्य की पंक्ति में लाकर के खड़ा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब बिहार को यह तय करना है कि उसे लालू-राबड़ी का जंगल राज चाहिए या मोदी जी और नीतीश कुमार का विकास पथ। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस जो 65 साल में नहीं कर पाई, वह नरेंद्र मोदी ने 10 साल में कर दिखाया। उन्होंने कहा कि आने वाले बिहार विधानसभा में राजग सरकार को फिर से वोट दें। हम पांच साल के

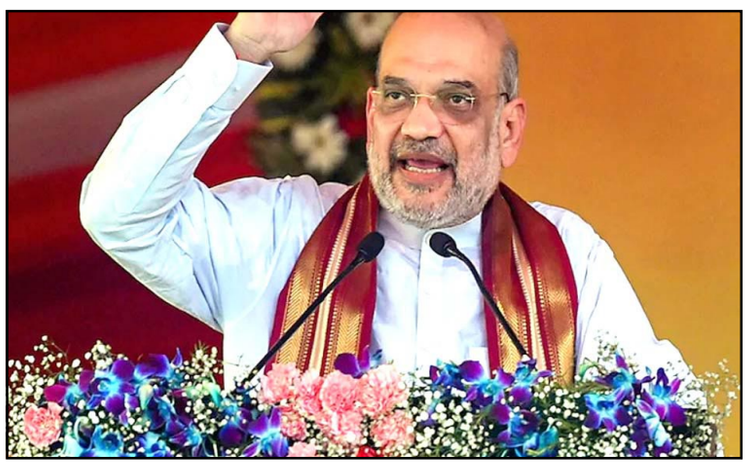

भीतर बिहार को बाढ़ मुक्त बना देंगे। बिहार में राजग 2005 में सत्ता में आयी और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। इस गठबंधन ने दो दशकों तक बिहार पर शासन किया है। पिछले 20 सालों में दो बार ऐसा हुआ है जब नीतीश कुमार विपक्षी खेमे में चले गए और राजद के साथ गठबंधन में राज्य सरकार चलाई। नीतीश कुमार अब राजग खेमे में वापस आ गए हैं और बिहार चुनाव के लिए भाजपा के साथ मिलकर तैयारी कर रहे हैं। लालू यादव और उनके परिवार पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि यहां लालू-राबड़ी शासन और केंद्र में सोनिया-मनमोहन सरकार ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया। लालू के दोनों बेटे अब मुख्यमंत्री पद की तैयारी कर रहे हैं। उनकी बेटी (मीसा भारती) संसद में हैं। उनकी पत्नी राबड़ी देवी भी सदन (विधान परिषद) की सदस्य हैं। लालू अपने परिवार को *सेट* करने में व्यस्त हैं। उन्होंने बिहार में युवाओं को *सेट* नहीं किया। लेकिन केंद्र की नरेंद्र मोदी ने युवाओं को रोजगार दिया है। शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण सुनिश्चित किया और बिहार में माता जानकी की प्रकाट्य स्थली पर भी भव्य मंदिर बनाने की योजना बनाई है। केंद्र की भाजपा सरकार ने छठ पर्व के लिए छुट्टियों को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने राज्य के लिए बजट घोषणाओं को सूचीबद्ध करते हुए कहा कि केंद्र ने बिहार के विकास के लिए 9 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। तेरह ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे बनाए जा रहे हैं। हम 8, 000 करोड़ रुपए की लागत से सात पुल बनाएंगे। केंद्र ने बिहार में मखाना बोर्ड भी स्थापित किया है। राजद ने बिहार को लूटने के अलावा कुछ नहीं किया है।

जयपुर में भारतीय नववर्ष, नवरात्रि और चेटीचंड के आयोजनों की धूम

जयपुर (हिंस)। भारतीय नववर्ष, चैत्र नवरात्रि और चेटीचंड महापर्व के अवसर पर जयपुर के प्रमुख मंदिरों में भक्तिमय आयोजन हो रहे हैं। श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिरों में उमड़ रहे हैं, जहां पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हो रहे हैं। प्रसिद्ध मोती डूंगरी गणेश मंदिर में नववर्ष पर विशेष पूजा-अर्चना की गई। रविवार सुबह भगवान गणेश का पंचामृत अभिषेक किया गया और उन्हें नवीन पोशाक एवं स्वर्ण मुकुट धारण कराया गया। मंदिर महंत कैलाश शर्मा के अनुसार, इस विशेष अवसर पर भगवान को फूल बंगले में विराजमान किया गया और छप्पन भोग अर्पित किए गए। शाम 7 बजे मंदिर परिसर में भव्य आतिशबाजी का आयोजन होगा, साथ ही भक्तों के लिए विशेष दर्शन और पूजन की व्यवस्था की गई है। माउंट आबू के प्रसिद्ध खोले के हनुमान मंदिर में चैत्र नवरात्रि के शुभारंभ पर कलश यात्रा निकाली गई, जिसके बाद घटस्थापना संपन्न हुई। नरवर आश्रम सेवा समिति के महामंत्री बृजमोहन शर्मा ने बताया कि नव संवत्सर 2082 के आगमन पर वाल्मीकि रामायण के पाठ आरंभ किए गए। मंदिर में शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक 201 आसनों से 9 दिवसीय रामचरित मानस पाठ किया जाएगा। पहाड़ी पर स्थित वैष्णो माता मंदिर में भी घटस्थापना और दुर्गा सप्तशती पाठ आरंभ हुए हैं। मंदिर को विशेष सजावट और रोशनी से सुसज्जित किया गया है। राजापार्क स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में रविवार सुबह 6:30 बजे विधिवत पूजा-पाठ के साथ घटस्थापना की गई। मंदिर समिति के अध्यक्ष राज भाटिया के अनुसार माता को प्रसाद अर्पित कर 8:15 बजे आरती के साथ पट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए। मंदिर में नवरात्रि के दौरान माता का सात बार विशेष श्रृंगार किया जाएगा, साथ ही हनुमान जी की प्रतिमा का भी विशेष श्रृंगार किया जाएगा। भक्तों को हलवा, चना और पूरी का प्रसाद वितरित किया जाएगा। सिंधी समाज के आराध्य भगवान श्री झूलेलाल के जन्मोत्सव पर चेटीचंड महापर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। चेटीचंड सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष दिलीप हरदासानी ने बताया कि शहर के झूलेलाल मंदिरों में भगवान का पंचामृत अभिषेक कर नवीन वस्त्र धारण कराए गए। मंदिरों के शिखर पर लाल रंग की धर्म ध्वजा फहराई गई। महिलाओं ने मीठे चावल और छोले का भोग अर्पित कर विश्व शांति और कल्याण के लिए प्रार्थना की। सिंधी शहनाई और ढोल की धुन पर पारंपरिक लोक नृत्य छेज की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर शहर में विशाल शोभायात्रा भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। जयपुर के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। आमेर स्थित शिला माता मंदिर समेत अन्य देवी मंदिरों में घटस्थापना संपन्न हो चुकी है। इस बार नवरात्रि आठ दिन की होगी, जिसके दौरान विशेष अनुष्ठान और भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय नववर्ष, नवरात्रि और चेटीचंड के इन पावन आयोजनों ने पूरे शहर को भक्तिमय माहौल में डुबो दिया है, जहां श्रद्धा, उल्लास और भक्ति का संगम देखने को मिल रहा है।

चौथ माता मंदिर में चैत्र नवरात्र का शुभारंभ, भक्तों की उमड़ी भीड़

सवाई माधोपुर (हिंस)। जिले के बरवाड़ा स्थित चौथ माता मंदिर में चैत्र नवरात्र के पहले दिन रविवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर माता के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। भक्तों ने मनोकामनाएं मांगी और मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। इसी के साथ अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ भी किया गया। नवरात्रि के अवसर पर चौथ माता की प्रतिमा का विशेष श्रृंगार किया गया और उन्हें 56 भोग का प्रसाद अर्पित किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से ही भक्तों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था, जिससे मंदिर परिसर में अपार भीड़ उमड़ पड़ी। चौथ माता ट्रस्ट प्रशासन की ओर से दोपहर 12 बजे घट स्थापना की गई। माता की प्रतिमा के नीचे नव संवत्सर के स्वागत में ज्वारे बोए गए। ट्रस्ट के पदाधिकारी इस दौरान मौजूद रहे और सभी धार्मिक आयोजनों में भाग लिया। रविवार को अवकाश होने के कारण श्रद्धालुओं की संख्या अधिक रही, जिसे देखते हुए चौथ माता ट्रस्ट प्रशासन ने छाया, जल और रोशनी की समुचित व्यवस्था की। भक्तों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रबंध किए गए। मंदिर परिसर के नीचे चौथ माता सेवा समिति की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी वितरित की गई। दिनभर भक्तों की आवाजाही बनी रही और माता के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

जन-जन में साक्षरता की अलख जलाती *उल्लास योजना*

नारनौल (हिंस)। समाज के सभी लोगों को आजीवन सीखने के उद्देश्य से 15 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए रविवार को विभिन्न स्कूलों में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की परीक्षा का आयोजन किया गया। उल्लास कार्यक्रम भारत सरकार की एक योजना है जिसका मकसद देश को साक्षर बनाना है। इसे नव भारत साक्षरता कार्यक्रम भी कहा जाता है। इस योजना के जरिए 15 साल से अधिक उम्र के उन लोगों को पढ़ना-लिखना सिखाया जा रहा है, जो किसी वजह से स्कूल नहीं जा पाए। खंड शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा ने बताया कि नारनौल खंड में 62 परीक्षा केंद्र बनाए गए। उल्लास कार्यक्रम में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 15 साल से अधिक उम्र के निरक्षरों को शामिल किया जा रहा है। इस

योजना का मकसद समाज के सभी लोगों को आजीवन सीखने का मौका देना है। यह योजना केंद्र सरकार के *कर्तव्य बोध* की भावना पर आधारित है। इसे स्वैच्छिक सेवा के जरिए लागू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उल्लास कार्यक्रम के जरिए, बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान, जरूरी जीवन कौशल, व्यावसायिक कौशल, बुनियादी शिक्षा और सतत शिक्षा का विकास किया जा रहा है। उल्लास कार्यक्रम स्वयंसेवा के माध्यम से शिक्षार्थियों को दीक्षा पोर्टल व उल्लास मोबाइल ऐप के माध्यम से क्षेत्रीय भाषाओं में शैक्षणिक अध्ययन के लिए भी प्रोत्साहित करता है।

बजरंग दल ने अर्थी निकाल फूंका सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का पुतला

फिरोजाबाद (हिंस)। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने रविवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व सपा सांसद रामजीलाल सुमन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने अर्थी निकालकर नारेबाजी करते हुए दोनों नेताओं का पुतला दहन किया। बजरंग दल के जिलाध्यक्ष मोहन बघेल के नेतृत्व में कार्यकर्ता एकत्रित होकर नगर के कोटला चुंगी चौराहा पर पहुंचे। कार्यकर्ता हाथों में अर्थी लिए हुए नारेबाजी कर रहे थे। कार्यकर्ताओं ने कोटला चुंगी चौराहा पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन का नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। जिलाध्यक्ष मोहन बघेल ने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का कहना है कि गौशालाओं से दुर्गंध आती है उन्होंने ऐसा कहकर गौ माता का अपमान किया है।

पंजाब पुलिस ने छह किलो हेरोइन समेत दो पकड़े

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब की तरनतारन पुलिस ने छह किलो हेरोइन सहित दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस टीमों ने नशीले पदार्थों की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही उनकी स्विफ्ट कार को भी जब्त कर लिया है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान हरदीप सिंह उर्फ दीप और हरजीत सिंह, दोनों निवासी गांव ठट्ठी सोहल, तरनतारन के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी पाकिस्तान-आधारित तस्कर बिल्ला और शाह के सीधे संपर्क में थे, जो सीमा पार से नशे की खेपें भेज रहे थे। उन्होंने बताया कि जांच में यह भी सामने आया है कि ये खेपें ड्रोन की मदद से भेजी जा रही थीं। डीजीपी ने बताया कि इस मामले में आगे की कड़ियों को जोड़ने के लिए जांच जारी है। डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीआईजी) हरमनबीर सिंह गिल ने कहा कि सप्लायरों, डीलरों और खरीदारों के पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के साथ-साथ गिरफ्तार आरोपियों द्वारा अब तक प्राप्त किए गए नशीले पदार्थों की कुल मात्रा का भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तरनतारन, अभिमन्यु राणा ने बताया कि आरोपी हरदीप और हरजीत के नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल होने की पुख्ता सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। तरनतारन पुलिस ने एक विशेष ऑपरेशन चलाकर उक्त आरोपियों को तरनतारन के गांव भूसे के क्षेत्र से गिरफ्तार कर नशीले पदार्थ बरामद किए।

संघ का हर कार्य राष्ट्र पुनर्निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम : शरद गजानन ढोले

उदयपुर (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय धर्मजागरण प्रमुख शरद गजानन ढोले ने वर्ष प्रतिपदा उत्सव पर अपने ओजस्वी उद्बोधन में संघ की गौरवशाली यात्रा और हिंदू समाज के उत्थान के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि संघ की यह 100 वर्षों की यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। संघ का प्रत्येक स्वयंसेवक समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित है और इस अद्वितीय संगठन का हर कार्य राष्ट्र पुनर्निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम है। उन्होंने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा संवत 2082 पर रविवार को यहां राजस्थान कृषि महाविद्यालय के मैदान में संघ के वर्ष प्रतिपदा उत्सव में स्वयंसेवकों को संबोधित किया। उत्सव की अध्यक्षता देसी जड़ी बूटी की गुणीजन लिमडी बाई मीणा ने की। शरद ढोले ने अपने उद्बोधन में कहा कि पग-पग पर समर्पण से परिपूर्ण स्वयंसेवकों का यह संघ ऐसे भारत का निर्माण करेगा की दुनिया स्वत: ही कहेगी की भारत विश्व गुरु है। शरद ढोले ने कहा कि संघ का लक्ष्य भारत को आर्थिक रूप से भी पूर्ण स्वतंत्र बनाना है। देश को आत्मनिर्भर और स्वदेशी भारत का निर्माण करने की आवश्यकता है। इसके लिए संघ गांव-गांव

तक संपर्क स्थापित कर जनजागरण कर रहा है। उन्होंने संघ की सौ वर्षों की यात्रा पर कहा कि इस विजयादशमी पर संघ अपने 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार द्वारा बोया गया बीज आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है, जिसकी छाया में राष्ट्रहित और समाज सेवा की भावना निरंतर पुष्पित और पल्लवित हो रही है। डॉ. हेडगेवार को यह भली-भांति आभास हो गया था कि कोई बाहरी शक्ति समाज को स्वतंत्र नहीं करा सकती, यह कार्य स्वयं समाज को ही करना होगा। इसी विचार से प्रेरित होकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई। आज संघ के स्वयंसेवक हर क्षेत्र में अपनी सेवा और समर्पण का परिचय दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू सनातन धर्म अब केवल भारत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह संपूर्ण विश्व में अपनी उपस्थिति दे चुका है। कुम्भ मेले में जब पुरे विश्व में अनेक देशों से राजनेता, प्रतिनिधि मंडल भी स्नान के लिए आते हैं, तो यह प्रमाणित होता है कि हिंदू संस्कृति की महत्ता वैश्विक स्तर पर स्वीकार की जा रही है। संघ ने पांच लाख पैतीस हजार से अधिक गांवों में संपर्क स्थापित कर हिंदू समाज को संगठित और जागरूक करने का कार्य किया है। विजयादशमी उत्सव को शाखा स्तर तक उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। शरद ढोले ने अपने वक्तव्य में इस तथ्य पर बल दिया कि भारत मूल रूप से एक हिंदू राष्ट्र है और यह विचार संघ की प्रेरणा शक्ति रही है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे हिंदू समाज संगठित होता है, वैसे-वैसे उसकी आस्था और शक्ति भी बढ़ती है और तभी राष्ट्र हर दृष्टि से सशक्त होता है। रामजन्मभूमि आंदोलन इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है, जिसने हिंदू समाज की शक्ति और उसके दृढ़ संकल्प को सिद्ध किया। संघ के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. हेडगेवार का मुख्य लक्ष्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना था। इसी उद्देश्य से उन्होंने शाखा प्रारंभ की, जहां व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया शुरू होती है। संघ का प्रयास है कि समाज में चरित्रवान, कर्तव्यनिष्ठ और संस्कारित व्यक्तियों का निर्माण हो, जो राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि संघ समाज के उपेक्षित वर्गों की स्थिति सुधारने का कार्य निरंतर कर रहा है। शरद ढोले ने बताया कि आज भी देश में 1.5 से 2 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनके पास आधारभूत सुविधाओं की कमी है, इनमें घुमंतू समाज भी शामिल है। स्वतंत्रता के 75 वर्षों के बाद भी वे बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। संघ ने इनके पुनर्वास के लिए कार्य आरंभ कर दिया है, ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

छठ घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त

नालंदा (हिंस)। नालंदा जिलांतर्गत औंकार धाम छठ घाट का रविवार को जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक नालंदा द्वारा विधी व्यवस्था संधारण के लिए फ्लैग मार्च किया गया एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किए गए है। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि हिलसा अनुमंडल अंतर्गत एकंगरसराय प्रखंड में औंगारीधाम छठ घाट स्थित है। विदित हो कि चार एवं 5 अप्रैल 2025 को चैती छठ पूजा के अवसर पर सूर्य मंदिर औंगारी धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इकट्ठी होती है । इस अवसर पर शांति व्यवस्था एवं विधि व्यवस्था संधारण हेतु जिला प्रशासन द्वारा पूर्णत: निगरानी की जा रही है। जिलाधिकारी ने निगरानी के क्रम में संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि छठ घाटों पर श्रद्धालुओं

की सुविधा के लिए लाइटिंग के साथ साथ साफ-सफाई, पेयजल, चेंजिंग रूम, अस्थाई शौचालय, नियंत्रण कक्ष, श्रद्धालुओं के लिए ठहरने की व्यवस्था एम्बुलेंस फायर ब्रिगेड की उपलब्धता, एनडीआरफ वोट, गोताखोर की व्यवस्था के अलावा सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है। उन्होंने कहा कि गहरे पानी से सुरक्षा हेतु वोट के साथ साथ एनडीआरएफ और गोताखोर की टीम भी लगायी गई है।

नव संवत्सर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 12 स्थानों पर निकाला पथ संचलन

मुरादाबाद (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुरादाबाद महानगर के तत्वावधान में रविवार को नव संवत्सर के अवसर पर 12 स्थान पर पथ संचलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि विश्व का अन्य कोई कैलेंडर नहीं बता सकता कि किस दिन चंद्र ग्रहण होगा किस दिन सूर्य ग्रहण होगा किस दिन ज्वार भाटा आएगा यह केवल भारतीय काल गणना द्वारा ही बताया जा सकता है। यह अवसर है कि हम अपनी भारतीय संस्कृति पर गर्व करें और इसको हर घर में पहुंचाएं आज का दिन सृष्टि की रचना का प्रथम दिन माना जाता है इसके अतिरिक्त आज के दिन से बहुत सारे अन्य प्रसंग भी जुड़े हैं। ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की रचना, चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ, संत झूलेलाल जयंती, धर्मराज युधिष्ठिर का राज्याभिषेक, विक्रम संवत का प्रारंभ, सिख समाज के द्वितीय गुरु अंगददेव का प्रकट उत्सव, आर्य समाज की स्थापना संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार का जन्मदिन भी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा है। विभाग प्रचार प्रमुख पवन कुमार जैन ने बताया कि आज हिंदी नववर्ष के पावन अवसर पर पीतल नगरी, गोविंद नगर, कटघर, कृष्ण नगर, हनुमान नगर, अर्जुन नगर, हिमगिरी नगर, काशीराम नगर, बुद्धि विहार नगर, प्रकाश नगर, केजीके नगर, नया मुरादाबाद में स्वयंसेवकों ने पथ संचलन किया और प्रणाम कर संघ संस्थापक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रांत व्यवस्था प्रमुख अजय गोयल सुगंध, विभाग प्रचारक बृजमोहन, विभाग संघचालक सुरेंद्र पाल सिंह, विभाग प्रचार

प्रमुख पवन कुमार जैन, महानगर संघचालक डॉ. विनीत गुप्ता, महानगर कार्यवाह विपिन चौधरी, महानगर प्रचारक रोहित कुमार, प्रान्त प्रौढ़ कार्य प्रमुख ओमप्रकाश शास्त्री, देवेश सिंह, अनिल कुमार, संदीप सिंघल, कमलकांत राय, सुभाष शर्मा, निर्मल मेहता, रवि पांडेय आशुतोष कुमार, नमन जैन, बाल स्वयंसेवक इवान जैन एवं दीप शर्मा की जोड़ी, वरद शर्मा, सानू कुमार, आशाराम, उम्मेदराज पुरोहित, विवेक गुप्ता, शलभ सक्सेना, हंसराज सैनी, संजय भटनागर, दिनेन्द्र कुमार, आशीष ध्यानी, श्याम कुमार, जितेन्द्र कुमार, संजय सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्थान के माउंट आबू के जंगलों में भीषण आग वन्यजीवों के अस्तित्व पर संकट

सिरोही (हिंस)। राजस्थान के माउंट आबू के जंगलों में लगी भीषण आग ने बहुत बड़े क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है। आग से वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को गंभीर क्षति पहुंची है। इससे वन्य जीवों के अस्तित्व पर संकट पैदा हो गया है। आग लगने के 20 घंटे बाद भी जंगल का बड़ा हिस्सा धुएं से घिरा हुआ है। कई स्थानों पर अभी भी आग की लपटें देखी जा रही हैं। इस पर काबू पाने की कोशिशें की जा रही हैं। माउंट आबू का जंगल 300 से अधिक भालुओं का प्राकृतिक आवास है। इसके अलावा इस जंगल में अन्य कई तरह के वन्यजीव हैं, जिनको क्षति पहुंची होगी। इस आग की तीव्रता से अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितने ही वन्यजीव प्रभावित हुए होंगे। इसको लेकर वन विभाग ने अब तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। हालांकि स्थानीय लोगों का मानना है कि आग इतनी भयानक है कि कई जानवर इसकी चपेट में आ गए होंगे।

मोदी व योगी के नेतृत्व में लहरा रहा है देश की सनातन संस्कृति का परचम : अनामिका चौधरी

प्रयागराज (हिंस)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश व प्रदेश अपने चरमोत्कर्ष पर पहुंचने के साथ ही सनतान धर्म, संस्कृति का परचम भी लहराने लगा है। महाकुम्भ संपन्न होने के बाद से चहुंओर जय जयकार हो रही है। यह बात रविवार को नव संवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि के मौके पर भाजपा की प्रदेश मंत्री अनामिका चौधरी निषाद ने कहा। उन्होंने कहा कि आज से हमारे नववर्ष का शुभारंभ हो रहा है। इस लिए मां गंगा की प्रात:काल पूजा-अर्चना एवं आरती कर लोगों की सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई। मां गंगा से मोदी एवं योगी के लिए लंबी-लंबी आयु प्रदान करने एवं इसी तरह निष्कंटक देश -प्रदेश का नेतृत्व करने के लिए आशीर्वाद मांगा। इससे पूर्व नवसंवत्सर एवं चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ त्रिवेणी शाखा, गंगा विचार मंच प्रयागराज, भारतीय जनता पार्टी महानगर के संयुक्त तत्वावधान में प्रयागराज संगम दशाश्वमेध घाट पर वृहद गंगा आरती व ध्वज वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि उप्र भारतीय जनता पार्टी की मंत्री व चंदौली प्रभारी श्रीमती अनामिका चौधरी निषाद प्रदेश मंत्री, काशी प्रांत के संघचालक डॉ. विश्वनाथ लाल निगम ने गंगा पूजन व आरती

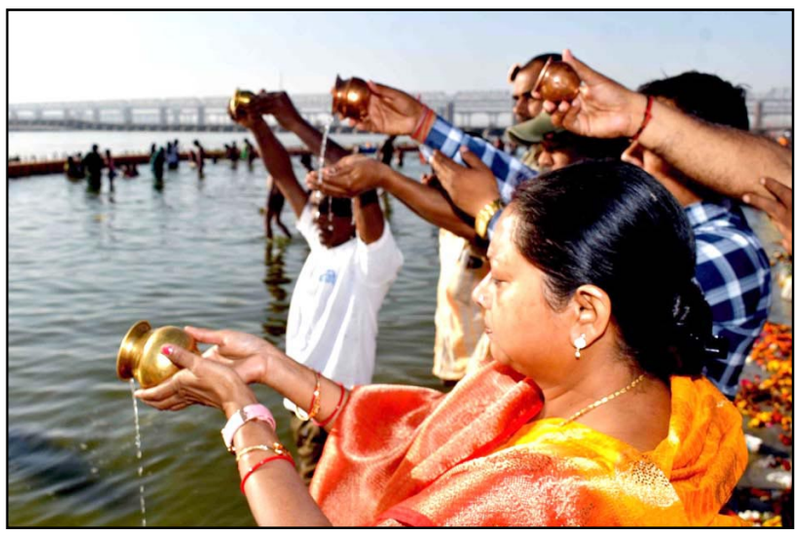

कर लोगों को नवसंवत्सर की शुभकामनाएं दीं। आरती के पश्चात लोगों को सनातनी केसरिया ध्वज का वितरण कर उसे अपने-अपने घरों पर लगाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में आचार्य प्रमोद कुमार दुबे, शिवा त्रिपाठी पूर्व पार्षद, चंद्रभान दुबे शाखा कार्यवाह, निखिल श्रीवास्तव मुख्य शिक्षक, अभिषेक दुबे गटनायक, नेहा केशरी, जान्हवी निषाद, प्रिया चौधरी, विजय केशरी, अरूण निषाद, आचार्य कौशल किशोर मिश्र, आर पी दुबे पत्रकार, अजय द्विवेदी अधिवक्ता, राजेश मौर्या, अन्नू निषाद, सोनू अरोरा, पंकज राय, मेजर सुनील निषाद आदि उपस्थित रहे।

संपादकीय

फिर कांपी धरती

म्यांमार केंद्रित 7.7 तीव्रता वाले भूकंप ने यहां और थाईलैंड में भारी तबाही मचाई। भूकंप का असर करीब चार मिनट तक रहा। अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार बारह मिनट के अंतराल के बाद भूकंप का दूसरा झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 6.4 थी। भूकंप का केंद्र म्यांमार के सागाइंग से 18 किमी दक्षिण में था। भूकंप से म्यांमार में भारी तबाही दिखी और पुल व बिल्डिंगें ताश के पत्तों की तरह बिखरती दिखी। म्यांमार में तबाही इतनी ज्यादा बतायी जा रही है कि सैन्य प्रशासन ने अंतर्राष्ट्रीय मदद की गुहार लगायी है। इतना ही नहीं भूकंप के झटकों से म्यांमार से करीब एक हजार किमी दूर स्थित थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में कई भवनों के ध्वस्त होने व सड़कें फटने की खबरें हैं। बैंकॉक में एक तीस मंजिला बिल्डिंग धराशायी हो गई। आशंका है कि इसमें अभी 43 मजदूर फंसे हुए हैं। भूकंप के झटकों से सहमे लोग मदद की गुहार लगाते रहे। घायल लोगों से अस्पताल भरे नजर आए। दीवारें फटने, इमारतों के गिरने से लोग दहशत में दिखे। शुरुआत आंकड़ों के अनुसार म्यांमार में 144 लोगों के मरने व सैकड़ों लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। लेकिन अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार मरने वालों का आंकड़ा हजारों तक पहुंच सकता है। भूकंप के केंद्र के निकट स्थित यंगून ही नहीं म्यांमार के अनेक शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां छह प्रांतों में आपात स्थिति घोषित हुई है। इसके अलावा चीन के कुछ हिस्सों व थाइलैंड में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक तीस मंजिला इमारत के धराशायी होने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कई जगहों में इमारतों के रूफटॉप पर बने स्वीमिंग पूल का पानी सड़कों पर बहता नजर आया। भयभीत लोगों के चीखने से मंजर भयावह नजर आ रहा था। लोग मदद की गुहार लगा रहे थे। दरअसल, थाईलैंड भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील नहीं है, लेकिन म्यांमार में आने वाले भूकंप के झटकों का असर यहां दिखता है। भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील न होने के कारण थाईलैंड में भवन निर्माण में भूकंपरोधी तकनीक का उपयोग नहीं होता।जिसकी वजह से ज्यादा नुकसान की आशंका जतायी जा रही है। अस्पतालों में उपचार कराने वालों की लंबी कतारें देखी गई हैं। वहीं 2021 से सैन्य शासन के अधीन और गृहयुद्ध से जूझता म्यांमार इस प्राकृतिक आपदा के बाद हताश नजर आया। इंटरनेट का प्रयोग सीमित होने से वहां की स्थिति जानने में दिक्कत आ रही है। पहली बार सैन्य शासन ने अंतर्राष्ट्रीय मदद की अपील की है। प्रधानमंत्री ने भूकंप पीड़ितों की मदद के लिये अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई को कहा है। म्यांमार के दूसरे बड़े शहर मांडले से भी ऐतिहासिक रॉयल पैलेस व अन्य बिल्डिंगें गिरती नजर आई हैं। मांडले को राजधानी से जोड़ने वाली सड़कों में चौड़ी दरारें देखी गई हैं। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे समेत जर्मनी व चीन की भूकंप पर नजर रखने वाली संस्थाएं भारी जन-धन के नुकसान की आशंका जता रही हैं। अमेरिकी वैज्ञानिक भूकंप का केंद्र धरती से दस किलोमीटर नीचे होना बता रहे हैं। खबरें हैं कि म्यांमार की राजधानी नेपिडो में भी काफी क्षति हुई है। लोग भूकंप के ऑफ्टर शॉक के भय से खुले में रात बिताने को मजबूर हैं। वहीं म्यांमार व थाईलैंड के अलावा इस भूकंप के झटके दक्षिण पश्चिम चीन के यून्नान प्रांत में महसूस किए गए।

भूकंप का असर करीब चार मिनट तक रहा। अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार बारह मिनट के अंतराल के बाद भूकंप का दूसरा झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 6.4 थी। भूकंप का केंद्र म्यांमार के सागाइंग से 18 किमी दक्षिण में था। भूकंप से म्यांमार में भारी तबाही दिखी और पुल व बिल्डिंगें ताश के पत्तों की तरह बिखरती दिखी। म्यांमार में तबाही इतनी ज्यादा बतायी जा रही है कि सैन्य प्रशासन ने अंतर्राष्ट्रीय मदद की गुहार लगायी है। इतना ही नहीं भूकंप के झटकों से म्यांमार से करीब एक हजार किमी दूर स्थित थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में कई भवनों के ध्वस्त होने व सड़कें फटने की खबरें हैं। बैंकॉक में एक तीस मंजिला बिल्डिंग धराशायी हो गई। आशंका है कि इसमें अभी 43 मजदूर फंसे हुए हैं। भूकंप के झटकों से सहमे लोग मदद की गुहार लगाते रहे। घायल लोगों से अस्पताल भरे नजर आए। दीवारें फटने, इमारतों के गिरने से लोग दहशत में दिखे। शुरुआत आंकड़ों के अनुसार म्यांमार में 144 लोगों के मरने व सैकड़ों लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। लेकिन अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार मरने वालों का आंकड़ा हजारों तक पहुंच सकता है। भूकंप के केंद्र के निकट स्थित यंगून ही नहीं म्यांमार के अनेक शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां छह प्रांतों में आपात स्थिति घोषित हुई है। इसके अलावा चीन के कुछ हिस्सों व थाइलैंड में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए।

सुविधाओं के समाधान के बजाए देश के नेता इतिहास के गढ़े मुर्दे उखाड़ कर वोट पाने का आसान रास्ता चुन रहे हैं

विकास के बजाए विवादित मुद्दे बन गए हैं सत्ता का आसान रास्ता

योगेंद्र योगी

समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में कहा कि बीजेपी के लोगों का ये तकियाकलाम बन गया है कि इनमें बाबर का डीएनए है। सपा सांसद रामजी लाल ने कहा कि मैं जानना चाहूंगा कि बाबर को आखिर लाया कौन? इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को राणा सांगा लाया था। उन्होंने कहा कि मुसलमान अगर बाबर की औलाद हैं तो तुम लोग उस गद्दार राणा सांगा की औलाद हो, ये हिन्दुस्तान में तय हो जाना चाहिए कि बाबर की आलोचना करते हो, लेकिन राणा सांगा की आलोचना नहीं करते? सांसद सुमन की राज्यसभा में की गई टिप्पणी पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो लोग आज नहीं बल्कि 1000 वर्षों के भारत के इतिहास की समीक्षा करते हैं

बेरोजगारी गरीबी, अपराध, लिंगभेद, चिकित्सा और आधारभूत जैसी सुविधाओं के समाधान के बजाए देश के नेता इतिहास के गढ़े मुर्दे उखाड़ कर वोट पाने का आसान रास्ता चुन रहे हैं। इसी क्रम में नया विवाद महाराणा सांगा पर दिए गए बयान पर पैदा हुआ है। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में कहा कि बीजेपी के लोगों का ये तकियाकलाम बन गया है कि इनमें बाबर का डीएनए है। सपा सांसद रामजी लाल ने कहा कि मैं जानना चाहूंगा कि बाबर को आखिर लाया कौन? इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को राणा सांगा लाया था। उन्होंने कहा कि मुसलमान अगर बाबर की औलाद हैं तो तुम लोग उस गद्दार राणा सांगा की औलाद हो, ये हिन्दुस्तान में तय हो जाना चाहिए कि बाबर की आलोचना करते हो, लेकिन राणा सांगा की आलोचना नहीं करते? सांसद सुमन की राज्यसभा में की गई टिप्पणी पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो लोग आज नहीं बल्कि 1000 वर्षों के भारत के इतिहास की समीक्षा करते हैं, वे बाबर और राणा सांगा की तुलना कभी नहीं कर सकते और उन्हें एक ही तराजू पर नहीं रख सकते। महाराणा सांगा ने आजादी की अलख जगाई थी। उन्होंने भारत को गुलामी से बचाया और साथ ही भारत की संस्कृति को सनातनी बनाए रखने में भी अहम योगदान दिया। कुछ क्षुद्र और छोटे दिल वाले लोग ऐसी बातें करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी चर्चाओं की कोई गुंजाइश नहीं है। यह पहला मौका नहीं है जब नेताओं ने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए इस तरह के विवादों को हवा दी है। इससे पहले भी ऐतिहासिक मुद्दों पर देश में दरार डालने के प्रयास होते रहे हैं। बॉलीवुड के निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, जिसमें राजपूत समुदाय ने फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया था। इस विवाद का परिणाम यह निकला कि चित्तौडग़ढ़ के किले में स्थित 'पद्मावती' महल में अराजक तत्वों ने उन शीशों को तोड़ दिया, जिनके बारे में कहा जाता है कि दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने इन्हीं आईनों के जरिए राजपूत रानी पद्मावती को देखा था। इसी तरह तीन साल पहले बॉलीवुड फिल्म पानीपत से शुरू हुआ विवाद एक टीवी धारावाहिक तक आ पहुंचा। धारावाहिक में खांडेराव होल्कर

से पूर्व महाराजा सूरजमल को युद्ध में हारना दिखाया गया। वहीं, इतिहासकारों का दावा है कि पूर्व महाराजा सूरजमल कभी युद्ध नहीं हारे। बल्कि खांडेराव होल्कर की मौत उनके साथ युद्ध में हुई थी। इसको लेकर रूपवास व कुम्हेर थाने में दो अलग-अलग एफआइआर दर्ज कराई गई। मैसूर के राजा रहे टीपू सुल्तान की 10 नवंबर को मनाई जाने वाली जयंती को लेकर भी खूब कलह हुआ है। मैसूर का शेर कहलाने वाले टीपू की जयंती की शुरुआत कांग्रेस के शासन में हुई लेकिन बीजेपी इसका विरोध करती रही। कर्नाटक में टीपू सुल्तान की जयंती मनाने को लेकर नौबत यहां तक आ गई कि कई शहरों में सुरक्षा को देखते हुए धारा 144 लगाई गई और विरोध प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया। भारतीय जनता पार्टी और कुछ हिन्दू संगठनों ने सरकार से मांग की थी कि वह टीपू सुल्तान की जयंती मनाने का कार्यक्रम और उन्हें महिमामंडित करने की योजना रोक दें। बीजेपी की निगाह में टीपू सुल्तान धार्मिक रूप से कट्टर और हिन्दू विरोधी शासक था। भाजपा नेता मीनाक्षी लेखी ने उत्तर भारत के 9वीं सदी के राजपूत शासक सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा का अनावरण किया और उन्हें एक गुज्जर बताया। दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) ने जौनपुर गांव में सम्राट मिहिर भोज की एक प्रतिमा भी समर्पित की, जिसमें उन्हें गुज्जर बताया गया। इसका राजपूत समुदाय ने कड़ा विरोध किया। बिहार में गठबंधन से पहले भाजपा ने नीतीश सरकार पर इतिहास के छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। भाजपा ने यहां तक कहा था कि सरकार ने प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह का अपमान किया है। बिहार के पूर्व मंत्री भीम सिंह ने बिहार सरकार खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मोहम्मद युनूस को बिहार के प्रथम प्रधानमंत्री बताते हुए उनके जन्म दिवस पर राजकीय जयंती समरोह मनाए जाने को बिहार केसरी श्रीकृष्ण सिंह का अपमान बताया था। उन्होंने कहा था कि मुस्लिम तुष्टिकरण के तहत इतिहास के साथ छेडछाड की जा रही है। गौरतलब है कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मंदिर-मस्जिद विवाद पर नेताओं ने जम कर रोटियां सेकी। इस संवेदनशील मुद्दे को लेकर हिंसा में पांच लोग मारे गए। इसके बाद देश के दूसरे हिस्सों में इसी तरह के विवाद पैदा हो गए। अजमेर में दरगाह में हिंदू मंदिर का दावा करते स्थानीय अदालत में मामला दायर किया गया। इसी तरह देश के दूसरे हिस्सों में भी मस्जिदों में मंदिर होने को लेकर अदालतों में मामले दायर किए गए। नेताओं ने तभी पैर पीछे खींचे जब सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे विवादों पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जब तक पूजा स्थल अधिनियम की वैधता पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक देश में मंदिर-मस्जिद विवादों से जुड़े नए मुकदमे दर्ज नहीं किए जा सकते, और न ही कोई चल रहा मामला सर्वेक्षण या अंतिम आदेश के साथ आगे बढ़ सकता है। यह विवाद पूरी तरह थमा भी नहीं कि महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र को लेकर विवाद पैदा हो गया। इस पर भाजपा और विपक्षी दलों ने आरोप-प्रत्यारोप लगा कर देश का माहौल गर्माने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ी। इसका परिणाम यह हुआ कि नागपुर में हिंसा भड़क उठी। इसमें कई लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा। आम लोगों को कर्फ्यू के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ऐसे विवादों की चपेट में अक्सर देश का मजदूर, गरीब और कामकाजी वर्ग आता है। इन विवादों की जड़ में आसान सत्ता की राजनीति की चाहत है। दरअसल नेताओं को पता है कि देश की बुनियादी समस्याओं का समाधान आसान नहीं है, जबकि ऐसे विवादों के जरिए लोगों को बरगला लाकर सत्ता आसानी से प्राप्त की जा सकती है।

दृष्टि कोण

"कुआँ सूखने पर ही पता चलता है पानी की कीमत"

एक सुदूर घाटी में बसे गांव में एक झरना था जिसे जीवन धारा कहा जाता था। पीढ़ियों तक ग्रामीणों ने इसका उपयोग किया, लेकिन जब आधुनिक सुविधाएं आईं, तो यह उपेक्षित हो गया। एक साल, भीषण सूखे ने झरने को सुखा दिया, और तभी ग्रामीणों को इसकी कीमत का एहसास हुआ। यह कहानी दर्शाती है कि हम अक्सर किसी चीज़ के महत्व को तब तक नहीं समझते जब तक वह खत्म नहीं हो जाती। पानी जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं जैसे स्वास्थ्य, संबंध और स्वतंत्रता का प्रतीक है। हम अक्सर मान लेते हैं कि ये हमेशा बने रहेंगे, परंतु जब यह संकट में होते हैं, तभी हम उनकी कीमत समझते हैं। जीवन की क्षणभंगुरता हमें वर्तमान का आदर करने के लिए प्रेरित करती है। जैसे नल से पानी की सतत आपूर्ति को हम सामान्य मानते हैं, वैसे ही हम अपनों, स्वास्थ्य और स्वतंत्रता को भी हल्के में लेते हैं। जब संसाधन प्रचुर मात्रा में होते हैं, तो हम उनकी कद्र करना छोड़ देते हैं। अरस्तू के नैतिक दर्शन के अनुसार, जागरूकता और संतुलन ही सच्चे गुणों को जन्म देते हैं। भरे कुएं का पानी हमें कृतज्ञ नहीं बनाता, परंतु पानी की कमी हमें उसकी महत्ता सिखाती है। 1930 के दशक की महामंदी ने लोगों को यह समझाया कि संसाधनों की उपलब्धता और कमी का चक्र कैसा होता है। ग्रीक त्रासदियों में अक्सर चरित्रों को जीवन का सच्चा अर्थ तब पता चलता है जब वे सब कुछ खो चुके होते हैं। शेक्सपियर के किंग लियर को प्यार की वास्तविकता तब समझ आई जब वह धोखा खा चुका था। महामारी ने भी हमें सामाजिक मेलजोल की अहमियत सिखाई। मानवता बार-बार संसाधनों का दुरुपयोग करती है और फिर संकट के समय उन्हें बचाने का प्रयास करती है। नीत्शे की शाश्वत पुनरावृत्ति की अवधारणा बताती है कि जब तक हम सच में नहीं सीखते, हम वही गलतियाँ दोहराते हैं। 1930 के डस्ट बाउल संकट ने कृषि को नुकसान पहुँचाया, जिससे सबक लेकर सुधार हुए, लेकिन समय के साथ लोग फिर लापरवाह हो गए। उपयोगितावादी दर्शन कहता है कि किसी चीज़ का मूल्य उसकी उपयोगिता से निर्धारित होता है। जल की वास्तविक कीमत उसकी उपलब्धता के अनुसार बदलती है। उप-सहारा अफ्रीका में पानी की कमी ने जल संरक्षण के नए समाधान उत्पन्न किए। इसी तरह, जब कोई संसाधन दुर्लभ हो जाता है, तब उसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। जल संकट सिर्फ मानव जीवन ही नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करता है। पारिस्थितिक दर्शन बताता है कि हमें प्रकृति के प्रति जागरूक होना चाहिए। अरल सागर का सूखना इसका उदाहरण है, जिससे सामाजिक और आर्थिक संकट पैदा हुए। यदि हम संसाधनों को संरक्षित नहीं करते, तो हमारा अस्तित्व भी खतरे में पड़ सकता है। धार्मिक और दार्शनिक परंपराएँ बताती हैं कि वंचना मूल्य की गहरी समझ देती है। रमज़ान के उपवास लोगों को भोजन की कीमत और जरूरतमंदों की स्थिति का एहसास कराते हैं। इसी तरह, कठिनाइयाँ हमें जीवन की असली जरूरतों का महत्व सिखाती हैं। मानव अस्तित्व प्रकृति पर निर्भर है, और जल संकट इस निर्भरता को दर्शाता है। फुकुशिमा परमाणु आपदा ने भी दिखाया कि तकनीकी विकास के बावजूद हम प्राकृतिक शक्तियों के आगे असहाय हैं। यह हमें हमारे संसाधनों की सीमाओं का सम्मान करना सिखाता है। पानी जीवन देता है, परंतु बाढ़ और सुनामी जैसी आपदाओं से विनाश भी ला सकता है। ताओवाद के अनुसार, जीवन विरोधाभासों से भरा है, और हमें संतुलन बनाए रखना सीखना चाहिए। विभिन्न संस्कृतियों में जल को शुद्धिकरण का प्रतीक माना जाता है। ईसाई धर्म में बपतिस्मा का जल आत्मा की पुनर्जन्म का संकेत देता है। कुँए का सूखना हमें चेतावनी देता है कि हमें अपने संसाधनों की रक्षा करनी चाहिए।

कुछ अलग

डिजिटल भारत में विचारों की बेड़ियां

धारा 79 डिजिटल मंचों को मध्यस्थ सुरक्षा प्रदान करती है, लेकिन हालिया सरकारी हस्तक्षेप ने इस सुरक्षा को चुनौती दी है। सरकार द्वारा ओटीटी प्लेटफार्मों पर निगरानी, सोशल मीडिया पर टेकडाउन आदेश, और आईटी नियम 2021 का कड़ा अनुपालन डिजिटल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित कर रहा है। सेंसरशिप और आत्म-नियमन के भय से प्लेटफार्म अधिक सामग्री हटाने लगे हैं, जिससे विचारों की विविधता प्रभावित होती है। हालांकि, झूठी सूचनाओं और साइबर अपराधों को रोकने के लिए कुछ हद तक नियमन आवश्यक है। इसीलिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्लेटफार्म जवाबदेही के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। भारत को यूरोप के डिजिटल सर्विसेज एक्ट और अमेरिका के सेक्शन 230 जैसे संतुलित मॉडल से सीख लेकर, एक पारदर्शी और न्यायसंगत डिजिटल नीति अपनानी होगी। सूचना की इस नित परिवर्तनशील धारा में, जहाँ डिजिटल प्लेटफॉर्म विचारों के विस्तृत वितान की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं उन पर लगने वाली बंदिशें एक नवीन प्रश्नचिह्न उत्पन्न करती हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नियमन की कठोरता के मध्य झूलते इस युग में, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (IT Act) की धारा 79 एक महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि निर्मित करती है। आईटी अधिनियम की धारा 79 डिजिटल मंचों को एक ऐसा आश्रय प्रदान करती है, जो उन्हें उपयोगकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत सामग्री की जवाबदेही से मुक्त रखता है, बशर्ते किः वे मात्र संदेश वाहक की भूमिका निभाएं, न कि नियंत्रक की। किसी अवैध सामग्री की सूचना मिलने पर, नियमानुसार उसे हटाने का यत्न करें। नवीनतम आईटी नियम, 2021 के प्रावधानों का अनुपालन करें। किन्तु, सरकार के हालिया कदमों ने इस कवच को किसी हद तक छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है, जहाँ अभिव्यक्ति की आज़ादी और नियमन की शक्ति के मध्य एक सतत संघर्ष दृष्टिगोचर होता है। सूचना और संप्रेषण के इस युग में सरकार द्वारा लागू किए गए कुछ प्रमुख हस्तक्षेपों पर यदि दृष्टिपात करें, तो पाते हैं कि ओटीटी प्लेटफार्मों पर बढ़ती निगरानी ने रचनात्मकता को एक कठोर परिधि में बाँधने का प्रयास किया है। सोशल मीडिया पर टेकडाउन आदेश विचारों के मुक्त प्रवाह में एक बाधा के समान प्रतीत होते हैं। आईटी नियम, 2021 का क्रियान्वयन डिजिटल संवाद के सहज प्रवाह को नियंत्रित करने की मंशा रखता है। कई डिजिटल प्लेटफार्मों पर सामग्री प्रबंधन को लेकर पारदर्शिता की कमी उपयोगकर्ताओं के अधिकारों पर प्रभाव डालती है। स्वतंत्र पत्रकारिता एवं वैकल्पिक दृष्टिकोणों को प्रतिबंधित करने की प्रवृत्ति लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर सकती है। इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि सरकार द्वारा प्लेटफार्मों की स्वतंत्रता को सीमित करने और दायित्व को बढ़ाने की दिशा में एक अनवरत प्रयास किया जा रहा है। सेंसरशिप और कंटेंट टेकडाउन जैसे कदम कलात्मक स्वतंत्रता, पत्रकारिता और राजनीतिक आलोचना पर गहरी छाया डालते हैं। आत्म-नियमन (self-regulation) के भय से कई प्लेटफार्म स्वयं ही अधिक सामग्री हटाने लगते हैं, जिससे संवाद की विविधता प्रभावित होती है। सूचना तक पहुँच की स्वतंत्रता सीमित होने से नवाचार और बौद्धिक विमर्श बाधित होता है। डिजिटल मंचों पर झूठी सूचनाओं, घृणा व द्वेष फैलाने वाली सामग्री का उन्मूलन आवश्यक है। उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु कुछ हद तक नियमन अपरिहार्य है। साइबर अपराध, ऑनलाइन उत्पीड़न और फेक न्यूज़ को रोकने के लिए प्लेटफार्मों को अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

देश दुनीया से

पारंपरिक स्रोतों का संरक्षण और प्रबंधन जरूरी

यह हाल केवल दिल्ली का नहीं, बल्कि देश के अधिकांश बड़े शहरों का है। बेंगलुरु, जो कभी तालाबों और जलस्रोतों से संपन्न था, आज 'केपटाउन' जैसी जल संकट की चेतावनी से जूझ रहा है। मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति बन जाती है। मुंबई की पांच नदियां अब नाले में बदल चुकी हैं, और बरसात का पानी अब समुद्र में मिल जाता है। जरूरत के समय लोग भूजल और टैंकर के जरिए जैसे-तैसे जिंदगी काटते हैं। हैदराबाद, चेन्नई, इंदौर, पटना और श्रीनगर जैसे शहरों में भी जल संकट गहरा रहा है, हालांकि नक्शे पर ये शहर नदी, तालाब और नहरों से जुड़े हुए हैं। राजधानी दिल्ली की 31 प्रतिशत आबादी को स्वच्छ पेयजल उनके घर के नल से नहीं मिल पाता। हजारों टैंकर हर दिन कालोनियों में जाते हैं, और लोगों के लिए पानी जुटाने के लिए भूमिगत जलस्तर को इतनी गहराई तक खोदा गया है कि सरकारी भाषा में कई इलाके अब 'डार्क जोन' के रूप में पहचाने गए हैं। दिल्ली के नजदीक गाजियाबाद, जो यमुना-हिंडन के त्रिभुज पर स्थित है, की अधिकांश कालोनियां पानी की भारी किल्लत से जूझ रही हैं। दोनों नदियां अब कूड़ा ढोने का रास्ता बनकर रह गई हैं। गुरुग्राम में जरूरत की तुलना में 105 एमएलडी कम पानी की आपूर्ति हो रही है। दिल्ली में केवल यमुना ही नहीं, बल्कि 983 तालाब, झील और जोहड़ भी हैं। जल संसाधन मंत्रालय की गणना के अनुसार, इनमें से किसी को भी प्यास बुझाने के लायक नहीं माना जाता। दिल्ली, जो गंगा और भाखड़ा से सैकड़ों किलोमीटर दूर है, पानी मंगवाती है, लेकिन अपने ही तालाबों को इस तरह से संरक्षित नहीं करती कि वे बरसात का पानी जमा कर सकें। जिन तालाबों में पानी जमा हो सकता है और जो जीवन की उम्मीद बन सकते हैं, उनमें से तीन-चौथाई जल निकायों का इस्तेमाल सिर्फ सीवर की गंदगी बहाने के लिए होता है। तालाबों को नष्ट करने का खमियाजा समाज ने किस तरह भुगता, इसकी सबसे बड़ी मिसाल बेंगलुरु है। यहां समाज, अदालत और सरकार सभी जमीन माफिया के सामने असहाय नजर आते हैं। यदि हम शहर की जल स्थिति पर नजर डालें तो यह

अस्वाभाविक-सा लगता है कि वहां जरूरत का महज 80 प्रतिशत जल ही आपूर्ति हो पा रहा है। एक करोड़ 40 लाख की आबादी वाले महानगर में हर कदम पर जल स्रोत हैं। लेकिन अंधाधुंध शहरीकरण और उसके लालच में पारंपरिक जलस्रोतों और हरियाली का अगर यही हाल रहा, तो बेंगलुरु को केपटाउन बनने से कोई नहीं रोक सकता। सरकारी रिकार्ड के मुताबिक नब्बे साल पहले बेंगलुरु शहर में 2789 केरे यानी झील हुआ करती थीं। सन् साठ आते-आते इनकी संख्या घटकर 230 रह गई। वर्ष 1985 में शहर में केवल 34 तालाब बचे और अब इनकी संख्या तीस तक सिमट गई है। जल निधियों की उपेक्षा का ही परिणाम है कि न केवल शहर का मौसम बदल गया है, बल्कि लोग बूंद-बूंद पानी को भी तरस रहे हैं। हैदराबाद और चेन्नई में भी जैसे ही विदेशी कंपनियां आना शुरू हुईं और आबादी बढ़ने के साथ मकान की जरूरत बढ़ी, तालाब-नदियों को ही समेटा गया और जल संकट को स्वयं आमंत्रित कर लिया। देश के 10 में से सात महानगरों में भूजल स्तर अब खतरनाक स्तर पर है और अब उसे और उलीचा नहीं जा सकता। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की एक रिपोर्ट चेता चुकी है कि जब भारत आजादी के सौ साल मनाएगा तब 30 शहर जलहीन की सीमा तक सूख जाएंगे। इनमें महानगर और राजधानियां तो हैं ही, इंदौर, बठिंडा और कोयंबटूर जैसे शहर भी हैं। यह कड़वा सच है कि जलवायु परिवर्तन के चलते चरम मौसम ने जल-चक्र को गड़बड़ाया है, लेकिन इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की तरफ तेज पलायन, अनियोजित शहरीकरण, कम बरसात, अधिक गर्मी, उथले जलस्रोतों में अधिक वाष्पीकरण और जल का खराब प्रबंधन– ये सभी ऐसे कारण हैं जो जल संकट के लिए प्रकृति से अधिक इंसान को जिम्मेदार ठहराते हैं। हमारी परंपरा पानी की हर बूंद को सहेजने की रही है, जिसमें पारंपरिक जलस्रोतों जैसे तालाब, कुएं और बावड़ियों का संरक्षण शामिल है। आज, अनियोजित शहरीकरण और जल प्रबंधन की कमी के कारण जल संकट गहरा गया है। भारत में औसतन 110 सेंटीमीटर बारिश होती है, लेकिन हम उसका केवल 15 प्रतिशत ही संचित कर पाते हैं, जबकि शेष पानी नालियों और नदियों के माध्यम से समुद्र में बहकर व्यर्थ चला जाता है। प्रकृति ने पानी को एक चक्र के रूप में दिया है, और इस चक्र को बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। यदि हम पुराने जलस्रोतों की स्थिति सुधारें और जल का सही प्रबंधन करें, तो पानी की कमी का समाधान किया जा सकता है। भूजल पर निर्भरता लंबे समय तक नहीं हो सकती, इसलिए नदी-तालाबों को उनकी प्राकृतिक स्थिति में लौटाना और उनका संरक्षण करना आवश्यक है, ताकि पानी की कमी से समाज का कोई वर्ग प्रभावित न हो।

आप का नजरीया

मानव तस्करी पर अंकुश

हरियाणा विधानसभा के मौजूदा सत्र में कई महत्वपूर्ण विधायी पहल हुई हैं, जो एक लोककल्याणकारी सरकार की प्राथमिकताएं सुनिश्चित करती हैं। इसमें किसानों को नकली इनपुट से सुरक्षा कवच देना भी सराहनीय कदम रहा है। वहीं हाल ही में सुनहरे भविष्य की आकांक्षा लेकर विदेश जाने वाले युवाओं की हितरक्षा में उठाये गए कदम निश्चय ही सराहनीय हैं। हरियाणा के मौजूदा विधानसभा सत्र में हरियाणा ट्रैवल एजेंट पंजीकरण और विनियमन विधेयक, 2025 पारित किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो वक्त की सख्त जरूरत भी थी। ट्रैवल एजेंसियों के पंजीकरण को अनिवार्य करना और उल्लंघन पर सख्त दंड का प्रावधान उम्मीद जगाता है कि अब विदेश जाने वाले लोगों के साथ होने वाली धोखाधड़ी पर अंकुश लग सकेगा। इस कानून का उल्लंघन करने पर सात साल की कैद और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। निश्चित रूप से सरकार ने अपने नागरिकों को धोखे और मानव तस्करी से बचाने के लिये एक आवश्यक कदम उठाया है। लगातार होने वाले आव्रजन घोटालों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के मद्देनजर, इस कानून की लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। लेकिन जहां सख्त कानून का सही ढंग से क्रियान्वयन इस दिशा में सफलता सुनिश्चित करेगा, वहीं इसके लिये जन जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है। साथ ही प्रभावी प्रवर्तन के साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि लोग अनधिकृत एजेंटों के चक्रव्यूह में न फंसें। वास्तव में यह विधेयक एक महत्वपूर्ण कदम तो है, लेकिन इसे बेरोजगारी को दूर करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा भी होना चाहिए। यदि हम राज्य के युवाओं के लिये अपने देश में बेहतर रोजगार के अवसर पैदा कर सकें तो युवाओं को फिर अपने सपने पूरे करने के लिये विदेश जाने की जरूरत ही नहीं होगी। निस्संदेह, कोई भी व्यक्ति अपना घर-परिवार, अपना धार्मिक-सांस्कृतिक परिवेश छोड़कर परदेश नहीं जाना चाहता। लेकिन जब आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार के अवसर नहीं मिलते तो ही वह मजबूरी में विदेश जाने की लालसा रखता है। यह एक निर्विवाद सत्य है कि बेहतर रोजगार की स्थितियां हमारे शैक्षिक वातावरण पर भी निर्भर करती हैं। यदि हम परंपरागत शिक्षा से इतर रोजगार व कौशल विकास की शिक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाएं तो स्थिति बदल सकती है। इसके लिये जरूरी है कि राज्य में रोजगारपरक शिक्षा के अनुकूल वातावरण बनाया जाए। इस दिशा में गंभीर प्रयासों की सख्त जरूरत है। उम्मीद की जा रही थी कि विधानसभा सत्र में राज्य में सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिये उत्साहजनक पहल की जाएगी। इस मुद्दे को प्राथमिकताओं में शामिल करके इस बार गंभीर बहस होगी। दरअसल, हाल के दिनों में कई स्कूलों के भवनों की स्थिति व सुरक्षा आदि को लेकर अभिभावक चिंता जताते रहे हैं। हर अभिभावक चाहता है कि सरकारी स्कूलों में बेहतर साफ-सफाई, शौचालयों और पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहें।

बवाल के पीछे उजागर हुई नेपाल के पूर्व राजा की साजिश, अब भरना पड़ेगा जुर्माना

काठमांडु

बीते कई दिनों से नेपाल में लगातार हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ के साथ विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। इसके पीछे दावा किया जा रहा है कि पूर्व राजा ने साजिश के तहत यह उपद्रव करवाया है।

नेपाल सरकार ने प्रदर्शन को भड़काने के शक में पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह का पासपोर्ट रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नेपाल के एक समाचार पत्र के मुताबिक अधिकारियों का दावा है कि इन प्रदर्शनों के पीछे ज्ञानेंद्र का ही हाथ है। उन पर जुर्माना भी लगाया गया है। काठमांडू के नागरिक निकाय ने शनिवार को ज्ञानेंद्र शाह पर जुर्माना लगाने की मांग करते हुए एक पत्र जारी किया। इस चिट्ठी में उन्हें नुकसान के लिए मुआवजे के रूप में 7,93,000 नेपाली रुपये का भुगतान करने के लिए कहा गया है।

बता दें कि नेपाल में फरवरी में लोकतंत्र दिवस के बाद से राजशाही समर्थक सक्रिय हो गए हैं। उससे पहले ज्ञानेंद्र शाह ने एक बयान जारी कर कहा था कि अब देश की रक्षा करने का समय आ गया है और अब देश के एकता लाने की जिम्मेदारी हमें लेनी चाहिए। राजशाही समर्थक काठमांडू और देश के अन्य हिस्सों में रैलियां आयोजित कर रहे हैं जिसमें 2008 में खत्म किए गए 240 साल पुराने राजतंत्र को बहाल करने की मांग की गई है।

शनिवार को राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों ने देश की राजनीतिक पार्टियों के दफ्तरों को निशाना बनाते हुए हमले किए जिसमें कम से कम 2 लोगों के मारे जाने की खबर है। वहीं राजधानी काठमांडू में कर्फ्यू लगा दिया गया है। सरकार ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए सेना को भी उतार दिया है। हालांकि यह आंदोलन उग्र होता जा रहा है और राजशाही का समर्थन करने वाले संगठनों ने सरकार को एक हफ्ते का अल्टीमेटम दे दिया है। ये लोग नेपाल में राजशाही के लौटने और देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग कर रहे हैं। ऐसे में यह सवाल उठ रहे हैं कि देश में अचानक इस तरह की मांग क्यों उठ रही है नेपाल की सरकार को शक है कि यह सब देश के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह करवा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

काले बच्चे ही गोद लेता था कपल, राज खुलने पर हैरान हुए लोग

वेस्ट वर्जीनिया। बच्चे भगवान का दिया नायाब तोहफा होते हैं। कई कपल जब खुद मां-बाप नहीं बन पाते, तब वे बच्चे गोद लेते हैं। इन कपल की लोग काफी तारीफ करते हैं, क्योंकि इस कदम से अनाथ बच्चों को भी घर मिल जाता है। वेस्ट वर्जीनिया में रहने वाला एक कपल अपने जान-पहचान वालों के बीच काफी मशहूर था। इस कपल ने पांच बेसहारा बच्चों को गोद लिया था। हालांकि, ये गोरा कपल हमेशा काले बच्चे ही गोद लेता था। लेकिन राज खुलने पर सब हैरान हो गए। 63 साल की व्हाइटफेदर और उसके पति 64 साल के डोनाल्ड लैट्ज़ को सर्किट कोर्ट की जज ने कुल 375 साल जेल की सजा सुनाई है। सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि शायद ईश्वर तुम्हारे ऊपर रहम करे, क्योंकि कोर्ट ऐसा नहीं कर सकता। इस कपल पर पांच बच्चों को गोद लेने के बाद उनका शोषण करने का आरोप लगाया गया था। कपल सिर्फ काले बच्चे गोद लेकर बाद उन्हें गुलाम बनाकर घर के सारे काम करवाता था। कपल ने इन पांच बच्चों को अनाथालय से गोद लिया था। दोनों पहले मिन्नेसोटा में रहते थे। उसके बाद बच्चों के साथ वाशिंगटन और फिर वेस्ट वर्जीनिया आए थे। 2023 में पुलिस वेलफेयर चेकिंग के लिए कपल के घर गई, तब वहां की स्थिति देख घबरा गई। बच्चों को एक पिंजरा नुमा कमरे में बंद रखा गया था। टॉयलेट के लिए वहां सिर्फ एक बाल्टी रखी गई थी। बच्चे सीमेंट की फ्लोर पर सोते थे और उन्हें कई-कई घंटे वहां बंद रखा जाता था। जांच में पता चला कि कपल को काले लोगों से चिढ़ थी। इस कारण वे काले बच्चे ही गोद लेते थे। इसके बाद उन्हें गुलाम बनाकर रखते थे। लेकिन बदले में उन्हें ठीक से खाने को भी नहीं दिया जाता था।

ट्रंप की धमकियों पर भड़का ईरान कहा- अमेरिका का एक भी ठिकाना नहीं बचने देंगे

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ईरान को धमका रहे हैं। ईरान ने कई बार मामले को टालने की कोशिश की। इसके बाद भी अमेरिका धौंस दिखाने से बाज नहीं आ रहा है। इस ईरान ने भी साफ कह दिया कि ईरान को इतना कमजोर न समझें, अमेरिका का एक भी ठिकाना नहीं बचने देंगे। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर गलीबाफ ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि तेहरान को धमकाना बंद कर दीजिए। उन्होंने कहा कि ईरान पर हमला हुआ तो अमेरिका और उसके सहयोगियों के ठिकाने भी सुरक्षित नहीं रहेंगे। ईरानी नेता की यह धमकी ऐसे समय में आई है, जब अमेरिका ने अपने सैन्य संसाधन ईरान के करीब पहुंचाने की बात कही है। गलीबाफ ने इजरायल को भी घेरा है और उसे लेबनान में हवाई हमले रोकने के लिए कहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के संसद स्पीकर मोहम्मद बाकर गलीबाफ ने तेहरान यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल कुद्स डे पर बोलते हुए अमेरिका की ओर से आ रही धमकियों पर बात की। उन्होंने कहा, अगर वे ईरान को धमकी देते हैं तो समझ लें कि वो भी बारूद के ढेर पर हैं। ईरान पर हमला हुआ तो पूरे क्षेत्र में अमेरिका और उसके सहयोगी असुरक्षित हो जाएंगे। उन्होंने संकेत दिया कि ईरान की ओर से इराक, खाड़ी देशों और सीरिया में अमेरिकी सेना को निशाना बना सकता है। अमेरिका के कुवैत, कतर, बहरीन और यूएई में ठिकाने हैं।

पुतिन की हाईटेक कार में धमाका, यूक्रेन के हमले से हिल गया रूस

मॉस्को। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें एक जलती हुई कार दिखाई गई है। बताया जा रहा है कि ये कार रुस राष्ट्रपति पुतिन के काफिले की है। रूसी सुरक्षा एजेंसी एफएसबी के मुख्यालय के पास यह विस्फोट हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन ने इस धमाके के बाद सीवर की तलाशी से लेकर अपने गार्डों की जांच का आदेश दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि आग इंजन से शुरू हुई और देखते ही देखते पूरी गाड़ी चपेट में आ गई। लिमोजिन में आग लगते ही आस-पास के बार से कर्मचारी मदद के लिए पहुंचे, लेकिन आग इतनी भयानक थी कि वह बस देखते रहे। अभी यह साफ नहीं हो सका है कि विस्फोट के दौरान गाड़ी में कौन था। लिमोजिन पुतिन के प्रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी मैनेजमेंट डिपार्टमेंट की बताई जा रही है। आग के कारणों का भी खुलासा नहीं हो सका है। गुरुवार को दक्षिण कोरिया की सेना ने बड़ा खुलासा किया। उसने बताया कि उत्तर कोरिया ने इस साल की शुरुआत में कम से कम 3000 अतिरिक्त सैनिकों को रूस भेजा है।

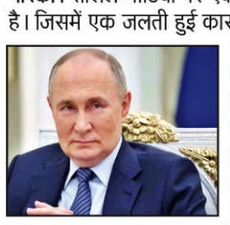

एड्स फंडिंग में रोक से 2030 तक 10 मिलियन संक्रमण और 3 मिलियन मौतें का खतरा

सिडनी

एक अध्ययन के मुताबिक एचआईवी रोकथाम और उपचार कार्यक्रमों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग में कटौती से 2030 तक 10 मिलियन से ज्यादा संक्रमण और करीब तीन मिलियन मौतें हो सकती हैं। यह बात गुरुवार को प्रकाशित एक अध्ययन में सामने आई। ऑस्ट्रेलिया के एक इंस्टीट्यूट की टीम द्वारा किए अध्ययन में 2026 तक वैश्विक एचआईवी फंडिंग में अनुमानित 24 फीसदी की कमी के प्रभाव का मॉडल बनाया गया है। यह अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और नीदरलैंड समेत प्रमुख दाताओं द्वारा 8 से 70 फीसदी की सहायता कटौती की घोषणा के बाद हुआ है। ये पांच देश सामूहिक रूप से वैश्विक एचआईवी सहायता का 90 फीसदी से ज्यादा फंडिंग करते हैं।

शोधकर्ताओं ने कहा कि अगर अमेरिका और ब्रिटेन समेत शीर्ष पांच दाता देशों द्वारा प्रस्तावित फंडिंग कटौती को कम नहीं किया जाता है, तो अनुमान है कि 2025 और 2030 के बीच बच्चों और वयस्कों में 4.4 से 10.8 मिलियन अतिरिक्त नए एचआईवी संक्रमण और 770,000 से 2.9 मिलियन मौतें हो सकती हैं।

एचआईवी फंडिंग में विश्व में सबसे जयादा योगदान देने वाले अमेरिका ने ट्रम्प के शपथ ग्रहण के बाद 20 जनवरी को सभी सहायता रोक दी है। अध्ययन में खुलासा हुआ है कि एड्स राहत के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की आपातकालीन योजना के नुकसान के साथ-साथ अन्य फंडिंग कटौती के कारण अब 2030 तक वैश्विक स्वास्थ्य संकट के रूप में एचआईवी/एड्स को खत्म करने की दिशा में प्रगति उलटने का खतरा है। एक अध्ययनकर्ता ने कहा कि अमेरिका ऐतिहासिक रूप से एचआईवी के उपचार और रोकथाम के वैश्विक प्रयासों में सबसे बड़ा योगदान देता है, लेकिन पीईपीएफएआर और यूएसएआईडी समर्थित कार्यक्रमों में मौजूदा कटौती ने पहले से ही एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी और एचआईवी की रोकथाम और परीक्षण सहित जरुरी एचआईवी सेवाओं तक पहुंच को बाधित कर दिया है।

संस्थान के सह-लेखक ने बताया कि परीक्षण और उपचार कार्यक्रमों को सीमित करने के अलावा, उप-सहारा अफ्रीका में व्यापक रोकथाम प्रयासों में कटौती देखने को मिलेगी, जैसे कि कंडोम वितरित करना और प्री-एक्सपोज़र प्रोफिलैक्सिस एक दवा जो एचआईवी होने के जोखिम को कम करती है की पेशकश करना। स्थायी वित्तपोषण सुनिश्चित करना और एचआईवी महामारी के फिर से उभरने से बचना जरूरी है, जिसके विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, न केवल उप-सहारा अफ्रीका जैसे क्षेत्रों में, बल्कि पूरी दुनिया में भी।

तारों के विकास को लेकर नई चिंतनशील बहस शुरू

वाशिंगटन

हाल ही में डच और इटालियन खगोलविदों की टीमों ने इस आकाशगंगा का गहन अध्ययन करने के लिए एएलएमए रेडियो टेलीस्कोप का उपयोग किया। यूरोपियन सदर्न ऑब्जर्वेटरी (ईएसओ) के अनुसार, इस अध्ययन मेंजेएडीईएस-जीएस-झेड14-0 में ऑक्सीजन की मौजूदगी के स्पष्ट संकेत मिले, जो पहले वेब टेलीस्कोप द्वारा देखे गए थे।

खगोलविदों ने आकाशगंगा में ऑक्सीजन के संकेत खोजे हैं, जिससे शुरुआती ब्रह्मांड में तारों के विकास को लेकर नई चिंतनशील बहस शुरू हो गई है। यह आकाशगंगा जेएडीईएस-जीएस-झेड14-0 है, जिसे जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोपने पिछले साल खोजा था। यह इतनी दूर स्थित है कि इसका प्रकाश पृथ्वी तक पहुंचने में 13.4 अरब साल लगा, यानी जब ब्रह्मांड सिर्फ 300 मिलियन साल पुराना था, तब यह आकाशगंगा अस्तित्व में आ चुकी थी।

यह खोज वैज्ञानिकों के लिए चौंकाने वाली है, क्योंकि यह संकेत देती है कि शुरुआती ब्रह्मांड में सितारे अपेक्षा से कहीं ज्यादा तेजी से बने और विकसित हुए। सामान्यत: ब्रह्मांड के शुरुआती दौर, जिसे कॉस्मिक डॉन कहा जाता है, में आकाशगंगाओं में मुख्य रूप से हाइड्रोजन और हीलियम जैसे हल्के तत्व मौजूद होने चाहिए थे। लेकिन जेएडीईएस-जीएस-झेड14-0 में भारी तत्वों की मात्रा उम्मीद से 10 गुना अधिक पाई गई। लीडेन ऑब्जर्वेटरी के खगोलशास्त्री सैंडर शॉव्स ने इस खोज को एक ऐसे किशोर को खोजने जैसा बताया, जहां केवल नवजात शिशु होने की उम्मीद थी। उन्होंने कहा, यह आकाशगंगा अत्यधिक तेजी से विकसित हो रही है, जिससे यह संकेत मिलता है कि आकाशगंगाओं का निर्माण जितना हम सोचते थे, उससे कहीं तेज हुआ।

इटली के खगोल वैज्ञानिक स्टेफानो कार्नियानी ने इसे अविश्वसनीय खोज बताया और कहा कि यह सवाल उठाता है कि आकाशगंगाओं का जन्म आखिर कब और कैसे हुआ। 2022 में जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के सक्रिय होने के बाद से वैज्ञानिकों ने पाया है कि शुरुआती ब्रह्मांड की आकाशगंगाएं पहले के अनुमानों से कहीं अधिक चमकदार और विकसित थीं। यह खोजें इतनी चौंकाने वाली रही हैं कि वैज्ञानिकों को अब ब्रह्मांड की मौजूदा समझ पर सवाल उठाने पड़े हैं।

रुसी ड्रोन हमले के बाद इलाके में मलबा

यूक्रेन के खारकीव में रुसी ड्रोन हमले के बाद इलाके में मलबा नजर आया।

भूकंप की दहशत कायम, म्यांमार में लाखों लोगों ने सड़कों पर गुजारी रात

नेपीडो

म्यांमार में आए भूकंप ने जमकर तबाही मचाई है। सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और हजारों मकान चकनाचूर हो गए। कहीं फिर से भूकंप न आ जाए इसको लेकर लोगों के मन डर है।

दहशत में जी रहे लाखों लोगों ने सड़कों पर रात गुजारी।म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद जन-जीवन अस्तव्यस्त हो गया है। म्यांमार पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता का सामना कर रहा था। वहीं भूकंप आने के बाद राहत और बचाव का काम भी ठीक से नहीं हो पा रहा है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर और सड़कों को हुए नुकसान की वजह से राहत सामग्री का पहुंचना भी मुश्किल हो गया है। वहीं भूकंप के झटकों (आफ्टरशॉक) के डर से हजारों लोग अपने घरों को छोड़कर सड़कों पर ही सोए। यूएन ऑफिस फॉर कोऑर्डिनेशन ऑफ ह्यूमनिटेरियन अफेयर्स के मुताबिक घरों को हुए नुकसान और भूकंप के झटकों के डर से बहुत लोगों की हिम्मत घर के अंदर जाने की भी नहीं हुई। ऐसे में उन्होंने घर के बाहर ही रात काटी। कई सड़कों और पुलों को भी नुकसान हुआ है जिसकी वजह से आना-जाना मुश्किल हो रहा है। घायल लोगों तक दवाइयां पहुंचाना भी मुश्किल हो गया है। हाइवे पर दरारें पड़ने की वजह से बसों को भी रोक दिया गया है।

भारत ने भी 15 टन राहत सामग्री पहुंचाई

भारत ने भी 15 टन राहत सामग्री पहुंचाई म्यांमार पहुंचाई है और आपातकालीन मिशन 'ऑपरेशन ब्रह्मा'के तहत बचाव दलों के साथ हवाई और समुद्री मार्ग से और आपूर्ति भेजी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने म्यांमा के सैन्य जनरल मिन आंग ह्लाइंग से बात की और कहा कि भारत उनके देश में आए भीषण भूकंप से मची तबाही से निपटने के प्रयासों में उनके साथ एकजुटता से खड़ा है। भारत ने म्यांमा के लिए अपने बचाव अभियान को ऑपरेशन ब्रह्मा नाम दिया है।

पिरामिडों के नीचे फैली जटिल भूमिगत संरचना का पता चला

काहिरा

यूनिवर्सिटी ऑफ़ पीसा के वैज्ञानिकों ने एडवांस राडार तकनीक से मिस्र में गीज़ा के पिरामिडों को स्कैन किया, जिससे उनके नीचे फैली एक जटिल भूमिगत संरचना का पता चला है। यूनिवर्सिटी ऑफ़ पीसा के वैज्ञानिक कोराडो मलंगा और यूनिवर्सिटी ऑफ़ स्ट्रैथक्लाइड के फिलिपो बायोन्डी ने खफ़्रे पिरामिड की जांच के लिए सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) टोमोग्राफी का उपयोग किया।

खफ़्रे पिरामिड, गीज़ा की दूसरी सबसे बड़ी संरचना है, और स्कैन में इसके आधार के पास पांच समान भूमिगत संरचनाएं मिलीं। इन संरचनाओं में कई स्तर थे और ये जटिल ज्यामितीय मार्गों से आपस में जुड़ी हुई थीं। इसके अलावा, वैज्ञानिकों ने आठ ऊर्ध्वाधर बेलनाकार कुएं खोजे, जो 648 मीटर तक फैले हुए सर्पिल रास्तों से घिरे थे। इनका अंत दो विशाल घनाकार संरचनाओं में हुआ, जिनकी प्रत्येक भुजा लगभग 80 मीटर की थी। इस खोज के बाद, वैज्ञानिकों ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें उन्होंने बताया कि यह अध्ययन पिरामिडों के पारंपरिक शाही कब्र होने की धारणा को चुनौती देता है। इस भूमिगत नेटवर्क के उद्देश्य को लेकर कई सिद्धांत सामने आए हैं।

कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि इसका संबंध यांत्रिक या ऊर्जा संचयन से हो सकता है। यह खोज निकोला टेस्ला और क्रिस्टोफर डन के सिद्धांतों से मेल खाती है। टेस्ला, जो बिजली और वायरलेस ऊर्जा पर काम करने वाले प्रसिद्ध आविष्कारक थे, मानते थे कि पिरामिड पृथ्वी की प्राकृतिक ऊर्जा को एकत्र कर सकते हैं। वहीं, क्रिस्टोफर डन ने अपनी पुस्तक द गीज़ा पावर प्लांट में दावा किया था कि ग्रेट पिरामिड एक विशाल मशीन हो सकता है, जो कंपन को ऊर्जा में परिवर्तित करता है।

इजराइल के बंधकों को छोड़ेगा हमास, नए समझौते पर बनी सहमति

गाजा पट्टी। हमास ने शनिवार को घोषणा की कि उसने मिस्र और कतर द्वारा प्रस्तावित गाजा युद्धविराम समझौते को स्वीकार कर लिया है। हमास नेता खलील अल-हया ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, कि हमने इस प्रस्ताव को सकारात्मक रूप से लिया है और उम्मीद करते हैं कि इजरायल भी इसे स्वीकार करेगा। इसके तहत अब हमास हर हफ्ते इजराइल के 05 बंधक रिहा करेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते के तहत हर हफ्ते 05 इजराइली बंधकों को हमास द्वारा रिहा किया जाएगा। इससे पहले, संघर्षविराम का पहला चरण 19 जनवरी को लागू हुआ था, जिसमें युद्धविराम, कुछ इजराइली बंधकों की रिहाई और कुछ फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई शामिल थी। दूसरे चरण पर मतभेद संघर्षविराम के दूसरे चरण का उद्देश्य शेष बंधकों की रिहाई और गाजा से इजरायली सैनिकों की वापसी पर समझौता करना था। हमास का कहना था कि किसी भी प्रस्ताव में इस चरण की अनुमति दी जानी चाहिए, जबकि इजराइल ने पहले 42-दिवसीय चरण का विस्तार करने की पेशकश की थी। इजराइल और अमेरिका का मानना है कि युद्ध के बाद हमास को गाजा के प्रशासन में कोई भूमिका नहीं दी जानी चाहिए। हवाई हमले और हिंसा जारी इस बीच, शनिवार को इजराइली हवाई हमले गाजा में जारी रहे, जिसमें स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार कम से कम 20 फिलिस्तीनी मारे गए। इजरायल ने 18 मार्च से हमास पर अपने हमले तेज कर दिए हैं और साफ किया है कि जब तक सभी बंधकों को रिहा नहीं किया जाता, यह सैन्य अभियान जारी रहेगा।

हम अखंड भारत के संकल्प के साथ चल रहे हैं, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में तिरंगा देखना चाहते हैं : उपमुख्यमंत्री मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। राष्ट्रीय एकीकरण विभाग की ओर से आयोजित गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हम अखंड भारत के संकल्प के साथ चल रहे हैं। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में तिरंगा लहराते देखना चाहते हैं। विदेशी ताकतें भारत को ऊंचाइयों पर नहीं देखना चाहती हैं, वो हमें रोकना चाहती हैं। फिर भी आत्मनिर्भर भारत के कदम ने ऐसा किया है कि आज हम अपने देश को आवश्यक वस्तुएं देने के साथ ही दूसरे देशों को भी वस्तुएं भेज रहे हैं। उपमुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि विपक्ष उन्हें प्रोत्साहित करता है, जिसे सजा देनी चाहिए। फिर भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। नक्सलवाद अंतिम सांसें ले रहा है। 140 करोड़ नागरिक एक सैनिक के रूप में रहें, देश प्रदेश में उत्पात करने वाले के विरुद्ध सतर्क रहने की जरूरत है। उत्पाती लोगों के विरुद्ध सूचना देने की आवश्कता है। देश के नागरिक के रूप में आज हमें संकल्प लेना है। आगे भी 30 मार्च को ही हम गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार देंगे। उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के अवसर पर यह कहना चाहता हूं, राष्ट्रीय एकता के कारण ही महाकुम्भ में कोई दुखद घटना नहीं हो सकी। क्योंकि साधु, संत, श्रद्धालु सभी एक थे। अयोध्या में श्रीराम का मंदिर बन चुका है, वो मंदिर राष्ट्र का मंदिर है। अयोध्या मंदिर के लिए एक एक व्यक्ति ने अंशदान दिया है। आज भारत का निर्माण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहा है। अमेरिका जो सबसे शक्तिशाली है, उसका प्रधानमंत्री कह रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी जैसा मेरा दूसरा कोई दोस्त नहीं है। यह भारत का बढ़ता प्रभाव है।

योगी सरकार की सख्ती से यूपी में घटे 85 फीसदी तक अपराध

लखनऊ, (हि. स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले आठ वर्षों में कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार किए हैं। 2017 से राज्य में डकैती, लूट, दंगा, हत्या, अपहरण और बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में 85 फीसदी तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के कारण उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था में बड़े पैमाने पर सुधार हुआ है। साथ ही माफिया और गुंडागर्दी पर शिकंजा कसा है।

-प्रमुख अपराधों में भारी कमी

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार योगी सरकार के कार्यकाल में विभिन्न अपराधिक घटनाओं में उल्लेखनीय गिरावट आई है। डकैती की घटनाओं में 2016 की तुलना में 84.41 फीसदी कमी आई है। इसके अलावा लूट के मामले 77.43 फीसदी कम हुए हैं। इसी के साथ-साथ अपहरण, दहेज हत्या एवं बलात्कार की घटनाओं में भी कमी देखी गई है। इसके अलावा पुलिस की सक्रियता और सीसीटीवी सर्विलांस जैसी आधुनिक तकनीकों ने अपराधियों को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। योगी सरकार ने प्रदेश के माफियाओं, गैंगस्टरों और भू-माफिया पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। इसके तहत 142 अरब रुपये से अधिक की चल-अचल अवैध सम्पत्तियां जब्त की गई हैं। वहीं, 68 माफिया और उनके करीब डेढ़ हजार सहयोगियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। जबकि 617 अपराधियों की गिरफ्तारी की गई है। इसके अलावा 752 पर गैंगस्टर एक्ट लागू किया गया है।

--योगी सरकार में उ प्र का हर नागरिक सुरक्षित

सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि योगी सरकार के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश न केवल विकास के मामले में आगे बढ़ा है, बल्कि कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भी एक नई मिसाल कायम की है। पुलिस प्रशासन की सक्रियता, तकनीकी उन्नयन और सख्त कानूनों ने अपराधियों को मिट्टी में मिला दिया है। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश का हर नागरिक सुरक्षित महसूस करता है। यह सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

नवरात्र के पहले दिन देवीपाटन मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

बलरामपुर, (हि.स.)। शक्तिपीठ मंदिर देवीपाटन में नवरात्र के पहले दिन रविवार को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी है। श्रद्धालु भोर से ही कतारबद्ध होकर मां पाटेश्वरी के दर्शन कर मां शैलपुत्री की आराधना किए और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की मंगलकामनाएं कर रहे हैं। श्रद्धालु मंदिर पहुंच पवित्र सरोवर सूर्यकुंड में स्नान कर कतार में लगकर मां के दर्शन कर रहे हैं। मंदिर में महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग कतारें लगाई गई हैं, ताकि व्यवस्था सुचारू रुप से बनी रहे। श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं। मंदिर के सभी प्रवेश और निकास द्वारों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्वयंसेवकों और पुलिसकर्मियों की तैनाती की है। मेला प्रशासन के द्वारा पूरे मेले को 2 जोन और 7 सेक्टर में बांटा गया है। सभी सेक्टर में विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। साफ-सफाई, सुरक्षा सहित विभिन्न व्यवस्थाओं के अलग-अलग अधिकारी नामित किये गए हैं। पुलिस के द्वारा सीसीटीवी से कंट्रोल रूम में नजर रखी जा रही है। मेला व मंदिर में भारी भीड़ को देखते हुए देवीपाटन पीठाधीश्वर मिथलेश नाथ योगी स्वयं सीसीटीवी के माध्यम से पूरी व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं। पीठाधीश्वर ने बताया कि पूरे क्षेत्र पर सीसीटीवी के माध्यम से नजर रखी जा रही है। देवीपाटन में एक माह का राजकीय मेला भी शुरू हो गया है। इस मेले में श्रद्धालु धार्मिक अनुष्ठानों, झूलों, सांस्कृतिक कार्यक्रमोंऔर विभिन्न दुकान सजी हैं। मेले के दौरान साफ-सफाई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, जिससे श्रद्धालु बिना किसी बाधा के अपने धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर सकें।

टीएसएच के प्रशिक्षु गिरधारी अग्रवाल ने इंडिया ओपन में रचा इतिहास, स्वर्ण पदक किया नाम

कानपुर, (हि.स.)। द स्पोर्ट्स हब(टीएसएच) की अत्याधुनिक सुविधाओं और बेहतरीन प्रशिक्षण प्रणाली ने एक और चैम्पियन को निखारा! 07324 इंडिया ओपन कॉम्पिटिशन एयर वेपन्स, महू (म.प्र.) में गिरधारी अग्रवाल ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से स्वर्ण पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया। यह जीत उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और द स्पोर्ट्स हब में मिलने वाले बेहतरीन मार्गदर्शन का प्रमाण है। यह जानकारी टीएसएच के कोच रोहित यादव ने दी। उन्होंने बताया कि 23 मार्च से लेकर 30 मार्च तक चल रही इस प्रतियोगिता में गिरधारी अग्रवाल की इस जीत में उनकी प्रतिभा के साथ-साथ "द स्पोर्ट्स हब" की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस खेल संस्थान को अपने अत्याधुनिक संसाधनों, नवीनतम तकनीकों और विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाओं के लिए जाना जाता है। यहां खिलाड़ियों को न केवल तकनीकी रूप से बल्कि मानसिक और शारीरिक रूप से भी मजबूत बनाया जाता है। "द स्पोर्ट्स हब" में दिए जाने वाले विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम खिलाड़ियों को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल में निखारते हैं। यहां पर पैराशूटिंग, फिजिकल फिटनेस, साइकोलॉजिकल कंडीशनिंग और टैक्टिकल ट्रेनिंग पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे खिलाड़ी न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। कोच ने बताया कि गिरधारी अग्रवाल ने इस स्वर्ण पदक को जीतने के लिए कई कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन उन्होंने अपने आत्मविश्वास और मेहनत से हर चुनौती को पार किया। इस प्रतियोगिता में उन्होंने सटीक निशानेबाजी और अद्वितीय कौशल का प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। उनकी यह जीत केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि भारतीय पैरा स्पोर्ट्स के बढ़ते कद का भी प्रमाण है। कोच रोहित यादव ने इस जीत को लेकर कहा, "यह सिर्फ एक पदक नहीं, बल्कि हमारी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। गिरधारी ने यह साबित कर दिया कि अगर इच्छाशक्ति प्रबल हो तो कोई भी बाधा रास्ता नहीं रोक सकती।

राज्य सूचना आयुक्त ने पौधारोपण कर किया पर्यावरण जन चौपाल कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

प्रतापगढ़, (हि. स.)। नेचर ग्रीन फ्यूचर के तत्वाधान में पर्यावरण ग्राम चौपाल कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी करपात्री महाराज महाविद्यालय दरियापुर कोर्ट रानीगंज प्रतापगढ़ में किया गया जिसमें जल जंगल जमीन के संरक्षण विषय पर उपस्थित जनमानस को जोड़ने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्य सूचना आयुक्त प्रदुम नारायण द्विवेदी ने दीप प्रज्वलन कर किया गया। लोकपाल मनरेगा सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने ग्रामीण जीवन में पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे ग्रामीण परिवेश में ऐसे बहुत से रीति रिवाज प्रचलित है जो पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने का कार्य करते हैं किंतु आज आधुनिकता के दौर में हम अपने मूल परिवेश को खोते जा रहे हैं जिसके परिणाम स्वरूप हमारे सामने ए जान को पर्यावरणीय विसंगतियां विद्यमान हैं यदि हमने अपने ग्रामीण परिवेश के पर्यावरण पहलुओं को जीवंत कर दिया तो आने वाले समय में भी हमारे गांव खुशहाल रहेंगे। तालाब नदी तथा गांव की स्वच्छता पर जोर देते हुए कहा कि हमें अपने प्राकृतिक विरासतो का संरक्षण करने की आवश्यकता है जिससे आने वाला समय पानी तथा प्रकृति की दृष्टि से बेहतर हो सके। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण गतिविधि काशी प्रांत के संयोजक कृष्ण मोहन ने कहा कि हमारे समाज तथा इस धरती का सबसे बड़ा वैश्विक संकट आज के समय में पॉलिथीन है जो हमारी मिट्टी को प्रदूषण कर रहा है हमें अपने विचारों में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। हम पॉलिथीन के उपयोग को बंद करके ही स्वच्छ पर्यावरण की कल्पना कर सकते हैं उन्होंने आज के समय में किसी भी अवसर पर उपयोग में ले जा रहे टिशू पेपर पर सभी का ध्यान खींचते हुए कहा कि इस टिश्यू पेपर को बनाने में हजारों हजार हरे पेड़ों की कुर्बानियां दी जाती हैं हमें हरे पेड़ों को यदि बचाना है तो टिशू पेपर के उपयोग को पूर्णता बंद करना होगा जिससे हमारे जंगल तथा हमारा पर्यावरण संतुलन बना रहे। कार्यक्रम में श्रृंगवेरपुर धाम प्रयागराज के अध्यक्ष बाल कृष्ण पाण्डेय ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्रयागराज से आए जैन कवि प्रकाश ने सभी को अपनी पर्यावरणी तथा माटी से जुड़ी कविताओं का काव्य पाठ कर सजता का संदेश दिया। कार्यक्रम में आये सभी अतिथियों तथा महानुभावों का [8]महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर विजय मिश्राा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। महाविद्यालय प्रांगण में मुख्य अतिथि राज्य सूचना आयुक्त पी एन द्विवेदी व सभी अतिथियों द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस कार्यक्रम में एव ग्राम प्रधान उदय राज यादव द्वारा 660पौधा लगाने और संरक्षण करने का संकल्प किया। ग्राम चौपाल 4 ब्लॉक के 60,25%अलग अलग गांव में होना होना है,।

कांग्रेस के लोग आरएसएस कार्यालय जाकर संघ को समझें : बाबूलाल मरांडी

रांची, (हि.स.)। झारखंड में भाजपा के नेता और कार्यकताओं ने रविवार को आम जनता के साथ बूथों पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का 120 वां एपिसोड सुना। कांग्रेस के लोग आरएसएस कार्यालय जाकर संघ को समझें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रविवार को नागपुर संघ मुख्यालय जाने को लेकर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इसकी तो प्रशंसा होनी चाहिए। पीएम राष्ट्र भक्तों के संगठन के मुख्यालय गए हैं। और कांग्रेस को पेट में दर्द है तो उसे दूर से नहीं बल्कि संघ मुख्यालय जाकर नजदीक से संघ को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी तो कसाब जैसे आतंकवादी को बचाने के लिए रात दिन एक कर देती है। प्रधानमंत्री तो वहां गए जहां देश भक्ति पढ़ाई जाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी इधर उधर घूमते रहते हैं अच्छा होता एक बार संघ कार्यालय जाकर संघ को देखते और समझते। इसके पूर्व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी रांची महानगर की ओर से मोरहाबादी के पाही बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में महानगर भाजपा अध्यक्ष वरुण साहू सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने लोगों को भारतीय नव वर्ष एवं ईद और सरहुल की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भारत प्राचीन गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण देश है। कहा कि नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मन की बात कार्यक्रम में भारत की परंपरा, संस्कृति, विरासत, योग, आयुर्वेद की चर्चा सभी एपिसोड में प्रायः रहती ही है। उन्होंने कहा कि मन की बात में आज फूलों की यात्रा जैसे विषय में महुआ की चर्चा काफी प्रेरक है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री के जरिये विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोगों के जरिये अपनी विरासत और संस्कृति से जुड़े रहने की बातों को उजागर किया। कहा कि प्रधानमंत्री का अपनी जड़ों से जुड़ने वालों को बड़ा तूफान भी विचलित नहीं कर सकता, यह प्रेरित करने वाला आह्वान है। उन्होंने कहा कि मन की बात में महान सांस्कृतिक विरासत, भारत की प्रगति, आम जन की सहभागिता, नवाचारों की चर्चा तथा विश्व और भारत की चुनौतियों की चर्चा भी शामिल है। उन्होंने गौरशाली अतीत से प्रेरित होते हुए विकसित भारत, एक भारत, श्रेष्ठ भारत बनाने में हर नागरिक की भूमिका सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम को क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, मनोज सिंह सहित प्रदेश के पदाधिकारीगण कार्यकर्ता विभिन्न जिलों में बूथों पर शामिल हुए।

बिहार फाउंड्री के चिमनी से धुआं निकलना हुआ बंद

रामगढ़, (हि.स.)। रामगढ़ शहर के इंडस्ट्रियल एरिया में स्थापित बिहार फाउंड्री प्लांट ने जीरो पॉल्यूशन की तरफ अपने कदम बढ़ा दिए हैं। लगभग दो महीने की कड़ी मशक्कत के बाद रविवार को चिमनी से धुआं निकलना बंद हो गया है। निरंतर पॉल्यूशन की मिल रही शिकायत को दूर करते हुए प्लांट प्रबंधन ने कहा कि बिहार फाउंड्री पर्यावरण संरक्षण के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। पावर प्लांट को शुरू करने के दौरान कुछ दिनों तक चिमनी से धुआं निकल रहा था। तकनीकी खामियों को दूर करने में कर्मचारी 24 घंटे लगे हुए थे। रविवार की सुबह प्रबंधन को सफलता मिली और अब प्लांट जीरो पॉल्यूशन की कगार पर पहुंच गया है। पर्यावरण संतुलन बनाए रखना प्रबंधन का है लक्ष्य बीएफसीएल के जीएम राकेश गुप्ता ने बताया कि प्रबंधन पर्यावरण संरक्षण के प्रति पूरी तरह से समर्पित है और प्रदूषण मुक्त उद्योग संचालन की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। कंपनी की चिमनी से किसी भी प्रकार का वायु प्रदूषण नहीं हो रहा है। प्रबंधन का स्पष्ट कहना है कि कंपनी शून्य प्रदूषण के संकल्प के साथ काम कर रही है और इसे शीघ्र ही प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से, कंपनी की टीम आधुनिक उपकरणों के माध्यम से आसपास के गांवों में नियमित रूप से पर्यावरण की गुणवत्ता की जांच कर रही है। परीक्षणों से यह स्पष्ट हुआ है कि फैक्ट्री का उत्सर्जन सभी औद्योगिक मानकों के अनुरूप है। प्लांट प्रबंधन ने बताया कि 8.67 एकड़ में 3861 पौधे बिहार फाउंड्री की बाउंड्री वॉल के बगल में लगाने हैं। जिसमें काम तेज गति से चल रहा है। इसके अतिरिक्त, प्लांट परिसर की सीमा से सटे भूमि पर लगभग 3500 पौधे रोपित हो रहे हैं। इससे क्षेत्र में हरियाली बढ़ेगी और पर्यावरण अधिक स्वच्छ एवं सुरक्षित बनेगा। यह अभियान तेजी से प्रगति कर रहा है।

अवैध माइंस के पास से 350 टन कोयला जब्त

रामगढ़, (हि.स.)। रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र में अवैध माइंस का संचालन हो रहा था। डीसी चंदन कुमार के निर्देश पर जिला खनन पदाधिकारी निशांत अभिषेक ने कोयला तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की।

खनन पदाधिकारी ने रविवार को बताया कि-गोला थाना क्षेत्र के बढ़काजारा में चल रहे अवैध माइंस के पास से 350 टन कोयला जब्त किया गया है।

अवैध कोयला कारोबार को लेकर माइनिंग विभाग ने छापेमारी की। छापेमारी में भैरवी (भेड़ा) नदी के किनारे सुरंग नुमा माइंस और ओपेन माइंस की तर्ज पर अवैध कोयला उत्खनन हो रहा था। उत्खनन वाली जगह से लगभग 350 टन कोयला जब्त किया गया है। साथ ही इसमें शामिल कारोबारियों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया जा रहा है।

थाने से दो किलोमीटर दूर तस्करों ने बना दिया था सुरंग-गोला थाना क्षेत्र से लगभग दो किलोमीटर दूर बढ़काजारा गांव में भैरवी (भेड़ा) नदी के किनारे कोयला को अवैध तरीके से निकाला जा रहा था। कोयला तस्करों ने वहां बड़े सुरंग बना दिए थे। साथ ही जेसीबी से कोयला निकाला जा रहा था। डीसी चंदन कुमार के निर्देश पर माइनिंग विभाग की टीम वहां पहुंची, तो उत्खनन को देखकर दंग रह गए।

कोयला चोरी करने वाले वालों के जरिये मशीन लगाकर ओपन कास्ट माइंस का आकार देकर कोयला निकाला जा रहा था। साथ ही कई जानलेवा सुरंग भी बनाई गई थी। खनन विभाग की टीम पहुंची तो वहां से मशीन को हटा दिया गया और मौके से मजदूर फरार हो गए।

केंद्रीय मंत्री अठावले का दावा कहा- लालू से ज्यादा फिट हैं नीतीश, 10 साल रहेगी उनकी सत्ता

पटना(ईएमएस)। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले बिहार के तीन दिवसीय दौरे पर आए। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और कहा कि जद (यू) अध्यक्ष का स्वास्थ्य अच्छा है और वह कम से कम पांच से दस साल तक सत्ता में रहेंगे। वहीं उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जवाहर लाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ेंगे और लगातार चौथी बार सत्ता बरकरार रखेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी ने लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटकर नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। मुझे विश्वास है कि वह रिकॉर्ड तोड़ देंगे और लगातार चौथी बार सत्ता में आएंगे।दलित नेता ने कहा, एक बौद्ध के रूप में, मैं बिहार का बहुत सम्मान करता हूं, वह भूमि जहां बुद्ध ने 2,500 साल से भी पहले ज्ञान प्राप्त किया था। महाबोधि मंदिर परिसर, जो यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है, पर पूर्ण नियंत्रण की मांग कर रहे बौद्धों के साथ एकजुटता दिखाते हुए बोधगया का दौरा करने के एक दिन बाद अठावले ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को मुख्यमंत्री के समक्ष भी उठाया है।उन्होंने कहा कि मैंने नीतीश जी से बौद्धों की चिंताओं का समाधान करने का आग्रह किया है, जो एक महीने से बोधगया में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मैंने खुद प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच करने का निर्देश दिया है। सांप्रदायिक तनाव के लिए छावा जिम्मेदार आठवले ने अपने गृह राज्य महाराष्ट्र में हाल में हुए सांप्रदायिक तनाव के लिए ब्लॉकबस्टर फिल्म छावा को जिम्मेदार ठहराया और औरंगाबाद में स्थित औरंगजेब के मकबरे को हटाने की मांग को बंद करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा, मुझे नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली टीम का हिस्सा होने पर गर्व है, जिनके कार्यकाल में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं।

पटना विवि छात्रसंघ चुनाव में अभाविप की मैथिली मृणालिनी बनी अध्यक्ष

पटना, (हि.स.)। पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के अध्यक्ष पद पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की मैथिली मृणालिनी अध्यक्ष चुनी गई हैं। उन्होंने नेशनल स्टूडेंट यूनियन आफ इंडिया (एनएसयूआई) के मनोरंजन को हराया। उपाध्यक्ष पद पर धीरज कुमार जीते हैं। वे निर्दलीय उम्मीदवार थे। संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष पद एनएसयूआई के खाते में गए हैं। रोहन कुमार संयुक्त सचिव और सौम्या श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष बनी हैं। महासचिव पद पर निर्दलीय सलोनी राज ने जीत हासिल की है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने सभी विजेताओं को सर्टिफिकेट दिए। उन्होंने छात्रों को बधाई दी और विश्वविद्यालय के काम में मदद करने की अपील की। 107 साल के इतिहास में पहली बार कोई महिला अध्यक्ष पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में नारी शक्ति का दबदबा रहा। सेंट्रल पैनल के पांच पदों में से तीन पर महिलाओं ने जीत हासिल की। पटना विवि के 107 साल के इतिहास में पहली बार अध्यक्ष पद पर किसी छात्रा अभाविप की उम्मीदवार मैथिली मृणालिनी ने जीत दर्ज की है।

नीतीश की नैया पार कराने अमित शाह की योजना

- बीजेपी नेताओं को दिया अर्जुन वाला लक्ष्य

पटना (ईएमएस)। बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीजेपी की अहम बैठक में बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने जताया कि इस बार चुनाव में केवल बीजेपी की नहीं, बल्कि पूरे एनडीए की जीत सुनिश्चित करनी है। अमित शाह ने उपलब्ध सूत्रों के मुताबिक दावा किया कि नीतीश कुमार की नैया पार कराने के लिए कठिन काम किया जा रहा है। शाह ने बीजेपी के कार्यकताओं से अपील की है कि वे बीजेपी के सभी नेताओं और उम्मीदवारों का समर्थन करें और इस चुनाव में एकजुट रहें। उन्होंने भविष्य की बात करते हुए बाढ़ मुक्त बिहार के लिए पीएम मोदी के संकल्प पर जोर दिया और इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने का आश्वासन दिया। अमित शाह ने अपने संबोधन में पीएम मोदी के विजन का महत्व बताते हुए उज्जवल भविष्य की दिशा में काम करने की जरूरत बताई। उन्होंने विश्वास दिलाया कि बिहार में भी बीजेपी का मजबूत स्थान स्थापित करने के लिए वो संकल्पित है। इस बड़े प्लान के तहत, नीतीश कुमार की नैया पार कराने की पूरी तैयारी की जा रही है और बीजेपी और एनडीए मिलकर चुनाव मैदान में उतरेंगे। शाह ने बीजेपी के कार्यकताओं से मतभेदों को दूर करके सिर्फ जनता के हित में काम करने का संकल्प लिया है। इन सभी पहलुओं से स्पष्ट है कि बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी और एनडीए एकजुट होकर विशाल जीत हासिल करने के लिए डटे हैं। यह चुनाव राजनीतिक मायनों में बड़ी चुनौती प्रस्तुत कर सकता है, जिससे सामाजिक और राजनीतिक मंच पर असर दिख सकता है।

फलों के निर्यात में पिछले पांच वर्षों में हुई जोरदार बढ़ोतरी

नई दिल्ली

पिछले पांच वर्षों में भारत के फलों के निर्यात में 47.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके बाद सरकार नए बाजारों की तलाश कर रही है। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के अनुसार, यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से यूएई और ऑस्ट्रेलिया को फलों के निर्यात में क्रमशः 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

नए बाजारों की तलाश कर रही है सरकार

राज्य मंत्री प्रसाद ने राज्यसभा को बताया कि मुक्त व्यापार समझौते से भारत द्वारा यूएई को निर्यात बढ़ाने में मदद मिली है, जहां फलों के निर्यात में 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और ऑस्ट्रेलिया को फलों के निर्यात में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मंत्री ने कहा कि सरकार इन निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करते हुए गुणवत्ता को लेकर आश्वासन और नए बाजारों की खोज पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि देश से जाने वाला कोई भी उत्पाद ब्रांड इंडिया और भारत का नाम है, इसलिए विदेशों में भेजे जाने वाले उत्पादों और फलों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। वाणिज्य विभाग, एपीडा के माध्यम से, ताजे फलों के व्यापार को समर्थन देने के लिए संबंधित राज्य सरकारों के साथ सहयोग करता है। भारत वर्तमान में 85 से अधिक देशों को ताजे फलों का निर्यात करता है। एपीडा ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, यूएसए और उभरते नए बाजारों में प्रवेश करने के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय पौध संरक्षण संगठन (एनपीपीओ) के साथ मिलकर काम करता है। सरकार जल्दी खराब होने वाले उत्पादों, खासकर ताजे फलों के लिए समुद्री प्रोटोकॉल के विकास पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, जिससे अधिक मात्रा में निर्यात संभव होगा, खासकर लंबी दूरी के बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर, जिससे किसानों सहित निर्यात सप्लाई चेन में सभी हितधारकों को अधिक लाभ मिल सकेगा। मोदी सरकार के कार्यकाल में भारत ने कृषि निर्यात में नई ऊंचाईयों को छुआ है। देश के फलों की खेप पहली बार पश्चिमी देशों के आकर्षक बाजारों में पहुंची है। चावल के निर्यात में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे किसानों को अधिक आय प्राप्त करने में मदद मिली है।

न्यूज ब्रीफ

आयकर विभाग ने यस बैंक को भेजा 2,209 करोड़ का नोटिस, टैक्स विभाग ने अप्रैल 2023 में 2019-20 का असेसमेंट ईयर दोबारा खोला था

मुंबई। यस बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दी की उसे इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 2,209 करोड़ रुपए का डिमांड नोटिस मिला है। यह नोटिस असेसमेंट ईयर 2019-20 के लिए जारी किया गया है। बैंक ने जानकारी दी कि इनकम टैक्स विभाग ने अप्रैल 2023 में 2019-20 का असेसमेंट ईयर दोबारा खोला था। यह जानकारी बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को रेगुलेटरी फाइलिंग में दी। इनकम टैक्स विभाग की नेशनल फेसलेस असेसमेंट यूनिट ने 28 मार्च को फिर से असेसमेंट ऑर्डर पास किया। इसमें न तो कोई अतिरिक्त राशि जोड़ी गई और न ही कोई नई आपत्ति लगाई गई। यानी जिस आधार पर दोबारा जांच शुरू की गई थी, उसे खुद विभाग ने हटा दिया है। इसका मतलब यह है कि पहले जो ऑर्डर सेक्शन 144 के तहत पास किया गया था, उसमें जितनी इनकम मानी गई थी, वही इनकम अब भी मानी गई है। ऐसे में बैंक पर कोई अतिरिक्त टैक्स डिमांड बनती ही नहीं है। बैंक ने भरोसा जताया है कि उसके पास इस मामले में अपना पक्ष रखने के लिए मजबूत आधार हैं और उसे इस आदेश से अपने वित्तीय, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर किसी बड़े नकारात्मक असर की उम्मीद नहीं है। बैंक ने यह भी कहा कि वह इस दोबारा मूल्यांकन आदेश के खिलाफ कानून के तहत अपील और सुधार की प्रक्रिया शुरू करेगा। इस जानकारी के सामने आने के बाद यस बैंक के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

ब्ल्यूस्मार्ट के सीईओ समेत कई बड़े अधिकारियों ने दिया इस्तीफा, नंदन शर्मा को नया सीईओ नियुक्त किया गया

नई दिल्ली। ब्ल्यूस्मार्ट कंपनी अपनी वित्तीय स्थिति को बेहतर बनाने बड़े स्तर पर पुनर्गठन कर रही है।

लेकिन इस दौरान कंपनी से कई बड़े अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी सहित कई बड़े अधिकारियों ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि नंदन शर्मा को नया सीईओ नियुक्त किया गया है। वह पहले वाइस-प्रेसिडेंट ऑफ बिजनेस एंड ऑपरेशंस थे। ब्ल्यूस्मार्ट का पुनर्गठन ऐसे समय में हो रहा है, जब इसकी मूल कंपनी जेन्सोल इंजीनियरिंग अपनी मौजूदा लीज व्यवस्थाओं को खत्म करने की ओर बढ़ रही है। इस प्रक्रिया के तहत जेन्सोल 2,997 इलेक्ट्रिक वाहनों को चेन्नई की कंपनी रिफेक्स ग्रीन मोबिलिटी को बेच रही है। ये वाहन ब्ल्यूस्मार्ट के कुल 8,700 ईवीएस के बेड़े का 34 प्रतिशत हैं। इन्हें बेचने के बाद ये वाहन ब्ल्सूस्मार्ट को वापस लीज पर दिए जाएंगे। इसके अलावा, रिफेक्स जेन्सोल का मौजूदा 315 करोड़ रुपये का कर्ज भी अपने ऊपर लेगी। हालांकि, यह सौदा अभी रेगुलेटरी मंजूरी का इंतजार कर रहा है। इन बदलावों के बावजूद ब्ल्यूस्मार्ट ने आश्वासन दिया है कि उसकी राइड-हेलिंग सेवाएं प्रभावित नहीं होंगी ।

अमेरिका के ट्रंप की नई टैक्स नीति से वैश्विक बाजारों पर पड़ेगा प्रभाव, 2 अप्रैल को आने वाली है सबसे बड़ी तबाही

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को एक नई टैक्स नीति की घोषणा करने की

संभावना जताई है, जिससे कि वैश्विक व्यापार और बाजारों में अस्थिरता आ सकती है। यह नीति अमेरिका के घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखती है, लेकिन इससे बहुदेशी व्यापारिक संबंध प्रभावित हो सकते हैं। ट्रंप की योजना के अनुसार अमेरिका के कुछ विशेष व्यापारिक साथियों पर नए टैक्स लगाने की संभावना है, जो अमेरिका के साथ अधिक निर्यात करते हैं। इस निर्णय का असर भारत और अन्य कई देशों पर हो सकता है। भारत अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और अगर इसे नए टैक्स का सामना करना पड़ा, तो इसका निर्यात पर प्रभाव हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था अधिकतर घरेलू मांग पर निर्भर है, तो इसका दीर्घकालिक प्रभाव सीमित रहेगा। अमेरिका भारत को हर साल करीब 8 अरब डॉलर के औषधियाँ और 1.5 अरब डॉलर के ऑटो पार्ट्स भेजता है। यदि इस पर अतिरिक्त टैक्स लगा दिया जाता है, तो भारतीय फार्मा और ऑटो कंपनियों को इसका असर महसूस हो सकता है। इस निर्णय से यूरोपियन यूनियन, कनाडा, जापान और मैक्सिको भी प्रभावित हो सकते हैं, जिससे ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में आपूर्ति समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

प्रतिकूल वैश्विक स्थितियों से प्रभावित हुआ प्राइमरी मार्केट, अगले सप्ताह एक भी नया आईपीओ नहीं

पिछले सप्ताह लॉन्च हुए तीन आईपीओ में पैसे लगाने का है मौकाचार कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के जरिये कारोबार की करेंगे शुरुआत

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट में बनी प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण प्राइमरी मार्केट में नए आईपीओ की लॉन्चिंग के लिहाज से पूरी तरह से सूखा पड़ा रहने वाला है। एक अप्रैल से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान एक भी नया आईपीओ लॉन्च होने वाला नहीं है। हालांकि पिछले सप्ताह 27 और 28 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले तीन आईपीओ में दो और तीन अप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी।

जहां तक लिस्टिंग की बात है तो इस सप्ताह चार कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगे। पिछले सप्ताह 27 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले रेटैगियो इंडस्ट्रीज के 15.5 करोड़ रुपये के पब्लिक इश्यू में 2 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 25 रुपये प्रति शेयर का भाव तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 6,000 शेयर का है।

इस आईपीओ को अभी तक 0.84 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। इश्यू क्लोज होने के बाद तीन अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट होगा, जबकि सात अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इनकी लिस्टिंग होगी। इसी तरह पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबार दिन 28 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले स्पिनैरो कॉमर्शियल लिमिटेड के आईपीओ में तीन अप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 51 रुपये प्रति शेयर का भाव तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ को अभी तक 0.16 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है।

इश्यू क्लोज होने के बाद चार अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट होगा, जबकि आठ अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इनकी लिस्टिंग होगी। इसी तरह 28 मार्च को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुले इनफोनेटिव सॉल्यूशंस के 24.71 करोड़ रुपये के पब्लिक इश्यू में तीनअप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी।

आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 75 रुपये से लेकर 79 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। इस आईपीओ को अभी तक 0.52 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। इश्यू क्लोज होने के बाद चार अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट होगा, जबकि आठ अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इनकी लिस्टिंग होगी। जहां तक इस सप्ताह स्टॉक मार्केट में होने वाली लिस्टिंग की बात है, तो एक अप्रैल से लेकर तीन अप्रैल के बीच चार कंपनियां के शेयर लिस्टिंग के जरिए अपने कारोबार की शुरुआत करेंगे।

इनमें एक अप्रैल को डेस्को इंफ्राटेक के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करेंगे। इसी तरह दो अप्रैल को श्री अहिंसा नेचुरल्स और एटीसी एनर्जीज के शेयरों की एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग होगी। इसके अलावा तीन अप्रैल को आईडेंटिक्स वेब के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

भारत में जर्मनी की कंपनी करेगी 1.5 बिलियन डॉलर का निवेश, राज्य ने इसके लिए जमीन भी चिह्नित कर ली है

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि जर्मनी की एक रसायन क्षेत्र की कंपनी ने भारत में 1.5 बिलियन डॉलर (लगभग 150 करोड़ डॉलर) का निवेश करने का फैसला किया है। साथ ही एक राज्य ने इसके लिए जमीन भी चिह्नित कर ली गई है। हालांकि मंत्री ने कंपनी का नाम या राज्य का नाम नहीं बताया, लेकिन उन्होंने कहा कि कंपनी का प्रमुख जल्द राज्य के मुख्यमंत्री से मिलने वाला है। गोयल ने यूनियन इंटरनेशनेल डेस एवोकेट्स के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जमीन का आवंटन उसके हाथ में होगा और हमारे देश में अगले 12 महीनों में डेढ़ बिलियन डॉलर का विदेशी प्रत्यक्ष निवेश आएगा। कंपनी एक ऐसी जमीन की तलाश में है, जो लगभग 250 एकड़ की हो और किसी बंदरगाह के पास हो। जर्मनी भारत में नौवां सबसे बड़ा निवेशक देश है। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2024 के बीच देश को लगभग 15 बिलियन डॉलर का विदेशी प्रत्यक्ष निवेशमिला है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक कंपनियां भारत में व्यापार के अवसरों को तलाशने के लिए आ रही हैं।

ऑडी ने लोकप्रिय ए5 सेडान और एस्टेट को किया अपडेट

नई दिल्ली

लग्जरी कारों का निर्माण करने वाली कंपनी ऑडी ने अपनी लोकप्रिय ए5 सेडान और एस्टेट को नए प्लग-इन हाइब्रिड पावरट्रेन (पीएचईवी) के साथ अपडेट किया है। नई ऑडी ए5 ई-हाइब्रिड अब पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर के संयोजन से जबरदस्त परफॉर्मेंस और ईंधन दक्षता प्रदान करती है। नई ए5 में 2.0-लीटर, चार-सिलेंडर टर्बो-पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 252एचपी की पावर जनरेट करता है। इसे गियरबॉक्स के अंदर रखी गई इलेक्ट्रिक मोटर से जोड़ा गया है, जो 142एचपी की अतिरिक्त पावर प्रदान करती है।

इस हाइब्रिड सिस्टम का संयुक्त आउटपुट दो वेरिएंट्स में उपलब्ध है एक 300एचपी और 450 एनएम टॉर्क के साथ, और दूसरा 367एचपी और 500एनएम टॉर्क के साथ। दोनों ही वेरिएंट्स में 7-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स और ऑडी का क्वाट्रो ऑल-व्हील ड्राइव सिस्टम दिया गया है। ए5 ई-हाइब्रिड में 25.9 केडब्ल्यूएच की बैटरी लगी है, जो 110 किलोमीटर तक की इलेक्ट्रिक रेंज प्रदान करती है। यह 11 केडब्ल्यू की एसी चार्जिंग को सपोर्ट करता है, जिससे बैटरी को केवल 2.5 घंटे में 0 से 100 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। इसमें ईवी और हाइब्रिड दो ड्राइव मोड मिलते हैं। नई ऑडी ए 5 का इंटीरियर भी बेहद प्रीमियम है।

इसमें 11.9 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 14.5 इंच का इंफोटेनमेंट टचस्क्रीन मिलता है। इसके अलावा, पैनोरमिक सनरूफ, एम्बिएंट लाइटिंग और तीन-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल जैसी सुविधाएं दी गई हैं। भारत में इसकी कीमत रुपए 45.5 लाख से शुरू होती है, जबकि अवंत एस्टेट वेरिएंट की कीमत सैलून मॉडल से करीब रुपए 2.2 लाख ज्यादा है।ऑडी ने इस कार में रीजनरेटिव ब्रेकिंग टेक्नोलॉजी को भी बेहतर बनाया है, जिसे स्टीयरिंग व्हील पर पैडल शिफ्टर्स के जरिए एडजस्ट किया जा सकता है।

हल्दीराम स्नैक्स में यूएई सुरक्षा सलाहकार करने जा रहा है बड़ा निवेश

मुंबई। हल्दीराम स्नैक्स भारत की प्रमुख नमकीन, भुजिया, और मिठाई कंपनी, इन दिनों उदारीकृत संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनून बिन जायद के निवेश के चर्चे में है। खबर आई है कि उन्होंने हल्दीराम स्नैक्स में 6 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का फैसला किया है, जिसके माध्यम से प्रायः 600 मिलियन डॉलर की बड़ी करोड़पति की गणना हुई है। सूत्रों के मुताबिक इससे पहले उन्होंने गौतम अडानी की मदद की थी और इसका व्यापारिक में स्वागत किया जा रहा है। तहनून ने अपने बीमा कंपनी अल्फा वेव ग्लोबल के माध्यम से चिमेरा कैपिटल के साथ मिलकर हल्दीराम स्नैक्स में हिस्सेदारी खरीदने का सौदा किया है।

इलेक्ट्रिक कार ईवी6 का फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च

भारत में किआ मोटर्स इंडिया ने अपनी लोकप्रिय इलेक्ट्रिक कार ईवी6 का फेसलिफ्ट वर्जन पेश किया है। नए मॉडल में कई बड़े अपडेट किए गए हैं, जिसमें नया डिजाइन, एडवांस फीचर्स और ज्यादा पावरफुल बैटरी शामिल है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 65.9 लाख रुपये रखी गई है। कंपनी ने 2 व्हील ड्राइव वेरिएंट को बंद कर दिया है और अब सिर्फ ऑल-व्हील ड्राइव वेरिएंट ही उपलब्ध होगा। ईवी6 फेसलिफ्ट का लुक पहले से ज्यादा स्पोर्टी और अग्रेसिव बना दिया गया है। इसमें नए एलईडी हेडलाइट्स, कनेक्टेड डीआरएल और सीक्वेंशियल टर्न इंडिकेटर्स दिए गए हैं। 19-इंच के नए अलॉय व्हील्स और पांच नए कलर ऑप्शंस - स्नो व्हाइट पर्ल, ऑरोरा ब्लैक पर्ल, वुल्फ ग्रे, रनवे रेड और यॉट ब्लू मैट - के साथ यह कार पहले से ज्यादा आकर्षक दिखती है। कार के इंटीरियर में भी कई अपग्रेड किए गए हैं। इसमें फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील, डैशबोर्ड पर दो 12.3-इंच स्क्रीन और डिजिटल की 2.0 शामिल हैं।

अदाणी ग्रुप की सीमेंट कंपनियों के सीईओ से लेकर एमडी तक बदले गए

अंबुजा सीमेंट्स के नई सीईओ विनोद बाहेती होंगे

नई दिल्ली

अदाणी ग्रुप की सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने विनोद बाहेती को नया सीईओ नियुक्त किया है और वर्तमान में पद पर मौजूद अजय कपूर को मैनेजिंग डायरेक्टर बनाया है। अंबुजा सीमेंट्स के बोर्ड ने विनोद बाहेती को अतिरिक्त निदेशक और पूर्णकालिक निदेशक तथा कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में तीन साल के लिए नियुक्ति को मंजूरी दी है। कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। इसके अलावा देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट उत्पादक कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने राकेश तिवारी को कंपनी का मुख्य वित्तीय अधिकारी नियुक्त करने की भी घोषणा की है। साथ ही बोर्ड ने प्रवीण गर्ग को कंपनी के बोर्ड में गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक के रूप में तीन साल के लिए नियुक्त करने को भी मंजूरी दी।

फाइलिंग में कहा गया कि ये सभी बदलाव 1 अप्रैल से प्रभावी होंगे। बता दें कि अदाणी ग्रुप का मुकाबला आदित्य बिरला ग्रुप की कंपनी अल्ट्राटेक के साथ होता है, जो सीमेंट क्षेत्र में बड़ी खिलाड़ी है। इसका लक्ष्य वित्तीय वर्ष 28 तक 140 मिलियन टन प्रति वर्ष की उत्पादन क्षमता हासिल करना है। गौतम अदाणी के नेतृत्व वाला अदाणी ग्रुप सितंबर 2022 में स्विस कंपनी होल्सिम से अंबुजा सीमेंट को 6.4 बिलियन डॉलर (लगभग 51,000 करोड़ रुपये) के नकद सौदे में खरीदकर सीमेंट व्यवसाय में कदम रखा था।

टेसला कार जलाए जाने से नाराज मस्क डीओजीई को कर सकते हैं बाय-बाय

वॉशिंगटन

इन दिनों टेसला कार पूरी दुनिया में चर्चित हैं। लेकिन कई जगह इस कार को जलाकर लोग अरबपति एलन मस्क का विरोध कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम के सबसे चर्चित चेहरे एलन मस्क दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में लगातार चर्चा में बने रहते हैं। हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के लिए लोगों का निशाना बन रहे मस्क ने संकेत दिया है कि वह मई के अंत तक अपना काम खत्म करके इस भूमिका से हट सकते हैं।

डोजे के प्रमुख के रूप में एलन मस्क ने दावा किया है कि उन्होंने अमेरिकी प्रशासन की इतनी खामियों को उजागर करके सुधारने का काम किया है कि इससे अमेरिका को 1 ट्रिलियन डॉलर का फायदा होगा। आपको बता दें कि एलन मस्क का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पूरे अमेरिका में उन पर हजारों लोगों को नौकरी से

निकाल देने का आरोप लग रहा है। उनके खिलाफ उमड़ते इस गुस्से का सामना उनकी कंपनी की टेस्ला इलेक्ट्रिक कारों को करना पड़ रहा है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप से लेकर प्रशासन के सभी लोगों ने टेस्ला का समर्थन किया है और उसके खिलाफ हमला करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की घोषणा की है लेकिन तब भी टेस्ला पर हमले जारी हैं।

एक इंटरव्यू में मस्क ने बताया कि वह लगातार अमेरिका की बैलेंस शीट को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहे हैं और जल्दी ही अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ रहे हैं। मस्क ने कहा कि अगर हम इसी रफ्तार से आगे बढ़ते रहे तो जल्दी ही आप देखेंगे कि अमेरिका का वार्षिक घाटा आधा हो जाएगा।

टेस्ला सीईओ ने कहा कि हमारी प्रतिदिन 4 बिलियन डॉलर के घाटे को कम करने के औसत को लेकर काम करती है। इस तरह से हम ज्यादातर काम 130 दिनों के भीतर पूरा कर लेंगे। मस्क ने अपने काम को लेकर कहा कि अगर हम यह नहीं करते तो जल्द ही अमेरिका दिवालिया होने की कगार पर आ जाता। डोजे प्रमुख ने अपनी टीम के साथ मिलकर अपने प्रयासों को बारे में विस्तार से बात करते हुए कहा कि सरकार पर बहुत ज्यादा बोझ है, बजट का एक बहुत बड़ा हिस्सा अपव्यय और धोखाधड़ी की वजह से खर्च हो जाता है। हम उस धोखा धड़ी को खत्म करने का प्रयास कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि हम बिना किसी सरकारी सेवा को प्रभावित किए बिना 15 प्रतिशत की कटौती कर सकते हैं। मस्क ने 130 दिनों के भीतर अपने काम को खत्म करने की बात कही है। इसका मतलब यह है कि मई के अंत तक टेस्ला सीईओ डोजे प्रमुख की भूमिका में अपने काम को खत्म कर सकते हैं। उसके बाद डोजे का भविष्य क्या होगा इसके ऊपर सवालिया निशान लगा हुआ है।

संजय दत्त की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूतनी' का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड में इन दिनों विभिन्न विषयों पर फिल्में बन रही हैं। खासतौर पर हॉरर कॉमेडी फिल्मों को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। 'मुंज्या' और 'स्त्री 2' जैसी फिल्मों की सफलता इसका उदाहरण हैं। इसी कड़ी में अब एक नई हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूतनी' का रोमांचक ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में सुपरस्टार संजय दत्त विशेष भूमिका में नजर आएंगे। ट्रेलर को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म 'भूतनी' के ट्रेलर में संजय दत्त एक शक्तिशाली अवतार में नजर आ रहे हैं, जो दर्शकों के लिए बड़ा आकर्षण है। हालांकि, ट्रेलर से फिल्म की कहानी का पूरा अंदाजा नहीं लगता लेकिन इसमें नजर आने वाले कलाकारों की टीम बेहद खास है। फिल्म में संजय दत्त मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जबकि पलक तिवारी, आसिफ खान, मौनी रॉय और सनी सिंह भी अहम किरदारों में दिखाई देंगे। इस फिल्म की एक और खास बात यह है कि मशहूर सोशल मीडिया स्टार बी यूनिक इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। ट्रेलर के बाद से ही दर्शकों में फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ गया है। हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूतनी' 18 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। फिल्म का निर्माण सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स द्वारा किया गया है। संजय दत्त स्वयं दीपक मुकुट के साथ इस फिल्म के सह-निमार्ता हैं। निमार्ताओं की सूची में हुनर मुकुट और संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त का भी नाम है। कुल मिलाकर इसमें कोई शक नहीं है कि संजू बाबा का कॉमेडी अवतार देखने के लिए हर कोई उत्साहित होगा।

मौनी रॉय का बदला चेहरा देख फैंस ने किया ट्रोल

आजकल सुंदर दिखने के लिए विभिन्न उपचार और सर्जरी का सहारा लिया जाता है। इसमें अभिनेता बोटॉक्स और सर्जरी करवाते नजर आ रहे हैं। अक्सर ये सर्जरी उन्हें खूबसूरत की बजाय अजीब बना देती है और वे ट्रोलर्स का निशाना बन जाती हैं। ऐसा ही कुछ हुआ अभिनेत्री मौनी रॉय के साथ। एक्ट्रेस मौनी रॉय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो को देखने के बाद लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि एक्ट्रेस ने दोबारा सर्जरी करवाई है। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मौनी का वीडियो वायरल-मौनी रॉय ने इंडस्ट्री में नामी हस्तियों के बीच अपनी खास जगह बनाई है। टेलीविजन इंडस्ट्री से आने के बाद बॉलीवुड में करियर बनाना आसान नहीं है। इसके अलावा मौनी अपने आउटफिट्स और स्टाइल को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। अब उनके इंस्टाग्राम पर जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें मौनी वन पीस में नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उनका लुक काफी बदला हुआ नजर आ रहा है। कुछ लोगों को उनका यह अंदाज पसंद आया तो वहीं कुछ ने सवाल उठाया कि क्या मौनी ने दोबारा सर्जरी करवाई है। एक यूजर ने वीडियो पर टिप्पणी की, 'सर्जरी की दुकान।' पूरा चेहरा डिजाइन किया गया है, जैसे बच्चे चित्र बनाते हैं, डॉक्टर ने भी कुछ कलात्मक काम किया है। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'चेहरा फिर बदल गया।' एक अन्य यूजर ने लिखा-'सर्जरी और इंतजार के बाद मैं उन्हें पहचान भी नहीं पा रहा हूं।' ऐसे कमेंट किये गए हैं। मौनी रॉय फिल्म भूतनी में नजर आएंगी। इस फिल्म में संजय दत्त, सनी सिंह, पलक तिवारी और निक भी नजर आएंगे। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है जो 18 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से की थी। इसके बाद वह कई अन्य धारावाहिकों में नजर आईं, लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा लोकप्रियता एकता कपूर के शो नागिन से मिली।

मैं भगवान की बहुत आभारी हूं कि सब कुछ ठीक है: सारा अली खान

मुंबई (ईएमएस)। बीते दिनों अभिनेता सैफ अली खान पर उनके आवास में अज्ञात हमलावर ने चाकू से हमला कर दिया था। इस घटना के बाद उनकी बेटी और अभिनेत्री सारा अली खान ने पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह हादसा उनके लिए बेहद चौंकाने वाला था और इससे जीवन के प्रति उनका नजरिया बदल गया है। एक कायर्क्रम में शामिल होने आई सारा ने अपने पिता की सुरक्षा के लिए ईश्वर का आभार जताया। उन्होंने कहा, यह और भी बुरा हो सकता था। मैं भगवान की बहुत आभारी हूं कि सब कुछ ठीक है। हमें अपनी जिंदगी के लिए हमेशा शुक्रगुजार होना चाहिए। जब सारा से पूछा गया कि क्या इस घटना के बाद उनका परिवार और करीब आ गया है और उनके पिता से उनका रिश्ता और मजबूत हुआ है, तो उन्होंने कहा, इससे आपको एहसास होता है कि चीजें बस पल भर की हैं। इससे मुझे यह नहीं पता चला कि मैं अपने पिता से प्यार करती हूं, यह बात मैं पिछले 29 साल से जानती हूं। सारा ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से मिली सीख को साझा करते हुए कहा, इसने मुझे एहसास दिलाया कि जीवन रातोंरात बदल सकता है, तो हर दिन का हर पल सेलिब्रेशन का हकदार है। मुझे समझ आया कि जीना कितनी बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि इस हादसे ने उन्हें छोटी-छोटी खुशियों की सराहना करना सिखाया और अब वह हर पल को खुलकर जीने में यकीन रखती हैं। गौरतलब है कि इस हमले में सैफ अली खान को चाकू से छह बार वार किया गया था। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने खुद को संभाला और अस्पताल पहुंचे। पुलिस के मुताबिक, यह हमला चोरी के इरादे से किया गया था, लेकिन जब सैफ ने हमलावर को रोकने की कोशिश की, तो उसने उन पर हमला कर दिया। हमलावर फरार हो गया और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

माइनक्राफ्ट की लाइव-एक्शन फिल्म सिनेमाघरों में होगी रिलीज

मुंबई (ईएमएस)। वार्नर ब्रदर्स और लेजेंडरी पिक्चर्स ने ह्यमाइनक्राफ्ट मूवीह्न का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। माइनक्राफ्ट की यह लाइव-एक्शन फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी। भारत में यह फिल्म 4 अप्रैल, 2025 को हिंदी और अंग्रेजी में 3डी और आईमैक्स 3डी में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन जैरेड हेस कर रहे हैं और इसमें जैक ब्लैक, जेसन मोमोआ, एम्मा मायर्स, डेनिएल ब्रूक्स, सेबेस्टियन हैनसेन और जेनिफर कूलिज जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे। फिल्म में हॉलीवुड अभिनेता जैक ब्लैक स्टीव का किरदार निभाने वाले हैं, जो माइनक्राफ्ट गेम का सबसे मशहूर और आइकॉनिक किरदार है। जैक ब्लैक के लिए यह फिल्म बेहद खास है क्योंकि वह खुद भी माइनक्राफ्ट गेम के बड़े फैन हैं। उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने यह फिल्म अपने बेटों के कहने पर साइन की। उन्होंने कहा, मेरे घर में सभी माइनक्राफ्ट के दीवाने हैं। मैं अपने बेटों के साथ यह गेम खेलता था ताकि उनकी दुनिया को समझ सकूं। जब मुझे यह फिल्म ऑफर हुई, तो मेरे बेटों ने कहा- पापा, आपको इसे करना ही होगा! और मैंने तुरंत हां कह दिया। माइनक्राफ्ट की लोकप्रियता किसी से छिपी नहीं है। जब जैक ब्लैक ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा की कि वह माइनक्राफ्ट मूवी का हिस्सा हैं, तो यह खबर जंगल में आग की तरह फैल गई। उन्होंने सिर्फ एक फोटो पोस्ट की, जिसमें वह माइनक्राफ्ट फॉर डमीज नाम की किताब पढ़ते हुए नजर आ रहे थे। इस फोटो पर लाखों लाइक्स आए, जिससे यह साबित हो गया कि फैंस इस फिल्म को लेकर कितने उत्साहित हैं। माइनक्राफ्ट सिर्फ एक वीडियो गेम नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक क्रांति बन चुका है। इसे दुनियाभर के करोड़ों लोग खेलते हैं और यह एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंच चुका है। जो बच्चे माइनक्राफ्ट खेलते हुए बड़े हुए, वे आज अपने परिवार चला रहे हैं और अब वे अपनी अगली पीढ़ी को भी इस गेम से जोड़ रहे हैं। यह गेम 2011 में लॉन्च हुआ था और तब से अब तक इसकी दीवानगी कम नहीं हुई है। माइनक्राफ्ट मूवी को वार्नर ब्रदर्स पिक्चर्स और लेजेंडरी पिक्चर्स ने प्रस्तुत किया है, जबकि वर्टिगो एंटरटेनमेंट, ऑन द रोम और मोजांग स्टूडियोज ने इसे प्रोड्यूस किया है।

'पगलैट' की कहानी दर्शाती है युवा विधवा संध्या की भावनात्मक यात्रा को

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म निमार्ता उमेश बिष्ट द्वारा निर्देशित पगलैट फिल्म ने न केवल शोक और दुःख को लेकर समाज की पारंपरिक सोच को बदला, बल्कि अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा को अपनी पीढ़ी की सबसे प्रभावशाली अभिनेत्रियों में भी स्थापित किया। पगलैट की कहानी एक युवा विधवा संध्या की भावनात्मक यात्रा को दशार्ती है, जो अपने पति की मृत्यु के बाद समाज द्वारा तय किए गए शोक के नियमों से खुद को अलग पाती है। सान्या ने इस किरदार में संवेदनशीलता और आत्म-खोज के बीच की जटिलता को बखूबी उकेरा। यह फिल्म हमारे समाज में प्रचलित उस धारणा को तोड़ती है कि महिलाएँ केवल भावनात्मक रूप से कमजोर होती हैं। इसके बजाय, यह महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्णय और स्वतंत्रता की एक नई परिभाषा गढ़ती है। पगलैट की सफलता के बाद सान्या मल्होत्रा के करियर को नई ऊँचाइयाँ मिलीं। उनकी हालिया फिल्म मिसेज ने एक बार फिर साबित किया कि वह जटिल और गहन कहानियों को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत करने में माहिर हैं। उनके आगामी प्रोजेक्ट्स, जैसे कि ह्यसनी संसकारी की तुलसी कुमारी (धर्मा प्रोडक्शंस) और अनुराग कश्यप व बॉबी देओल के साथ उनका रोमांचक सहयोग, इस बात का संकेत देते हैं कि सान्या लगातार अपनी सीमाओं को आगे बढ़ा रही हैं और भारतीय सिनेमा में सबसे बेखौफ अभिनेत्रियों में से एक बनी हुई हैं। पगलैट के चार साल बाद भी यह फिल्म सान्या के करियर का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनी हुई है। यह न केवल उनकी बेहतरीन अदाकारी को दशार्ती है, बल्कि भारतीय सिनेमा में महिला-प्रधान फिल्मों की बढ़ती ताकत का भी प्रतीक है। सान्या ने इस फिल्म के जरिए यह साबित कर दिया कि वह अपनी दमदार प्रस्तुति और सशक्त किरदारों के साथ लंबे समय तक दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली हैं। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने हमेशा ऐसी भूमिकाएँ निभाई हैं जो परंपरागत धारणाओं को चुनौती देती हैं और सार्थक चचाओं को जन्म देती हैं। उनकी समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्म पगलैट अपनी चौथी वर्षगांठ मना रही है, और यह फिल्म इस बात का प्रमाण है कि सान्या अपने हर किरदार में गहराई और प्रामाणिकता लाने में कितनी सक्षम हैं।

तहलका मचाने के लिए तैयार राम चरण की फिल्म पेडी

मुंबई (ईएमएस)। साउथ के सुपर स्टार राम चरण अपनी फिल्म पेडी के साथ एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। राम चरण के जन्मदिन के अवसर पर फिल्म का आधिकारिक टाइटल और पहला लुक पोस्टर जारी किया गया, जिसने फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। पोस्टर में राम चरण बेहद दमदार और कच्चे अवतार में नजर आ रहे हैं। उनकी तीव्र आंखें, बेतरतीब बाल, दाढ़ी और नथ उनके किरदार की सख्त और रौद्रता से भरी शख्सियत को दशार्ती है। एक अन्य पोस्टर में उन्हें पुराने क्रिकेट बैट के साथ देखा गया, जबकि बैकग्राउंड में ग्रामीण स्टेडियम की झलक मिलती है। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में क्रिकेट से जुड़ी गहरी ग्रामीण पृष्ठभूमि देखने को मिलेगी। बुची बाबू सना की शानदार सिनेमाई दृष्टि और राम चरण के किरदार में जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन ने फैंस के बीच उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। फिल्म में दमदार कलाकारों की टुकड़ी शामिल है। जहां जान्हवी कपूर मुख्य नायिका की भूमिका में नजर आएंगी, वहीं कन्नड़ सुपरस्टार शिवराजकुमार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा भी फिल्म में अहम किरदारों में नजर आएंगे। तकनीकी टीम भी बेहद प्रभावशाली है। ऑस्कर विजेता ए.आर. रहमान फिल्म का संगीत तैयार कर रहे हैं, जबकि शानदार सिनेमेटोग्राफी की जिम्मेदारी आर. रत्नवेलू संभालेंगे। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संपादक नवीन नूली और प्रोडक्शन डिजाइनर अविनाश कोल्ला भी इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। फिल्म को बड़े पैमाने पर, भव्य सेट्स और अत्याधुनिक तकनीकों के साथ बनाया जा रहा है, जो इसे एक विशाल सिनेमा अनुभव बनाएगा। पहले लुक ने ही इसे पैन-इंडिया ब्लॉकबस्टर बनाने की ओर इशारा कर दिया है। अब फैंस को फिल्म के ट्रेलर और रिलीज डेट के ऐलान का बेसब्री से इंतजार है। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता बुची बाबू सना (उप्पेना) कर रहे हैं और इसे मिथ्री मूवी मेकर्स और सुकोमार राइटिंग्स के सहयोग से वृधि सिनेमा के बैनर तले वेण्कट सत्येश किलारू द्वारा निर्मित किया गया है।

ईशान खट्टर का खुलासा अपने आउटफिट्स रिपीट करता हूं

बॉलीवुड अभिनेता ईशान खट्टर ने हाल ही में खुलासा किया कि वह अक्सर अपने कपड़े रिपीट करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए फैशन और फिटनेस दोनों ही जीवनशैली का अहम हिस्सा हैं। ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर में डिजाइनर पवन सचदेवा के लिए पहुंचे ईशान ने हाल ही में एक बातचीत में कहा, हां, सौ फीसदी। मैं हमेशा अपने आउटफिट्स रिपीट करता हूं। मैं आज रात भी एक आउटफिट रिपीट करने जा रहा हूं। फिटनेस को लेकर उन्होंने कहा, यह मेरे काम का एक अहम हिस्सा बन चुका है। मैं एक डांसर हूं, और फिटनेस मेरी मानसिक और शारीरिक सेहत के लिए बहुत जरूरी है। यह मुझे ओवरथिंकिंग से भी बचाने में मदद करता है। ईशान खट्टर ने अपने करियर की शुरूआत 2005 में फिल्म वाह! लाइफ हो तो ऐसी! में एक बाल कलाकार के रूप में की थी, जिसमें उनके सौतेले भाई शाहिद कपूर मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद उन्होंने 2017 में माजिद मजीदी की फिल्म बियॉन्ड द क्लाउड्स से लीड एक्टर के तौर पर डेब्यू किया। उन्हें सबसे ज्यादा पहचान धड़क से मिली, जिसमें वह जाह्नवी कपूर के साथ नजर आए थे।

23 साल बाद भी दिलों में बसी है कभी खुशी कभी गम

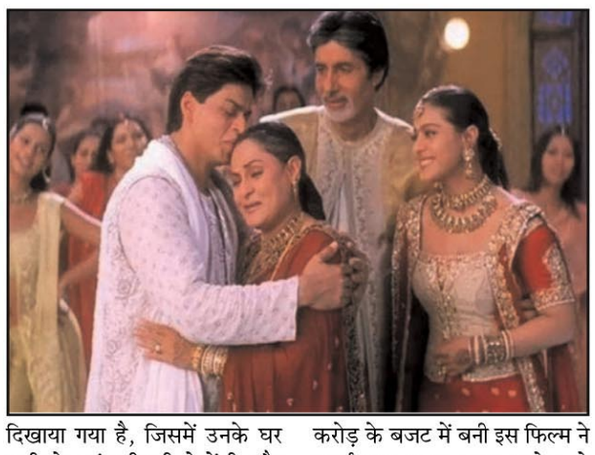

मुंबई (ईएमएस)। करण जौहर के निर्देशन में बनी कभी खुशी कभी गम फैमिली ड्रामा फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की, बल्कि इसके हर किरदार को भी दर्शकों से खूब प्यार मिला। कभी खुशी कभी गम भारतीय सिनेमा की सबसे यादगार फिल्मों में से एक है और इसे फैंस आज भी उतने ही प्यार से देखते हैं जितना 23 साल पहले देखते थे। फिल्म में अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, काजोल, ऋतिक रोशन, करीना कपूर और जया बच्चन जैसे बड़े सितारे थे। हाल ही में इस फिल्म के कुछ अनदेखे सीन का वीडियो सामने आया है, जिसे फाइनल वर्जन में एडिट कर दिया गया था। इन दृश्यों में शाहरुख खान के किरदार राहुल और काजोल के किरदार अंजली की लंदन की जिंदगी को विस्तार से दिखाया गया था। फिल्म में दिखाया गया था कि जब राहुल अपने पिता के खिलाफ जाकर अंजली से शादी करता है, तो उसे घर से निकाल दिया जाता है। इसके बाद वह लंदन जाकर अपनी जिंदगी की नई शुरूआत करता है। हाल ही में सामने आए इस वीडियो में राहुल और अंजली की लंदन की जिंदगी को और विस्तार से दिखाया गया है, जिसमें उनके घर खरीदने, अंजली की प्रेग्नेंसी और उनके बीच के रोमांटिक पलों को फिल्माया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, करण जौहर ने फिल्म का रनटाइम ज्यादा लंबा होने की वजह से इन दृश्यों को एडिट कर दिया था। फिल्म पहले ही करीब साढ़े तीन घंटे लंबी थी और यदि इन दृश्यों को शामिल किया जाता, तो इसकी अवधि चार घंटे से ज्यादा हो जाती। हालांकि, अब फैंस को यह देखने का मौका मिल रहा है कि राहुल और अंजली की जिंदगी को फिल्म में और गहराई से दिखाया गया था। करीब रुपए 45 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड रुपए 100 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया था और सुपरहिट साबित हुई थी। फिल्म के गाने और इसकी इमोशनल कहानी आज भी लोगों की फेवरेट बनी हुई है। इस फिल्म के बाद अमिताभ बच्चन को कई बड़े प्रोजेक्ट्स मिले और उनका करियर एक नई ऊंचाई पर पहुंच गया। बता दें कि बॉलीवुड की सबसे आइकॉनिक फिल्मों में से एक, कभी खुशी कभी गम को रिलीज हुए 23 साल से ज्यादा का समय हो गया है, लेकिन आज भी यह फिल्म दर्शकों के दिलों में बसी हुई है।

सूडोकु नवताल- 7107

★★★★☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7106 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्दजाल - 7854

अ	कु	र	सु	ह	म	तु	म	ला	नी	ओ
न	छ	क	ज	इं	डो	ने	ह	क	म	म
बं	ना	आ	य	म	न	इ	क	भी	प	ज
टी	क	ल	मा	ज	ल	स	रा	अ	इ	य
औ	हो	स	र	का	र	क	र	ल	त्ते	ज
र	जे	कि	र	क	द	का	म	वी	रि	ग
ब	मा	दे	श	व	था	स	त	दा	क	दी
ब	दे	श	रा	न	प	य	र	न	व	श
ली	दि	ल	र	ले	दा	र	जा	क	वी	दे
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	र
ते	रा	जा	दु	च	ल	ग	या	ना	र	म

शब्दजाल में अभिषेक बच्चन की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

सरकार, बंटी और बबली, ओम जय जगदीश, शरारत, दस, कभी अलवीदा न कहना, रन, हम तुम, कुछ ना कहो, तेरा जादु चल गया.

शब्दजाल - 7853 का हल

व	श	मु	कि	स्म	त	हो	प	न	र	द
क्त	क्रि	ल	ना	द	म	जा	ऐ	त	रा	ज
य	के	ब	हे	नि	ही	ना	न	व	टि	रू
इं	ट	र	न	शा	वा	रो	क	ले	ज	व
प	दा	सा	अं	ने	तो	हो	थ	गो	भ	त
ब	स	त	प	दा	स	ए	व	सं	वॉ	व
द	ल्फ	न	न	जी	ज	ह	अ	गो	प्ला	द
क	र	मा	प	क्श	प	क	र	चो	न	ख
र	व	त	स्ट	रा	भी	त	श्मी	अ	शा	अ
क	र	ल	प	र	ज	ता	रे	र	ह	द
क	ह	रि	म	आ	प	की	खा	ति	र	जा

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग -6807

5	3			1		
	33	2	32		28	
1		7		4		3
6	33		42		31	6
			6		5	1
7	27	3	35	5	40	
	5			6		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6806 का हल

6	3	5	7	4	1	2
1	28	3	35	5	34	7
4	5	1	3	7	2	6
7	34	6	26	2	33	3
3	6	2	4	1	7	5
5	30	4	33	6	32	1
2	1	7	6	3	5	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

बीकेएफसी के लिए दुबाई तैयार, दिग्गज कॉनर मैकग्रेगर ने जताई उत्सुकता

दुबई

बेयर नकल फाइटिंग चैंपियनशिप (बीकेएफसी) अगले सप्ताह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अपने बहुप्रतीक्षित आगमन के लिए तैयार है। यह आयोजन वर्ल्ड लीग ऑफ फाइटर्स और दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल के सहयोग से 4 और 5 अप्रैल को प्रतिष्ठित दुबई ड्यूटी-फ्री टेनिस स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता में दुनिया के बेहतरीन मुक्केबाज बिना दस्ताने के दमदार मुकाबलों में आमने-सामने होंगे, जिसमें सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया जाएगा।

बीकेएफसी अध्यक्ष फेल्डमैन बोले- हम इस खेल को वैश्विक स्तर पर ले जा रहे हैं

मिक्स मार्शल आर्ट्स दिग्गज कॉनर मैकग्रेगर ने अपने उत्साह को व्यक्त किया और बीकेएफसी के अध्यक्ष डेविड फेल्डमैन ने यूएई को एक गेमचेंजर के रूप में देखा।

बीकेएफसी के संस्थापक और अध्यक्ष डेविड फेल्डमैन ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, हम इस खेल को वैश्विक स्तर पर ले जा रहे हैं। छह हफ्तों में आठ आयोजन, चार देशों में। हम दुबई ड्यूटी-फ्री टेनिस स्टेडियम में 4 और 5 अप्रैल को होने वाले दो इवेंट और चार विश्व चैम्पियनशिप मुकाबलों के लिए आ रहे हैं। बीकेएफसी की दुबई में एंट्री, संगठन की वैश्विक विस्तार योजना का हिस्सा है, जिसके तहत छह हफ्तों में चार अलग-अलग देशों में कुल आठ आयोजन किए जा रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात, जो अब तक बड़े-बड़े खेल आयोजनों का गवाह बन चुका है, अब पहली बार बिना दस्तानों के मुक्केबाजी का रोमांच देखेगा। इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर पूर्व मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स चैंपियन और कॉम्बैट स्पोर्ट्स आइकन कॉनर मैकग्रेगर भी बेहद उत्साहित हैं। बीकेएफसी के तेजी से बढ़ते प्रभाव को लेकर उन्होंने कहा, दुबई, हम आ रहे हैं। बीकेएफसी अब एक वैश्विक सनसनी बन चुका है। यह अमेरिका के फ्लोरिडा से लेकर पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है।

न्यूज ब्रीफ

वाराणसी के रोशन मौर्य ने 10 दिन में जीते तीन पदक

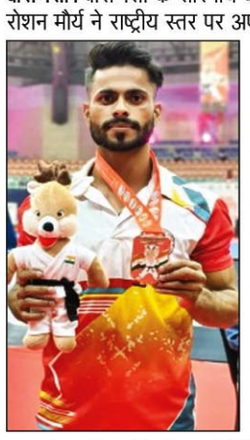

वाराणसी। वाराणसी के सारनाथ के पास रहने वाले रोशन मौर्य ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा की चमक बिखेरी है। मात्र 10 दिनों में उन्होंने तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया है। रोशन, काशी विद्यापीठ के छात्र होने के साथ-साथ कराटे के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने इससे पहले भी कई पदक जीतकर अपने परिवार और शहर का नाम रोशन किया है। रोशन मौर्य ने हाल ही में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय क्वान की-डो प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर अपनी सफलता की शुरुआत की। यह प्रतियोगिता 18 से 20 मार्च तक राजस्थान के जे.जे. विश्वविद्यालय में आयोजित हुई थी, जिसमें उन्होंने पुरुष 61 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। इसके तुरंत बाद, उन्होंने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भी अपना दमखम दिखाया। यह प्रतियोगिता 21 से 25 मार्च तक उत्तर प्रदेश के मेरठ में स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में आयोजित हुई थी। इस प्रतियोगिता में उन्होंने पुरुष 63 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर काशी विद्यापीठ का नाम रोशन किया।

हैदराबाद में जीता तीसरा राष्ट्रीय पदक- मेरठ में पदक जीतने के बाद रोशन सीधे हैदराबाद पहुंचे, जहां उन्होंने केआईओ राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। यह प्रतियोगिता 26 से 29 मार्च तक गच्चीबावली इंडोर स्टेडियम में आयोजित हुई थी। इस प्रतियोगिता में उन्होंने उत्तर प्रदेश की ओर से पुरुष 60 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता। उनकी इस उपलब्धि पर उनके कोच, परिवार और शुभचिंतक उन्हें बधाइयां दे रहे हैं। रोशन की इस सफलता ने यह साबित कर दिया कि मेहनत और लगन से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

पूरन ने अकेले ही लगाये हैं नौ टीमों से ज्यादा छक्के

नई दिल्ली। आईपीएल में आक्रामक बल्लेबाज की बात करें तो वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन की अधिक चर्चा नहीं होती पर अगर आंकड़ों की बात करें तो इस बल्लेबाज ने अकेले ही कई टीमों से ज्यादा छक्के लगाये हैं। पूरन ने आईपीएल की 9 टीमों से ज्यादा छक्के मारे हैं। पूरन ने साल 2024 से अब तक वह इस प्रारुप में सबसे ज्यादा 200 छक्के लगाये हैं। अब तक 86 पारियों में पूरन ने 41 की औसत और 161 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 2777 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने 20 अर्धशतक और एक शतक लगाया है। वहीं छक्के मारने के मामले में दक्षिण कोरिया के हेनरिच क्लासेन दूसरे नंबर पर हैं। क्लासेन ने 64 पारियों में 119 छक्के लगाए हैं। वहीं अब तक की बात करें तो आईपीएल में केवल सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने ही मिलकर पूरन से ज्यादा छक्के लगाये हैं। 2024 सत्र से अब तक हैदराबाद के बल्लेबाजों ने कुल 202 छक्के लगाये हैं। वहीं आरसीबी के बल्लेबाजों ने 182 छक्के मारे हैं। सबसे कम 83 छक्के गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजों ने लगाये हैं। एक साल में टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 170 छक्के मारने का विश्व रिकॉर्ड भी पूरन के नाम दर्ज है। टी20 क्रिकेट में पूरन के नाम चौके से ज्यादा छक्के हैं। अभी तक उन्होंने अपने करियर में 386 मुकाबले खेले हैं। इसमें उनके बल्ले से 586 चौके और 612 छक्के लगाये हैं।

जोकोविच मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचे , जीत सकते हैं 100 वां खिताब

फ्लोरिडा। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गये हैं। जोकोविच ने सेमीफाइन में बुलगारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-2, 6-3 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। अब जोकोविच के पास अपने 100वें एटीपी खिताब को जीतने का अच्छा अवसर है।

जोकोविच ने सेमीफाइनल में पहला सेट जीतने के दौरान लगातार 5 गेम जीते। वहीं दिमित्रोव की शुरुआत दूसरे सेट में अच्छी नहीं रही जिससे जोकोविच को आसानी से जीत मिल गयी। जोकोविच ने कहा कि अब मेरा लक्ष्य 100 खिताब जीतना है। साथ ही कहा कि मैंने अब तक इस टूर्नामेंट में जिस प्रकार से खेला है। उससे मैं बहुत खुश हूं। वहीं दिमित्रोव कभी भी मैच में हावी नहीं हो पाये। उन्होंने जोकोविच की सर्विस पर पहला गेम जीता पर इसका लाभ नहीं उठा पाए। दूसरे सेट में दिमित्रोव की शुरुआत धीमी रही।

बिहार के सब्जी विक्रेता के बेटे ने अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़ केआईपीजी 2025 में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली

बिहार के हरनौत के एक सब्जी विक्रेता के होनहार बेटे झंडू कुमार ने अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़कर यहां जारी खेलों इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीजी) 2025 में स्वर्ण पदक जीता है। केआईपीजी के पहले संस्करण में रजत पदक जीतने वाले झंडू कुमार ने अपना खेल करियर हरनौत से ही शुरू किया था और एक रोचक लेकिन संघर्ष भरे सफर के बाद वह गांधीनगर स्थित साई एनसीई पहुंचे और फिर मशहूर पैरा कोच राजिंदर सिंह रहेलू की देखरेख में अपनी प्रतिभा की चमक दिखानी शुरू कर दी।

28 साल के झंडू कुमार के दोनों पैर जन्म से ही पोलियोग्रस्त हैं। उन्होंने रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर में स्थित वेटलिफ्टिंग हाल में 72 किग्रा कटेगरी में 206 किग्रा वजन के साथ अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़ा। इससे पहले उन्होंने नोएडा में 17-18 मार्च को आयोजित पैरा नेशनल चैंपियनशिप में 205 किग्रा वजन के साथ हरियाणा के सुधीर कुमार का 192 किग्रा का नेशनल रिकार्ड तोड़ा था।

झंडू कुमार 2017 से पहली बार खेलों में आए। शुरुआत में शाटपुट और डिस्कस थ्रो करते थे। साथ ही वह पावरलिफ्टिंग भी करते थे। तब तक उनको पैरा पावरलिफ्टिंग के बारे में पता नहीं था। एफ-55 कटेगरी में उन्होंने शाटपुट और डिस्क्स थ्रो में कई इवेंट्स में हिस्सा लिया और सफलता भी अर्जित की लेकिन उनकी मंजिल कहीं और थी, लिहाजा किस्मत उन्हें उस ओर ले गई।

उन्होंने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि जिला और राज्य स्तर पर शाटपुट और डिस्कस थ्रो में हिस्सा लिया और हर बार स्वर्ण पदक मिला। शुरुआत से उन्हें जिम का शौक था। पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में आयोजित राज्यस्तरीय चैंपियनशिप के दौरान किसी ने उन्हें पावरलिफ्टिंग में हाथ आजमाने के लिए कहा। इसके बाद उन्होंने पावरलिफ्टिंग में एबल बाडी आयोजनों में भी हिस्सा लिया।

खिलाड़ी ने कहा कि तब तक मुझे पैरा पावरलिफ्टिंग के बारे में पता नहीं था। फिर अपने बचपन के कोच गौतम सिंह (जो हरनौत में द राकस्टार जिम चलाते हैं) के कहने पर 2022 में ही कोलकाता में मैंने अपना पहला पैरा पावरलिफ्टिंग इवेंट खेला। वहां मैंने 65 किग्रा कटेगरी में 135 किग्रा वजन के साथ रजत पदक जीता था। उन्होंने कहा कि कोलकाता के बाद मैं किसी और चीज के बारे में सोचता ही नहीं था। इसी साल मैंने नई दिल्ली में आयोजित नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लिया लेकिन वहां मेरा एक भी लिफ्ट सही नहीं गया। यही वह इवेंट था, जिसमें रहेलू सर ने मुझे देखा था और कहा था कि मैं जल्द ही तुमको गांधीनगर बुलाऊंगा।

वह बताते हैं कि देश के लिए 2004 एथेंस पैरालंपिक में पैरा पावरलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीतने वाले कोच रहेलू ने अपना वादा निभाया और 15 दिन के अंदर उन्हें गांधीनगर बुला लिया। पहली बार गांधीनगर पहुंचने पर हुए अनुभव पर झंडू कुमार ने कहा, मुझे लगा कि यह अलग ही दुनिया है। कुछ दिन तक लगा कि मुझसे नहीं हो पाएगा लेकिन धीरे-धीरे मैंने इससे तालमेल बना लिया।

इसके बाद उन्होंने दिसंबर 2023 में आयोजित पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स में 72 किग्रा वर्ग में 157 किग्रा वजन के साथ रजत पकद जीता। उन्होंने कहा कि पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स ने मुझे नई पहचान दी। मेरा मनोबल सातवें आसमान पर था। इसके बाद 2024 में जब दूसरा नेशनल (जेएलएन स्टेडियम) में खेला गया तो मैं 187 किग्रा के साथ स्वर्ण जीतने में सफल रहा। इस सफलता के बाद मैं पहली बार अपने गांव गया।

28 साल के झंडू कुमार का सपना पैरालंपिक में देश के लिए पदक जीतना है। झंडू कहते हैं, मुझे अभी विश्व चैंपियनशिप खेलना है और फिर पैरालंपिक में। मैं इसके लिए खूब मेहनत करूंगा। अभी कुछ दिनों के लिए परिवार के पास हरनौत जाऊंगा और फिर वापस गांधीनगर आकर मेहनत जारी रखूंगा।

राजिंदर सिंह रहेलू ने झंडू की जमकर तारीफ की। रहेलू ने कहा, बेहद अनुशासित, खूब मेहनत करता है और इसमें शानदार प्रतिभा है। मुझे बता था कि इस साल पैरा गेम्स में यह कुछ खास करेगा। इसने अपने पदक का रंग बदला है, जो उसकी लगन और मेहनत का फल है।

विदेशी खिलाड़ियों को जीआई-पीकेएल में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं : कार्तिक डम्मू

गुरुग्राम

अंतरराष्ट्रीय कबड्डी सितारे ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) में भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। यह बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट 18 अप्रैल से गुरुग्राम में शुरू होने वाला है। पहले सीजन में 12 टीमें (6 पुरुष और 6 महिला टीमें) हिस्सा ले रही हैं। जीआई-पीकेएल के संस्थापक कार्तिक डम्मू ने एक बयान में कहा कि मैं विदेशी खिलाड़ियों को ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं।

कबड्डी एक ऐसा खेल है जिसकी जड़ें भारत में हर जगह फैली हुई हैं और इसे वैश्विक स्तर पर फैलते देखना काफी रोमांचक करने वाला है। विभिन्न देशों के एथलीटों के प्रतिस्पर्धा करने से न केवल खेल की तीव्रता बढ़ेगी, बल्कि खेल में नई शैलियां और रणनीतियां भी आएंगी। यह लीग वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय कबड्डी अनुभव की शुरुआत है और मैं इसे देखने के लिए उत्साहित हूं।

आईपीकेएल के संस्थापक सोहन तुसीर ने खिलाड़ियों की गुणवत्ता को लेकर भरोसा जताते हुए कहा कि यह लीग दुनियाभर में कबड्डी के नए उभरते सितारों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी और उन प्रतिभाओं को एक बड़ा मंच देगी जो इस मौके का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान जीआई-पीकेएल ने अपनी चैंपियनशिप ट्रॉफी का अनावरण किया था।

महिला टीमें: हरियाणवी ईगल्स, भोजपुरी लेपर्डेस, मराठी फाल्कन्स, पंजाबी टाइग्रेस, तेलुगु चीतास, तमिल लायनेस।

पुरुष टीमें: भोजपुरी लेपर्ड्स, हरियाणवी शार्क्स, मराठी वल्चर्स, पंजाबी टाइगर्स, तमिल लायंस, तेलुगु पैंथर्स।

न्यूकास्टल में विजयी परेड

न्यूकास्टल में विजयी परेड में बस में जश्न मनाते हुए न्यूकास्टल यूनाईटेड के खिलाड़ी।

आईपीएल 2025 : मुंबई की लगातार दूसरी हार, गुजरात ने 36 रन से दी पटखनी

अहमदाबाद

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का 9वां मुकाबला गुजरात टाइटंस और मुंबई के बीच खेला गया। मैच को गुजरात की टीम ने 36 रन से जीत लिया। इस मैच में हार्दिक पंड्या ने टॉस जीता है और मुंबई की टीम पहले बॉलिंग करने उतरी। जवाब में गुजरात की टीम ने बोर्ड पर 196 रन लगाए। चेज करते हुए मुंबई की टीम सिर्फ 160 रन बना पाई।

गुजरात टाइटंस की ओर से मिले 197 रन के लक्ष्य पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और रियान रिक्लेटोन का विकेट जल्दी गिर गया। इसके बाद तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव ने तीसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़कर कुछ वापसी की कोशिश की, लेकिन इन दोनों के आउट होने के बाद मुंबई की पारी लड़खड़ा गई। मुंबई की यह दूसरी हार है और वह आईपीएल 2025 में अब तक जीत का खाता नहीं खोल सकी है। मुंबई के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या ने 11, रोहित शर्मा ने आठ, रिक्लेटोन ने छह और रॉबिन मिंज ने तीन रन बनाए। इसके अलावा नमन धीर और मिचेल सैंटनर 18-18 रन बनाकर नाबाद लौटे। गुजरात की ओर से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट लिए, जबकि कैगिसो रबाडा और आर साई किशोर को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 20 ओवर में 196 ररन का स्कोर खड़ा किया। गुजरात को शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी शुरुआत दिलाई और दोनों ने पहले विकेट के लिए 78 रन जोड़े। गिल 27 गेंदों पर 38 रन बनाकर आउट हुए।

रुट के साथी खिलाड़ियों को नसीहत, भारत के खिलाफ प्रदर्शन में निरंतरता रखनी होगी

भारतीय टीम जून में इंग्लैंड के दौरे पर जाएगी

नई दिल्ली

दुनिया के ज्यादातर क्रिकेटर जब आईपीएल में व्यस्त हैं, तब जो रूट टेस्ट सीरीज की प्लानिंग बनाने में लगे है। इंग्लैंड के जो रूट ने भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए अपने खिलाड़ियों को नसीहतें दे डाली है। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ प्रदर्शन में निरंतरता रखनी होगी क्योंकि इसतरह के मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कोई छुपने की जगह नहीं होती। रूट की गिनती मॉडर्न ग्रेट्स में होती है। उन्हें इस शताब्दी के फैब फोर में विराट कोहली, स्टीव स्मिथ और केन विलियम्सन के साथ शामिल किया जाता है। भारतीय टीम को जून में इंग्लैंड के दौरे पर जाना है। दोनों टीमें 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेंगी। यह सीरीज 2025-27 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होगी। सीरीज का पहला मैच 20 जून से हेडिंग्ले में खेला जाएगा। इंग्लैंड के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले रूट ने कहा, भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में कोई छुपने की जगह नहीं है। यह एक लंबी और मुश्किल सीरीज होगी। इसमें जिताने के लिए हमें निरंतरता बनाए रखनी होगी।

बात दें कि रूट ने 2017 से 2022 तक इंग्लैंड टेस्ट टीम की कप्तानी की है। उन्होंने इस दौरान अपनी टीम को 64 मैचों में से 27 में जीत दिलाई। उन्होंने एशेज में हार के बाद कप्तानी छोड़ दी थी। लेकिन वे टीम के नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं। रूट ने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी में तीन पारियों में 225 रन बनाए थे। रूट ने कहा, 'चैंपियंस ट्रॉफी निराशाजनक थी। हम अपनी क्षमता के अनुसार नहीं खेल सके। लेकिन अब हमें आगे बढ़ना है। अब भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज अच्छा मौका है कि हम फिर से टीम के रूप में आगे बढ़ें और उन ऊंचाइयों पर जाएं, जिसमें हम सक्षम हैं। रूट ने जॉस बटलर के इस्तीफे के बाद वनडे में इंग्लैंड की कप्तानी करने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अब वह समय बीत चुका है। मैंने इंग्लैंड के कप्तान के रूप में अपना समय पूरा कर लिया है। हां, मुझे यकीन है कि जिसे भी यह मौका मिलेगा, वह गर्व महसूस करेगा और शानदार काम करेगा।

बीसीसीआई ने पांड्या पर 12 लाख का जुर्माना लगाया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने धीमी ओवर गति के लिए मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। पंड्या पर पिछले सत्र में भी इसी कारण जुर्माना और एक मैच का प्रतिबंध भी लगा था। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने समय रहते 20वें ओवर की शुरुआत नहीं की। इसके लिए मुंबई इंडियंस को सजा के तौर पर अंतिम ओवर में केवल चार ही खिलाड़ियों को 30 गज के दायरे के बाहर रखने की अनुमति थी। इससे भी मुंबई इंडियंस को हुआ था। इसके अलावा उनपर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा है। आईपीएल की ओर से कहा गया कि मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि उनकी टीम ने गुजरात के खिलाफ आईपीएल 2025 के मैच में धीमी ओवर गति रखी थी। यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत न्यूनतम ओवर-रेट से जुड़ी है। इस बार धीमी ओवर गति के तीन अपराधों के बावजूद किसी खिलाड़ी को प्रतिबंधित नहीं किया जाएगा। इस बार इसकी जगह पर नकारात्मक अंक दिये जाएंगे।

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF ASSAM
অসম চৰকাৰ

BTR GOV
बि टि आर सरकार

1st Bodofa Upendra Nath Brahma Memorial Lecture

Commemorating the birth anniversary of
the revered leader Bodofa Upendra Nath Brahma,
celebrated as

Students' Day (Chatra Divas)

across educational institutions in Assam.

Theme: "Bodoland Model of Peace
Transformation of Bodoland and a Vision for the Future"

Organised by the Government of Bodoland Territorial Region (BTR)
in collaboration with the Department of Education, Government of Assam

Date: **31st March 2025** | Time: **11:30 AM to 2:00 PM**
Venue: **KBR Auditorium, Cotton University**

Chief Guest
Dr. Ranoj Pegu
Hon'ble Minister of Education, Government of Assam

Memorial Lecture by
Shri Pramod Boro
Hon'ble CEM, Bodoland Territorial Region (BTR)

Guest of Honour
Prof. Ramesh Chandra Deka
Vice Chancellor, Cotton University

IPR(BTC)/D/2024-25/68

Published By I&PR Department, BTC